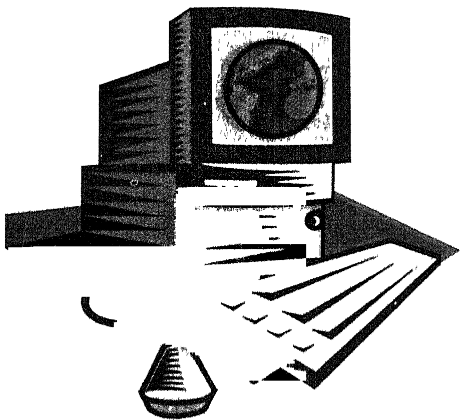
कम्प्यूटर शब्द-कोश



$E=mc^2$





प्रहलाद शर्मा

कम्प्यूटर शब्द-कोश

कम्प्यूटर शब्द-कोश

प्रहलाद शर्मा

ज्योति प्रकाशन, जयपुर

ISBN 81–87988–08–8

संस्करण : प्रथम, 2002

मूल्य : दो सौ रुपये

प्रकाशक :

ज्योति प्रकाशन

187, बरकत नगर, टोंक फाटक,

जयपुर—302 015

शब्द-संयोजक :

पंचशील कम्प्यूटर्स

फ़िल्म कॉलोनी, जयपुर–302 003

मुद्रक :

शीतल् प्रिन्टर्स

फ़िल्म कॉलोनी, जयपुर

भूमिका

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी (Infomation Technology) का है। जहाँ पहले कम्प्यूटर का नाम ही सुना जाता था वहीं आज कम्प्यूटर घर-घर पहुँच गया है। कम्प्यूटर के घर-घर में प्रवेश करने के परिणामस्वरूप ही कम्प्यूटर की तकनीकी शब्दावली की आवश्यकता महसूस की गई। इस विषय पर अँग्रेजी भाषा में तो बहुत साहित्य उपलब्ध है लेकिन हिन्दी भाषा में इसका अभाव है।

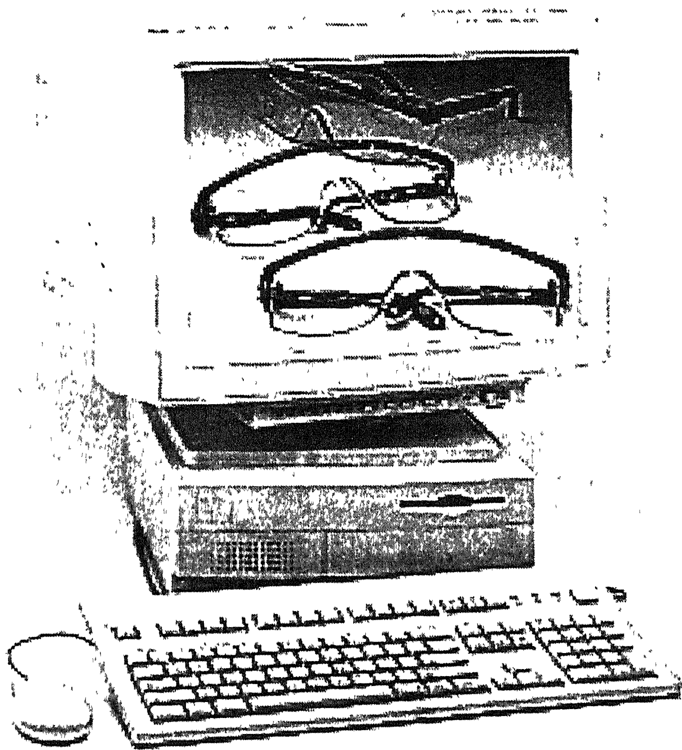
प्रस्तुत ग्रन्थ की रचना हिन्दी भाषी लोगों की समस्या को ध्यान में रखकर ही की गई है। इस ग्रन्थ में कम्प्यूटर से सम्बन्धित शब्दों को हिन्दी वर्णमाला के अनुसार व्यवस्थित किया गया है तथा इस शब्द कोश में कम्प्यूटर से सम्बन्धित सभी शब्दों को शामिल करने का प्रयास किया गया है।

इस ग्रन्थ को मेरे माता-पिता एवं गुरुजनों के आशीर्वाद के बिना पूरा किया जाना असम्भव था। साथ ही मैं श्रीमती अमीता कुलवाल (प्रवक्ता कम्प्यूटर विज्ञान, श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल) का भी आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर अपना पूर्ण सहयोग दिया।

मैं प्रकाशक के प्रति भी आभार व्यक्त करना चाहूँगा, जिनके प्रयासों से यह ग्रन्थ पाठकों को इस रूप में उपलब्ध हो पाया। इसको तैयार करने में पूरी सावधानी बरती गई है, फिर भी त्रुटियाँ रहना स्वभाविक है। अत: इसके निराकरण हेतु आपके सुझावों का सदैव स्वागत है।

5/279, एस. एफ. एस.
मानसरोवर, जयपुर

प्रहलाद शर्मा



कम्प्यूटर शब्द-कोश

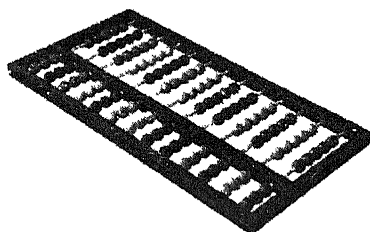
अ

अनुदेश (Instruction)

कम्प्यूटर द्वारा विभिन्न चरणों के कार्यो को सम्पादित करने के लिये दिये गये आदेशों को अनुदेश कहा जाता है। यह आदेश प्रत्येक चरण के लिए छोटे-छोटे वाक्यों की सहायता से दिये जाते हैं।

अबेकस (Abacus)

अबेकस एक प्राचीन गणितीय उपकरण है जिसका इतिहास पाँच हजार वर्षो से भी अधिक पुराना है। इसका आविष्कार लगभग 500 ई.पू. में बेबीलोनिया में हुआ था। इसका उपयोग गणन कार्यों हेतु किया जाता था। इसमें लकड़ी के फ्रेम में अन्दर तार में कंकरियाँ या गोलियाँ पिरोकर इस उपकरण का उपयोग किया जाता था।



अटन सोफ बैरी (Atana Sofe Berry)

यह प्रथम इलेक्ट्रॉनिक अंकीय कम्प्यूटर है जिसका आविष्कार जोन अटन सोफ एवं इनके सहयोगियों द्वारा 1942 में किया गया था।

अष्ठधारी अंकन प्रणाली (Octal Number System)

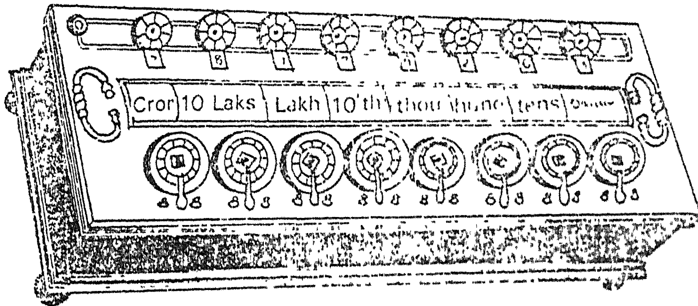
इस अंकन प्रणाली का आधार 8 होता है, इसलिये इसमें आठ संख्याओं का प्रयोग किया जाता है, जो निम्न हैं—0, 1, 2, 3. 4, 5, 6, और 7। माइक्रो कम्प्यूटर में इस प्रणाली का उपयोग सीधे इनपुट-आउटपुट क्रियाओं में किया जाता है।

अक्षरात्मक (Alphabetic)

केवल वर्णमाला के अक्षरों तथा रिक्त स्थानों से बने डाटा को अक्षरात्मक डाटा कहा जाता है। यहाँ 'PRAHLAD SHARMA' अक्षरात्मक डाटा है परन्तु 'P. SHARMA' नहीं क्योंकि यहाँ डॉट का प्रयोग किया गया है।

अर्थमेटिक इंजन (Arthmetic Engine)

फ्रांसीसी गणितज्ञ ब्लेज पास्कल (Blaise Pascal) ने 1947 में प्रथम यांत्रिक गणक (Mechanical Calculator) का निर्माण किया जिसका नाम पास्कल ने 'अरिथमेटिक इंजन' रखा। यह इंजन जोड़ तथा घटाव का कार्य यांत्रिक रूप से करता था।



अल्गोरिथ्म (Algorithm)

अल्गोरिथ्म दिखाने की एक विधि है, जिसे फ्लो-चार्टिंग (Flow-Charting) कहा जाता है। फ्लो–चार्ट कुछ आकृतियों से बना चित्र होता है, जिसमें सभी आकृतियाँ तीर के चिन्हों द्वारा एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं।

अन्तर ब्लाक अन्तराल (Inter-Block-Frap)

टेप में फाइल संग्रहीत करते समय दो ब्लाकों के मध्य में कुछ खाली टेप छोड़ा जाता है, जिसे अन्तर ब्लाक अन्तराल कहा जाता है।

असेम्बली भाषा (Assembly Language)

असेम्बली भाषा कार्यक्रम तैयारी प्रक्रम को सुधारने के प्रयासों में प्रथम चरणों में से एक है। मशीनी भाषा के गणनात्मक क्रिया संकेतों के लिये आधार संकेतों को स्मृति सहायक में स्थानापन्न करता है। स्मृति सहायक एक प्रकार की मानसिक चाल की तरह ही है जो कि हमें याद कराने में सहायक होती है।

अनुरूप कम्प्यूटर (Analog Computer)

एनालॉग ग्रीक भाषा का शब्द है जिसका अर्थ दो भौतिक राशियों में अनुरूपता स्थापित करना है। इस प्रकार के कम्प्यूटर विद्युतधारा मापकर किसी भौतिक राशि के साथ अनुरूपता स्थापित करते हैं। इस प्रकार के कम्प्यूटरों का मुख्य उपयोग साधारण डिफरेन्शियल समीकरण हल करने के लिये किया जाता है।

अर्द्धचालक स्मृति (Semi Conductor Memory)

इस प्रकार की स्मृतियों की शुरुआत 1970 के दशक में हुई है तथा वर्तमान समय में यह काफी प्रचलित है। ये स्मृतियाँ बहुत तीव्र हैं और पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक स्वभाव की हैं। एक अर्द्धचालक स्मृति में द्विआधारी अंक 0 और 1 एक सैल में संचित होते हैं। यह स्मृतियाँ तीव्र होने के साथ-साथ आकार में बहुत छोटी होती हैं।

अन्तरराष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (Internation Standard Book Number)

यह विश्व स्तर पर लागू होने वाली पुस्तक संख्या का मानक है। इसका मुख्य उद्देश्य विश्व में कहीं से भी प्रकाशित होने वाली प्रत्येक पुस्तक के शीर्षक में एक मानक संख्या प्रदान करना है। कम्प्यूटर द्वारा पुस्तक के अधिग्रहण तथा आपूर्ति का आदेश देने के सन्दर्भ में इसका अत्यन्त महत्त्व है। यह 10 अंकों का सैट होता है जो निम्न चार अभिज्ञापकों में बनता है—

(i) Grap Identifier

(ii) Publisher Identifier

(iii) Title Identifier

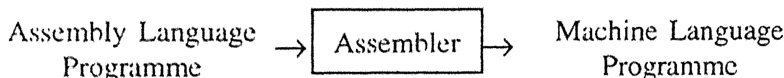
(iv) Check Digit

अक्षर मुद्रक (Character Printer)

इस प्रकार के मुद्रक से एक समय में एक ही अक्षर मुद्रित किया जा सकता है। ये टाइपराइटर के समान ही होता है, जिनमें कागज और स्याही लगे रिबन पर टाइपफेस को दबाया जाता है।

असेम्बलर (Assembler)

असेम्बली भाषा में प्रोग्राम लिखना मशीनी भाषा के तुलना में सरल होता है, परन्तु कम्प्यूटर चलाने के पूर्व उसका अनुवाद मशीनी भाषा में करना पड़ता है। यह अनुवाद स्वयं कम्प्यूटर एक प्रोग्राम के द्वारा कर लेता है, जिसे असेम्बलर कहा जाता है।



अनुकूलन (Compatibility)

विभिन्न सॉफ्टवेयरों में बनाये गये विभिन्न डेटाबेसों से डेटा लेकर अपने डेटाबेस में विलय करने तथा अपने डेटाबेस के डेटा को दूसरे सॉफ्टवेयरों पर बने डेटाबेसों में प्रेषित कर पाने के गुण को अनुकूलन कहा जाता है। इसे डेटा का हस्तान्तरण भी कहा जा सकता है।

अलगोल भाषा (ALGOL Language)

इस भाषा का विकास 1958 में किया गया था और इसका नाम एलगोल-58 रखा गया। वर्तमान रूप में एलगोल-68 का प्रयोग किया जाता है। इस भाषा का प्रयोग अमेरिका के स्थान पर यूरोप में अधिक होता है तथा इस भाषा का प्रयोग मुख्यत: रैखिक प्रोग्रामिंग के लिये किया जाता है।

अतिवृहद् एकीकरण (Very Large Integriation)

चतुर्थ पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधन के रूप में अतिवृहद् एकीकरण सर्किट का उपयोग किया जाता है। इसमें एक डाट टिकिट के आकार के सिल्किन चिप्पड़ पर हजारों लाखों टांजिस्टरों को स्थापित कर अतिवृहद् श्रेणी संघटन को सम्भव बनाया गया है। इस कार्य का श्रेय टेड हॉफ (Ted Haft) नामक अमेरिकन इंजीनियर को जाता है।

अरनेट (ERNET)

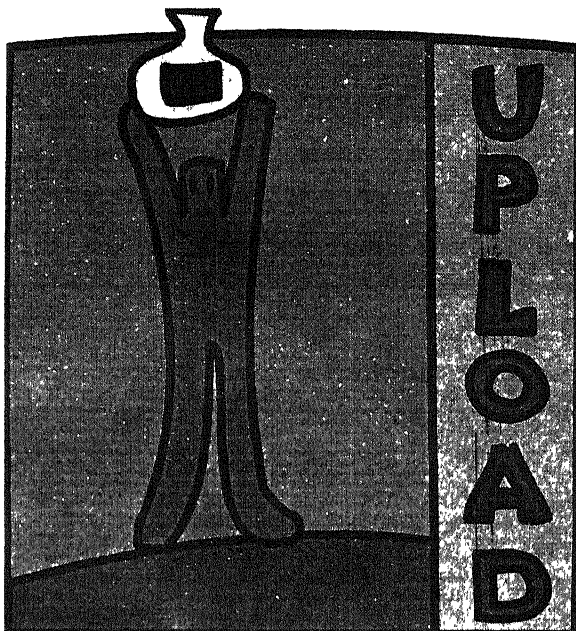
इसका पूरा नाम 'एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च नेटवर्क' है तथा इसे भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा 1986 में स्थापित किया गया। इस नेटवर्क का मुख्य उद्देश्य शिक्षा तथा शोध से सम्बन्धित अद्यतन सूचनाओं से जिज्ञासुओं को अवगत करना है। इस नेटवर्क की सहायता से 250 से अधिक शोध एवं शिक्षण संस्थायें और हजारों उपभोक्ता लाभान्वित हो रहे हैं।

अर्द्ध कंडक्टर आधारित्त ट्रांजिस्टर (Semi Conductor Based Tranristor)

कम्प्यूटर के द्वितीय पीढ़ी के केन्द्रीय संसाधक के रूप में इनका उपयोग किया जाता है। इनका आविष्कार 1947 में ही हो चुका था। लेकिन इनका प्रयोग 1953-54 में किया गया। यह भी एक तरह के वाल्व ही हैं लेकिन यह वाल्व की अपेक्षा स्थान कम घेरते हैं एवं कार्य अधिक तीव्रता से करते हैं।

अपलोड (Upload)

यह प्रक्रिया जिसमें इंटरनेट के द्वारा हम किसी एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर को सूचना हस्तान्तरण या आदान-प्रदान करते हैं। अपलोड कहलाती है। किसी को ई-मेल देना आप द्वारा इसे अपलोड करना है।



अपग्रेड्स (Upgrades)

सामान्यतः यह पूर्ण प्रोग्राम नहीं होते हैं। इसके लिये जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर पर निश्चित सॉफ्टवेयर का एक निश्चित हिस्सा मौजूद हों। पेच किसी सॉफ्टवेयर को संशोधित करता है या किसी गलती को ठीक करता है।

अनुक्रमणिका (Index)

यह एक फाइल में दिये गये प्रतिवेदनों के कन्टेन्ट (Content) की सारणी होती है जो कि उसकी स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करती है कि वह कहाँ संग्रहीत है।

अनुक्रमणीकरण (Indexing)

यह एक पद्धति है जो किसी फाइल या स्मृति में से सूचना पुनः प्राप्ति में काम ली जाती है।

अपर केस (Upper Case)

अपर केस का उपयोग केपिटल लैटर के लिये किया जाता है।

अनसेट (Unset)

बिट की वैल्यू को बाइनरी शून्य में परिवर्तन को अनसेट कहा जाता है।

अड्रेस (Address)

इंटरनेट वेब पेज पर आने वाला एक विशेष स्थान होता है।

अड्रेस बुक (Address Book)

एक सॉफ्टवेयर जो ऑन लाइन जुड़ने वाले अड्रेस को संग्रहीत करे। प्रायः सभी ई-मेल पैकेज में उपलब्ध।

अटैचमेंट (Atachment)

वर्ड, ई-मेल पैकेज आदि में उपलब्ध व्यवस्था जिससे फाइल को ई-मेल से जोड़ा जा सके।

अंकन (Number)

अंकन का जीवन में बहुत अधिक महत्त्व है। कम्प्यूटर में संग्रहीत किये जाने वाले आँकड़ों का 90 प्रतिशत भाग संख्यात्मक (Numeric) ही होता है।

अंकन प्रणाली (Number System)

जिस प्रणाली के अनुसार संख्याएँ लिखी जाती हैं और उनका मान निकाला जाता है, उसे अंकन प्रणाली कहा जाता है।

अंकाक्षर (Character)

कम्प्यूटर के सन्दर्भ में 'अंकाक्षर' का अर्थ है कोई भी एक वर्ण, अक्षर, अंक, चिन्ह इत्यादि। यहाँ तक भी एक वर्ण या अक्षर की जगह खाली छोड़ना भी एक अंकाक्षर (Character) है।

अंकगणितीय तार्किक इकाई (Arithmetic Logical Unit)

केन्द्रीय संसाधन के इस भाग में अंकगणित से सम्बन्धित कार्य किये जाते हैं। इन कार्यों के अतिरिक्त कुछ अन्य तर्क पूर्व कार्य जैसे अंकों या अक्षरों की तुलना करना भी इसी इकाई का कार्य है।

अंकाक्षर कुंजियाँ (Character Keys)

अंकाक्षर कुंजियों के अन्तर्गत निम्नलिखित कुंजियाँ आती हैं—

A, B, C—2

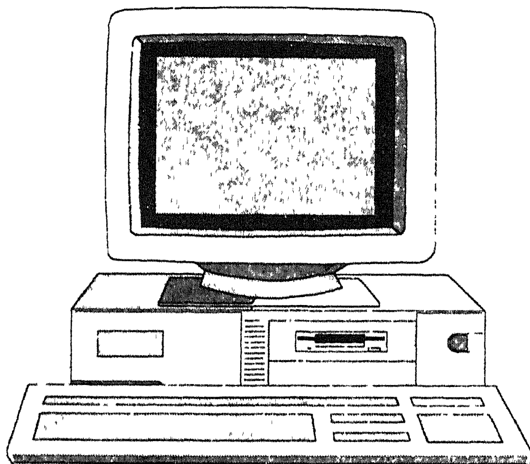
A, b, c—3

1, 2, 3, 4—9

, ; : , —इत्यादि

अंकीय कम्प्यूटर (Digital Computer)

अंकीय कम्प्यूटर गणितीय परिणामों को द्विआधारी यानि बाइनरी अंक 0 और 1 में प्रदर्शित करता है। यह कम्प्यूटर मुख्य रूप से केवल जोड़ने का ही कार्य करता है। गुणा करने, घटाने और भाग करने की सभी क्रियायें जोड़ने की क्रिया द्वारा ही पूरी की जाती हैं। यह कम्प्यूटर विशेष कार्य ही कर पाते हैं।



अंक 'की' पैड (Number 'Key' Pad)

नमलॉक 'की' दबी होने पर ये अंक ही टाइप करती है। यदि नमलॉक की 'की' न दबी हो तो यह 'कसर नियन्त्रण की' तथा 'टैक्स्ट' सम्पादन का कार्य भी करती है।

आ

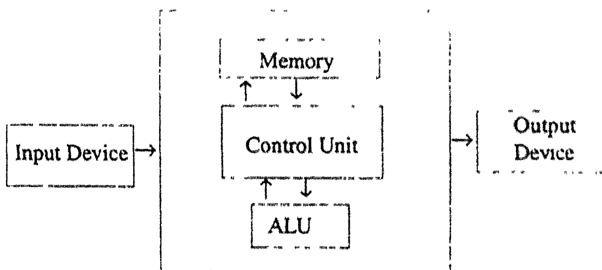
आन्तरिक मैमोरी (Internal Memory)

आन्तरिक मैमोरी केन्द्रीय संसाधक इकाई का एक भाग होता है। इसमें लाखों की संख्या में बाइटें होती हैं, जिसमें कोई डाटा या प्रोग्राम थोड़े समय के लिये संग्रहीत किया जाता है। प्रोग्राम पूरा हो जाने पर उसे तथा उसमें सम्बन्धित डाटा को हटा दिया जाता है। यह सहायक मैमोरी से बहुत तेज होती है तथा इसके किसी डाटा की जरूरत पड़ने पर शीघ्रता से प्राप्त किया जा सकता है।



आर्किटेक्चर (Architecture)

यहाँ आर्किटेक्चर का सम्बन्ध कम्प्यूटर की संरचना से है। कम्प्यूटर की संरचना में विभिन्न भौतिक इकाइयाँ आपस में जुड़ी रहती हैं। कम्प्यूटर हार्डवेयर मिलकर कम्प्यूटर का निर्माण करता है। कम्प्यूटर के निम्नलिखित तीन भाग होते हैं—



(1) निवेश उपकरण

(2) केन्द्रीय संसाधन इकाई

(3) निर्गत उपकरण

आउटपुट (Out Put)

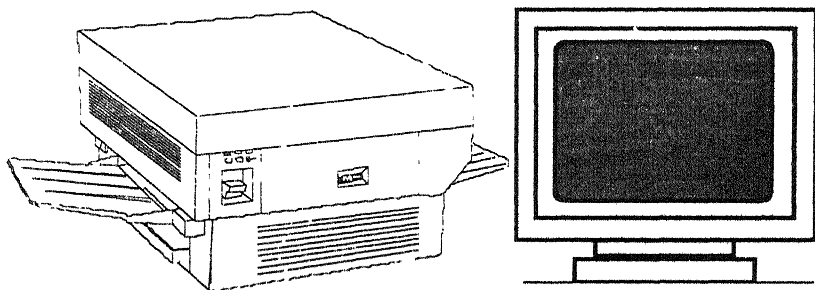
इस विधि की सहायता से कम्प्यूटर में से किसी भी अनुदेश या सूचना को प्रदर्शित किया जा सकता है।

आउटपुट करना (Outputting)

भण्डारित डाटा में से उपयोगी सूचनायें निकालकर उसे किसी रूप में छपवाना ही आउटपुट करना कहा जाता है।

आउटपुट उपकरण (Output Devices)

इन उपकरणों को आउटपुट का निर्गत उपकरण कहा जाता है जो कम्प्यूटर द्वारा दी गई सूचना को प्रदर्शित या मुद्रित करते हैं, या जिन पर इस सूचना की प्रति ली जा सकती है।



आटो कम्पलीट (Auto Complete)

एक स्वचालित प्रक्रिया,, जिसके तहत प्रारम्भिक वेब एड्रेस के दर्ज होते ही ब्राउजर आगे के शब्द ढूँढ़ने का प्रयास करे।

आईकोन (ICON)

इलेक्ट्रॉनिक डेस्क टॉप प्रणाली में कम्प्यूटर स्क्रीन पर भौतिक प्रविष्टि की पिक्चर को प्रदर्शित करता है।

आस्की (ASCII)

इसका पूरा नाम "American Standard Code for Information Interchange" है। यह विश्व के लगभग सभी कम्प्यूटरों पर प्रयोग की जाती है। इस प्रणाली में A ="0100 0001" होता है जिसका अर्थ है कि जब कम्प्यूटर में A अक्षर स्टोर करना होगा, तो उस जगह बाइनरी में 0100 0001 संग्रहीत किया जायेगा। इसका प्रिन्ट करते समय या कम्प्यूटर स्क्रीन पर दिखते समय फिर 'A' में बदल दिया जायेगा। यह प्रणाली 7 बिटों की है तथा आठवीं बिट हमेशा ठहरती है।

बिटें	0010	0011	0100	0101	0110	0111
0000	SP	0	@	P		P
0001	!	1	A	Q	a	q
0010	"	2	B	R	b	r
0011	#	3	C	S	c	s
0100	$	4	D	T	d	t
0101	%	5	E	U	e	u
0110	&	6	F	V	f	v
0111	,	7	G	W	g	w
1000	(	8	H	X	h	x
1001	)	9	I	Y	i	y
1010	*	:	J	Z	j	z
1011	+	;	K	{	k	2
1100	.	<	L	/	l	1
1101	–	=	M	]	m	4
1110	.	>	N	^	n	---
1111	,	?	O	—	o	DEL

आई.बी.एम. (I.B.M.)

इसका पूरा नाम "International Business Machine Corporation" है। यह विश्व की सबसे बड़ी कम्प्यूटर निर्माण की कम्पनी है। इसकी शुरुआत 1911 में हुई। इस कॉरप्रोटान ने 1924 में व्यक्तिगत कम्प्यूटर (Personal Computer) का विकास कर कम्प्यूटर के क्षेत्र में एक क्रान्ति ला दी।

आई.बी.एम. कार्ड (I.B.M. Card)

यह 80 कॉलम का पंचड् कार्ड होता है। जिसे डाटा मिडियम (Data Medium) के लिये उपयोग में लाया जाता है।

आई.बी.एम. मॉडल-702 (IBM Model-702)

यह प्रथम पीढ़ी का अंकीय कम्प्यूटर है जिसका निर्माण 1953 में व्यवसायिक उद्देश्य से किया गया। यह आई.बी.एम. का प्रथम बिजनेश कम्प्यूटर था।

आई.बी.एम. मॉडल-7090 (IBM Model-7090)

यह द्वितीय पीढ़ी के कम्प्यूटर हैं, जो आई.बी.एम. द्वारा 1959 में निर्मित किये गये थे।

आई.बी.एम. मॉडल-650 (IBM Model-650)

यह 1950 के दशक का सबसे प्रसिद्ध कम्प्यूटर है जिसका निर्माण 1953 में हुआ जिसका उपयोग व्यवसायिक एवं वैज्ञानिक कार्यों में किया जाता था।

आई.बी.एम.-700 सीरीज (IBM-700 Series)

यह श्रृंखला प्रथम पीढ़ी के अंकीय कम्प्यूटर की है। श्रृंखला 701 का 1952 और 702 का 1953 में निर्माण किया गया। बाद में आई.बी.एम. ने 701 को 704 और 702 को 705 में परिवर्तित कर दिया गया।

आई.सी.एल. (ICL)

इसका पूरा नाम "International Computers Limited" है। यह ब्रिटेन की सबसे बड़ी कम्प्यूटर निर्माण की कम्पनी है। इस कम्पनी के कम्प्यूटर 1900 और 2900 की श्रृंखला के नाम से जाने जाते हैं।

आई.ए.एल. (IAL)

इसका पूरा नाम "International Algorithmic Language" है जिसे बाद में एलगोल-58 (Algol-58) के नाम से जाना जाता है।

आई.ए.एस. (IAS)

इसका पूरा नाम "Institute for Advanced Study" है। आई.ए.एस. मशीन का निर्माण 1946 में शुरू किया जो 1951 में पूर्ण हुआ। इस इलेक्ट्रॉनिक संग्रहीत उपकरण में मैमोरी के लिये कैथोड-किरणें ट्यूबस् (Cathode-rays tubes) का उपयोग किया गया था।

आई.सी.आई.एम. (I C I M)

इसका पूरा नाम "International Computer India Manufacturer" है। यह कम्प्यूटर के साथ प्रिन्टर का भी निर्माण करती है।

आई.एम.एल. (IML)

इसका पूरा नाम "Initial Microcode Load" है। यह डिस्केट (Diskette) की मुख्य मैमोरी में प्रोग्राम को लोडिंग करने की प्रक्रिया है।

आई.डी.ई.ए. (IDEA)

इसका पूरा नाम "Interactive Data Entry Assistant" है। व्यक्तिगत कम्प्यूटर उपयोगकर्त्ता के लिये इसका डाटा एन्ट्री पैकेज के रूप में उपयोग किया जाता है।

आई.डी.पी.एम. (IDPM)

इसका पूरा नाम "Institute of Data Processing Management" है। यह ब्रिटिश संगठन है जो प्रशासनिक अधिकारियों के लिये डाटा प्रोसेसिंग से सम्बन्धित व्यवसायिक परीक्षायें लेता हैं।

आई.एम.डी.ए. (IMDA)

इसका पूरा नाम "Instrument Manufactures and Dealers Association" है। यह भारत की कम्प्यूटर के उपकरण या पार्ट के निर्माताओं एवं विक्रेताओं का एक अंग है।

आई.सी. (IC)

इसका पूरा नाम "Integrated Circuit" है। यह ट्रांजिस्टरों का परिवर्तित जाल है तथा इसका उपयोग तृतीय पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक के रूप में किया जाता है।

आई.एस.डी.एन. (ISDN)

इसका पूरा नाम "Integrated Services Digitial Networke" है। यह टेलीफोन नेटवर्क है जो ऑपन्टिस और माइक्रोवेव लिंक्स पर आधारित है।

आई.ए.एल. (IAL)

इसका पूरा नाम "IInternational Algebrace Language" है। यह ALGOL का असली प्रारूप है।

ऑप्टिकल रीडर (Optical Reader)

इसे मार्क सेंस रीडर भी कहा जाता है। इसकी सहायता से कागज पर साधारण पेन या पेंसिल से हाथ से बनाये गये चिन्हों को पहचानने या पढ़ने का कार्य करता है। यह ठीक वैसे ही है जैसे हम अपनी आँखों से देखकर पढ़ते हैं, इसलिये इन्हें ऑप्टिकल रीडर भी कहते हैं।

ऑडियो रेस्पोंस टर्मिनल (Audio Response Terminal)

यह मशीन बोलते हुए शब्दों को पहचान लेती है, जिसे हम बोलकर भी इनपुट (Input) या आदेश दे सकते हैं।

ऑडिट ट्रेल (Audit Trail)

ऑडिट ट्रेल का अर्थ किसी इनपुट को आउटपुट तक पहुँचने में जो रास्ता तय करना पड़ा उसकी जानकारी रखना ताकि बाद में कभी भी आवश्यकता पड़ने पर इसकी जाँच की जा सके। कम्प्यूटरीकृत कार्य की दृढ़ता और विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिये ऑडिट ट्रेल एक महत्त्वपूर्ण उपाय है।

आई.एस.पी. (ISP)

इन्टरनेट सर्विस प्रोवाइडर इंटरनेट पर कनेक्ट करने के लिये इसकी सहायता लेनी पड़ती है। हर बार जब भी इंटरनेट लॉग ऑन करते हैं, एक आई एस.पी. (ISP) का उपयोग करते हैं।

आई.पी.एड्रेस (I. P. Address)

यह हर कम्प्यूटर में दी जाने वाली अद्वितीय संख्या होती है, जिसके चार हिस्से होते हैं जो आपस में एक बिन्दु में विभाजित होते हैं।

ऑपरेटिंग सिस्टम (Operating System)

ऑपरेटिंग सिस्टम किसी कम्प्यूटर के सॉफ्टवेयर का सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण भाग होता है। एक ओर तो यह कम्प्यूटर के सभी भागों पर नियन्त्रण रखता है और उनका अधिक से अधिक उपयोग करता है, दूसरी ओर यह प्रयोगकर्त्ता द्वारा दिये गये आदेशों का पालन करता है तथा उसके प्रोग्रामों को ठीक-ठीक चलाता है। आज ऑपरेटिंग सिस्टम के बिना कम्प्यूटर की कल्पना भी करना कठिन है।

ऑटोमेटिक सिक्वेंस कन्ट्रोल कैलकुलेटर (Automatic Sequence Control Calculator)

हार्वडे एकेन ने आई.बी.एम. कम्पनी के वैज्ञानिकों के सहयोग से प्रथम स्वचालित परिगणक बनाया, जिसका नाम ऑटोमेटिक सिक्वेंस कन्ट्रोल

कैलकुलेटर रखा गया। इसका लोकप्रिय नाम हार्वर्ड मार्क-1 था। यह नाम रखने का कारण यह था कि एकेन ने इसे हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विकसित किया था।

ऑब्जेक्ट कम्प्यूटर (Object Computer)

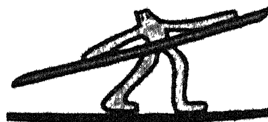
ऐसे कम्प्यूटर का संचालन ऑब्जेक्ट प्रोग्राम की सहायता से किया जाता है तथा इस प्रकार के प्रोग्राम का निर्माण भी किसी विशेष ऑब्जेक्ट के लिये किया जाता है।

ऑन लाइन (On-Line)

ऑन-लाइन पद का प्रयोग यह प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है कि विभिन्न स्थानों पर रखे कम्प्यूटर टर्मिनल तथा उनसे संलग्न उपकरण केन्द्रीय संसाधक कम्प्यूटर से सम्बन्ध बनाये हुए हैं। ऐसी स्थिति मे यहाँ पर कहा जा सकता है कि ऑन-लाइन काम हो रहा है। ऑन-लाइन प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है जिसमें केन्द्रीय संसाधक से दूर तथा अलग-अलग स्थित कम्प्यूटर, टर्मिनल या उनसे संयुक्त उपकरण केबुल या अन्य संचार माध्यमों के द्वारा मुख्य कम्प्यूटर से सम्बन्ध बनाकर परस्पर अन्त:क्रिया करते रहते हैं।

ऑन-लाइन प्रकाशन (On Line Publication)

इस प्रकार के प्रकाशन में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और संदर्भ सामग्रियों को काम्पेक्ट डिस्क की सहायता से ऑप्टिकल डिस्क और फ्लॉपी डिस्क पर स्थानान्तरित किया जा सकता है, जिन्हें व्यक्तिगत कम्प्यूटर और काम्पेक्ट डिस्क प्लेयर की सहायता से पढ़ा जा सकता है।



ON LINE

इ

इन्फार्मेटिक्स (Informatics)

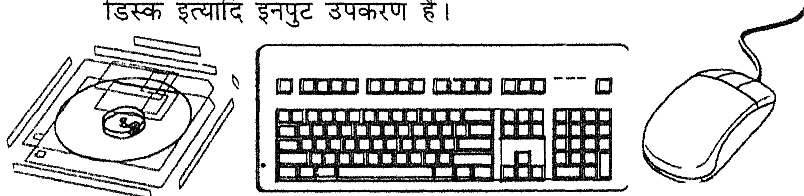
'इन्फार्मेटिक्स' शब्द फ्रेंच भाषा के शब्द 'Informatique' और रसियन भाषा के 'Informatika'से बना है। इसका अर्थ सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) है। इन्फार्मेटिक्स से तात्पर्य कम्प्यूटर एवं दूरसंचार (Computer & Telecommunication) के प्रयोग द्वारा आँकड़ों का अधिग्रहण, संग्रहण, संसाधन एवं प्रसारण से है।

इन्सट्रक्शन (Instruction)

इन्सट्रक्शन का अर्थ कम्प्यूटर को दिये गये छोटे-छोटे और क्रमवार आदेश हैं। यह इन्सट्रक्शन या अनुदेश प्रत्येक चरण के लिये एकल शब्दों या छोटे-छोटे वाक्यों के लिये दिये जाते हैं।

इनपुट डिवाइस (Input Device)

इनपुट डिवाइस या निवेश उपकरण वे उपकरण हैं जिनकी सहायता से कम्प्यूटर में डेटा या सूचना का प्रवेश करवाया जाता है। कुंजीपटल फ्लोपी डिस्क इत्यादि इनपुट उपकरण हैं।



इम्पोर्ट (Import)

किसी एक प्रोग्राम के अन्तर्गत दूसरे प्रोग्राम को लाकर उसका उपयोग करना ही इम्पोर्ट कहलाता है।

इन लाइन कोडिंग (In Line Coding)

किसी भी कम्प्यूटर प्रोग्राम के मुख्य भाग में लिखे हुये निर्देश को इन लाइन कोडिंग कहा जाता है।

इनपुट बफर (Input Buffer)

यह मैमोरी का भाग है जो सूचना को एक उपकरण में दूसरे उपकरण तक अस्थायी तौर पर रखा जाता है। बफर क्षेत्र जहाँ डाटा को अस्थायी तौर पर रखा जाता है।

इनपुट एरिया (Input Area)

कम्प्यूटर का वह क्षेत्र जहाँ सूचनाएँ एकत्रित की जाती हैं।

इन पुटिंग (In Putting)

डेटा को प्रोसेस प्रक्रिया के लिये कम्प्यूटर में भेजने की प्रक्रिया को इन पुटिंग कहा जाता है।

इन एक्टिव विंडो (In Active Window)

वह विंडो जिनका प्रयोग नहीं किया जा रहा है उन्हें इन एक्टिव विंडो कहा जाता है।

इन्फोर्मेशन (Information)

डेटा का संसाधित तथा विश्लेपित स्वरूप सूचना है। डाटा अपने आप में कोई सूचना नहीं देता लेकिन विश्लेषित कर जब इन टुकड़ों को संसाधित कर लिया जाता है तो ये टुकड़े मिलकर सूचना का निर्माण करते हैं।

इन्फोनेट (Infonet)

यह एक अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क प्रणाली है।

इन्डीकेटर चार्ट (Indicater Chart)

एक प्रोग्राम के लोजीकल डिजाइन और कोडिंग (Coding) के लिये एक प्रोग्रामर इस चार्ट का उपयोग करता है।

इन्फोर्मेशन रिट्राइवल (Information Retrival)

संग्रहीत सूचना में वांछित सूचना प्राप्त करना ही इन्फोर्मेशन रिट्राइवल कहा जाता है। कम्प्यूटर पाठक द्वारा वांछित सूचना के पूछे जाने के बाद उसका विश्लेषण कर तथा उसकी सटीक तथा विस्तृत खोज कर उसकी पुनः प्राप्ति करता है।

इकॉम (ECOM)

इसका पूरा नाम "इलैक्ट्रोनिक कम्प्यूटर ऑरियन्टेड मल (Electronic Computer Oriented Mail) है।

इलीजा (ELIZA)—यह कम्प्यूटर की एक प्रोग्रामिंग भाषा है जिसका उपयोग मनोवैज्ञानिकों द्वारा किया जाता है।

इनक्रिप्शन (Incription)

अलग-अलग तरह के डाटा का एकत्रित करने को इनक्रिप्शन कहा जाता है।

इन्डेक्स (Index)

एक फाइल में संग्रहीत सूचना या प्रतिवेदनों के कन्टेन्ट की कुंजी है जो संग्रहीत सूचना के स्थान के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

इन्डैक्स होल (Index Hole)

फ्लोपी डिस्क का वह छेद जहाँ से शून्य प्रारम्भ होती है।

इन्फोर्मेशन बैंक (Information Bank)

वह स्थान जहाँ पर बड़ी मात्रा में डेटाओं को सुरक्षित रखा जा सकता है।

इन्फोर्मेट्रिक्स (Informatrix)

यह सूचना तकनीक के लिये प्रयुक्त किये जाने वाला एक शब्द है।

इन्फोंमेशन सर्विस (Information Services)

सूचना तकनीक के प्रयोग के वह क्षेत्र जो व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की सूचनायें उपलब्ध कराते हैं। उन्हें ही इन्फोर्मेशन सर्विस कहा जाता है।

इनपुट आउटपुट प्रोसेसर (Input-Output Processer)

कम्प्यूटर में लगा वह प्रोसेसर जो इनपुट-आउटपुट से सम्बन्धित कार्य को पूरा करता है।

इन्टेल कॉपरेशन (Intel Corporation)

यह माइक्रो प्रोसेसर बनाने वाली एक प्रसिद्ध कम्पनी है।

इन्टर ब्लोक गेप (Inter Block Gap)

मैगनेटिक टेप में ब्लोकों के रूप में संग्रहीत डेटा के मध्य का रिक्त स्थान को इन्टर ब्लाक गेप कहा जाता है।

इन्टरफेस कार्ड (Interface Card)

वह कार्ड जिसकी सहायता से कम्प्यूटर किसी दूसरे उपकरण का आसानी से उपयोग कर सकता है।

इन्टरनल मैमोरी (Internal Memory)

कम्प्यूटर की आन्तरिक या प्राथमिक मैमोरी को इन्टरनल मैमोरी कहा जाता है।

इनवर्ट (Invert)

किसी भी फाइल में किये हुए फेर-बदल को समाप्त करके उसे कार्य करने की पूर्व स्थिति में लाने की प्रक्रिया को इनवर्ट कहा जाता है।

इन्टरनल क्लाक (Internal Clock)

इन्टरनल क्लाक कम्प्यूटर के अन्दर लगी वह क्लाक है जो समय और दिन का लेखा-जोखा रखती है।

इन्टरनल संग्रह (Internal Storage)

कम्प्यूटर के अन्दर डेटा संग्रह हेतु प्रयुक्त हार्ड डिस्क इन्टरनल संग्रह कहा जाता है।

इन्टरनल सोर्ट (Internal Sort)

केन्द्रीय संसाधन इकाई में दो या दो से अधिक रिकार्डो का क्रमबद्ध होना इन्टरनल सोर्ट कहा जाता है।

इन्टरलॉक (Interlock)

दूसरा व्यक्ति कम्प्यूटर का उपयोग ना कर सके इसके लिये कम्प्यूटर को इन्टरलॉक अर्थात् अन्दर से लॉक कर दिया जाता है।

इरेजेबिल प्रोग्रामेबिल रीड ऑनली मैमोरी Erajable Programmable Read Only Memory (EPROM)

यह मुख्य मैमोरी का वह भाग है, जिसमें लिखी गई सूचनाओं को मिटाया भी जा सकता है और नई सूचनायें लिखी भी जा सकती हैं। बिजली बन्द हो जाने पर इसमें लिखी गई सूचना खत्म नहीं होती है।

इनग्रेस (InGRASS)

यह चौथी पीढ़ी के कम्प्यूटरों की मुख्य भाषा है जिसका विकास अमेरिका में किया गया था।

इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी (Information Technology)

सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology), दूर संचार (Telecommunication) तथा कम्प्यूटर में समायोजन की तकनीक है जो कि नई-नई प्रणालियों का विकास कर सूचना के संग्रहण और सूचना पुनः प्राप्ति में सहयोग प्रदान करती है। सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से सूचना की आवंटित, प्रोसेसिंग एवं प्रसारण आसानी से किया जा सकता है।

इंडोनेट (Indonet)

यह भारत सरकार द्वारा कोलकात्ता में स्थापित कम्प्यूटर मेन्टीनेन्श कॉरपोरेशन (Computer Maintenance Corporation) की महत्त्वाकांक्षी व्यावसायिक परियोजना है। प्रथम चरण में इंडोनेट ने भारत के सात महानगरों में नौ

स्थापित किये हैं जो विदेश संचार निगम लिमिटेड के गेटवे पैकेट स्विचिंग सिस्टम के द्वारा एक--दूसरे से सम्बन्ध स्थापित करते हैं।

इंफ्लिबनेट (INFLIBNET)

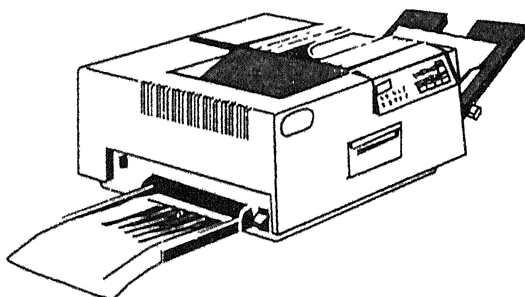
इसका पूरा नाम इन्फार्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क है। इस परियोजना की शुरुआत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने की थी। इस नेटवर्क के द्वारा अन्य शिक्षा के संस्थानों, राष्ट्रीय महत्त्व के संसाधनों तथा अन्य शोध संस्थानों के पुस्तकालयों के मध्य सम्बन्ध स्थापित करने की योजना है। इसका कार्यालय अहमदाबाद है।

इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बुक नम्बर (International Standard Book Number)

यह विश्व स्तर पर लागू होने वाली पुस्तक संख्या का मानक है। इसका उद्देश्य विश्व में कहीं से भी प्रकाशित होने वाली प्रत्येक पुस्तक के शीर्षक को एक मानक संख्या प्रदान करना है। कम्प्यूटर द्वारा पुस्तक के अधिग्रहण तथा आपूर्ति का आदेश देने के लिये सन्दर्भ में इसका अत्यन्त महत्त्व है। भारत में 1985 में आई.एस बी.एन. लागू किया है तथा इसे 81 अंक आवंटित किया गया है।

इंकजैट प्रिन्टर (Ink Jet Printer)

इसमें अक्षर विन्यास स्याही से होता है, इसलिये छपाई की गुणवत्ता अच्छी रहती है। गति भी अन्य प्रिन्टरों की अपेक्षा ज्यादा होती है।



इंटर प्रिटर (Interpreter)

यह स्रोत प्रोग्राम का अनुवाद मशीनी भाषा में करता है। यह एक बार में केवल एक कथन (Statement) या एक आदेश का अनुवाद मशीनी भाषा में करता है और उसका पालन हो जाने पर अगले आदेश का अनुवाद करता है।

इंडोज जेकस (Indo GKS)

जेकस का पूरा नाम "Graphical Kernel System" है। इसका विकास नेशनल सेन्टर फॉर सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर कम्प्यूटर मेन्टीनेन्श कॉरपोरेशन ने किया था। इंडो जेकस मेनफ्रेम, सुपर मिनी तथा यूनिक्स (UNIX) आधारित सिस्टम में उपलब्ध है।

इंडीफिगस (Indiphigs)

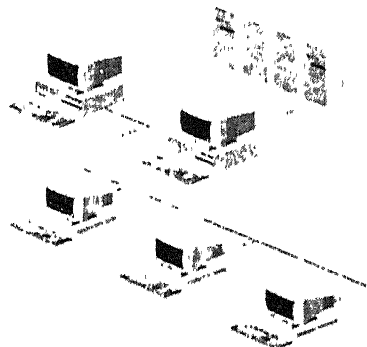
यह एक ग्राफिक पैकेज है जिसका निर्माण कम्प्यूटर मेन्टीनेन्स कॉरपोरेशन ने किया है।

इंटेग्रेटेड सर्किट (Integrated Circuits)

तीसरी पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधन इकाई के रूप में इंटेग्रेटेड सर्किट का उपयोग किया जाता था जो आकार में छोटे होते थे और इस पर सैकड़ों ट्रांजिस्टरों को एकीकृत किया जा सकता है। ऐसे कम्प्यूटर आकार में छोटे और गति में तेज अथवा अधिक विश्वसनीय होते थे।

इंटरनेट (Internet)

इंटरनेट का अर्थ कम्प्यूटर के अन्तर्राष्ट्रीय जाल से है। दुनिया भर के कम्प्यूटर नेटवर्क इंटरनेट से जुड़े होते हैं और इस तरह कहीं तो घर बैठे अपने कम्प्यूटर में वांछित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। राजनीति, खेल, सिनेमा, संगीत, स्वास्थ्य, चिकित्सा, विज्ञान, कला-संस्कृति आदि लगभग सभी विषयों पर सामग्री इन्टरनेट पर उपलब्ध है। सभी इटरनेट वेबसाइट की शुरुआत अंग्रेजी के तीन अक्षरों **'WWW'** से होती है, जिसका अर्थ 'वर्ल्ड वाइड वेब' है।



ई

ई (E)

यह हेक्साडेसीमल अंकन प्रणाली का चौदहवाँ अंक है।

ई बुक (E Book)

स्पेशल पैकेज में तैयार की गई इलेक्ट्रॉनिक बुक है।

ई–मेल (E-Mail)

इसका पूरा नाम 'इलेक्ट्रॉनिक मेल' है। यह सूचना संप्रेपण तथा सूचना संचार का एक रूप है। कम्प्यूटरीकृत नेटवर्क में सूचना संचार के लिये इसका उपयोग होता है। अत: ई–मेल का अर्थ है, नेटवर्क के द्वारा एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर तक सूचना का संचार तत्काल रूप में किया जाता है। एक कम्प्यूटर से जो सूचना भेजी जाती है उसे दूसरे कम्प्यूटर पर पढ़ा जा सकता है, मुद्रित किया जा सकता है तथा सुरक्षित किया जा सकता है। टेलीफोन यन्त्र तथा मोडम की सहायता से ई-मेल चलने का प्रयोग बहुत सुविधाजनक सिद्ध हुआ है।

ई–मेल प्रोग्राम (E-Mail Programme)

ई-मेल व्यवस्था उपलब्ध करवाने वाला प्रोग्राम।

ई–मोट आइकंस (E-Mot Iconse)

मानवीय भावनाओं का सूक्ष्म संकेत ईमोट आइकंस कहलाता है।

ई.बी.सी.डी.आई.सी. (EBCDIC)

इसका पूरा नाम "Extended Binary Coded Decimal Interchange Code" है। आस्की की तरह यह भी एक कोड प्रणाली है। इसका उपयोग ज्यादातर बड़े कम्प्यूटरों में किया जाता है। मुख्यत: आई.बी.एम. कम्पनी के बड़े-बड़े कम्प्यूटर इसका उपयोग करते हैं, क्योंकि इस कोड में डाटा को भण्डारण माध्यम से दूसरे माध्यम में ट्रांसफर करना सरल होता है।

ईवन पैरिटी बिट (Even Parity Bit)

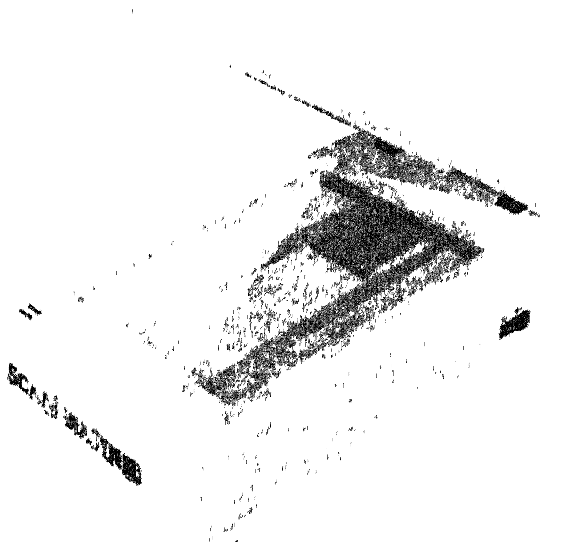
यदि किसी कोड या बिट के समूह में एक बिट इस प्रकार जोड़ी जावे कि उसे मिलाकर उस समूह में '1' बिट की संख्या सम हो जावे, तो उस बिट को ईवन पैरिटी बिट कहा जाता है।

ईकॉम (ECOM)

इसका पूरा नाम "Electronic Computer Oriented Mail" है जो दूरसंचार लिंक के माध्यम से सूचना भेजने में सहयोग करता है।

ईमेज स्कैनर (Emage Scaner)

इमेज स्कैनर की सहायता से कागज पर पाठ, चित्र, लोगो, चिन्ह आदि के पूरे बिम्बों को कम्प्यूटर में निवेशित किया जा सकता है। स्कैनर से प्रकाश की एक पतली किरण निकलती है। कागज या अन्य माध्यम पर लिखी या बनाई गई सूचना को पढ़ता है।



उ

उच्चस्तरीय भाषा (High Level Language)

उच्चस्तरीय प्रोग्रामन भाषायें वे भाषायें हैं जो लगभग प्राकृतिक भाषाओं जैसी होती हैं। उच्च स्तरीय भाषाओं को कम्प्यूटर एसेंब्लर के द्वारा एसेंब्ली भाषा तथा मशीनी भाषा में अनुवादित कर लेता है। अत: उच्चस्तरीय भाषाओं के विकास से प्रोग्रामन का कार्य आसान हो गया।

उच्चस्तरीय समाकलन (High Level Integration)

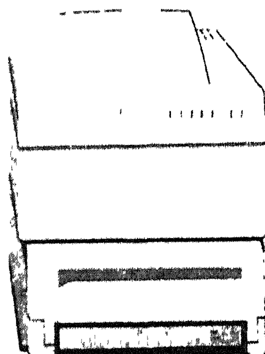
कम्प्यूटर द्वारा विभिन्न कार्य करने के लिए सॉफ्टवेयर में इन सबके लिये अलग- अलग 'मॉड्यूल' बनाया जाता है। इन सारे 'मॉड्यूलों' के बीच उच्चस्तरीय एकीकरण होना चाहिये, क्योंकि एक भण्डारित सूचना दूसरे मॉड्यूल में उपयोग की जाती है।

उपभोक्ता मैत्रित्व तथा मेनू चालित (User Frendly and Menu Driven)

उपभोक्ता मैत्रित्व तथा मेनू चालित आदि शब्द सॉफ्टवेयर के गुण हैं। इन गुणों से युक्त सॉफ्टवेयर प्रयोग में आसान होता है। उपभोक्ता मैत्रित्व का अर्थ है कि कम्प्यूटर उपभोक्ता के साथ मैत्रित्व व्यवहार/सच्चे मित्र उचित सलाह तथा निर्देश देते हैं। उसी प्रकार सॉफ्टवेयर यदि 'यूजर फ्रेंडली' हो तो वह कम्प्यूटर के परदे पर उपभोक्ता को समय-समय पर संवाद भेजता रहता है।

उच्चगति प्रिन्टर (High Speed Printer)

यह एक तेज गति का प्रिन्टर है जो एक मिनिट में 300 से 300 लाइनों को मुद्रित कर देता है।



ए

ए (A)

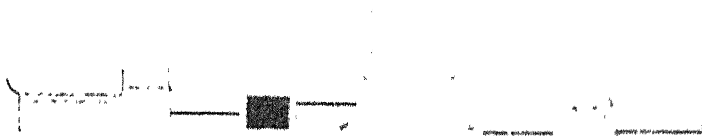
यह हैक्साडेसीमल अंकन प्रणाली का 11वाँ अंक है जो कि दशमलव अंकन प्रणाली के 10वें अंक के समान है।

एक सघनता (Single Density)

फ्लोपी में सूचना या अनुदेश को संग्रहीत करने की क्षमता को सघनता कहते हैं तथा एक सघनता वाले फ्लोपी में 1,28,256 अक्षर या लगभग 50 पृष्ठों को संग्रहीत किया जा सकता है।

एक स्थानक नेटवर्क (Local Area Network)

किसी एक भवन या आसपास के भवनों में रखे कम्प्यूटर संयंत्रों के बीच डेटा संचारण या संप्रेषण व्यवस्था को एक स्थानक नेटवर्क या लोकल एरिया नेटवर्क कहते हैं। इसमें केन्द्रीय कम्प्यूटर या मुख्यालय एक स्थान पर रखा रहता है तथा साथ के भवनों के टर्मिनल आदि से जुड़े होते हैं।



एनालाग (Analog)

एनालाग सूचना सादृश्यता अल्पता पर आधारित होते हैं, जिसमें सूचना को माप या प्रवाह के आधार पर संग्रहीत और संप्रेषित किया जाता है। इस क्रिया से हम सूचना को एक भौतिक रूप से दूसरे भौतिक रूप में सादृश्यता के आधार पर संग्रहीत या संप्रेषित करते हैं।

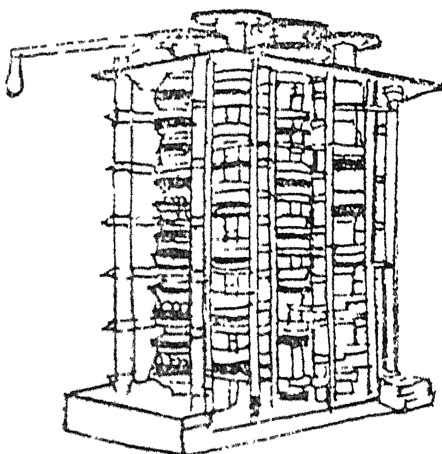
एनालाग कम्प्यूटर (Analog Computer)

ये ऐसे कम्प्यूटर हैं जो इनपुट के रूप में डाटा या आँकड़ा लेने के स्थान पर कोई गुणवाचक सूचना लेते हैं। एनालाग कम्प्यूटर में इनपुट लगातार

होता है। वह इनपुट केन्द्रीय संसाधक इकाई में लगातार जाता रहता है, जहाँ उसके ऊपर कुछ क्रियायें की जाती हैं और आउटपुट भी ऐसा ही कुछ लगातार आता रहता है। इन कम्प्यूटरों का उपयोग कम होता है।

एनालिटिकल इंजन (Analytical Engine)

चार्ल्स बैबेज ने अपने डिफरेंस इंजन की उपयोगिता और सफलता से प्रोत्साहित होकर एक मशीन की डिजाइन तैयार की जो वर्तमान समय के कम्प्यूटरों से मिलती जुलती थी। इसी मशीन को 'एनालिटिकल इंजन' कहा गया।



एनिएक (ENIAC)

इसका पूरा नाम "Electronic Numerical Integrator and Culculator" है। यह पहला इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर था जिसका निर्माण 1946 में अमेरिका के पेन्सिल्वानिया विश्वविद्यालय में किया गया था। यह पहली मशीनों की तुलना में काफी तेज था। आकार में यह दो बड़े कमरों के बराबर स्थान भरता था और इसका वजन 27 टन था। यह कम्प्यूटर कम कैलकुलेटर मशीन अधिक थी।

एडसैक (EDSAC)

इसका पूरा नाम "Electronic Delay Storage Automatic Computer" है। इसका निर्माण 1949 में इंग्लैण्ड की कैम्ब्रिज यूनीवर्सिटी द्वारा किया गया था। इसमें पहली बार प्रोग्रामों को स्टोर करने की सुविधा थी। यह अन्य सभी दृष्टियों से यह एनिएक के ही समान था।

एडवैक (EDVAC)

इसका पूरा नाम "Eletronic Desorese Variable Automatic Computer" है। इसका निर्माण 1950 में अमेरिका की पैनसिल्वानिया यूनिवर्सिटी के मूर स्कूल में किया गया था। इस कम्प्यूटर में डाटा तथा प्रोग्राम पंच किये हुए टेप द्वारा प्रविष्ट किये जाते थे।

ए ए ए आई (AAA I)

इसका पूरा नाम "American Association for Artificial Intelligence" है।

ए बी सी (ABC)

इसका पूरा नाम "Atanasoff Berry Computer" है। यह प्रथम इलेक्ट्रॉनिक अंकीय कम्प्यूटर है जिसका निर्माण 1939 में किया गया था।

एएल (AL)

यह एक एक्सोपेटीमेन्टल भाषा है, जिसका निर्माण 1972 में किया गया था।

एकीकरण (Integration)

विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यों को कम्प्यूटर की सहायता से करने हेतु सॉफ्टवेयर में इन सबके लिए अलग-अल 'मोड्यूल' बनाया जाता है तथा इन सारे मोड्यूलों के बीच उच्चस्तरीय एकीकरण होना चाहिये।

एबार्ट (Abort)

यह कम्प्यूटर को दिया जाने वाला एक अनुदेश है। इसके द्वारा कम्प्यूटर को यह अनुदेश दिया जाता है कि जहाँ कार्य हो रहा है उसे बन्द कर उससे बाहर अ जाये। डेटाबेस में कोई फाइल खराब या नष्ट हो गई हो या वायरस आ गया हो या अन्य किसी कारण से कम्प्यूटर पर निम्न संवाद आ सकते हैं—

Error in reaching drive A

Abort Retry Ignore.

यहाँ की-बोर्ड की सहायता से 'R' को टाइप किया जायेगा तो कम्प्यूटर प्रोग्राम में दुबारा कार्य करने की कोशिश करेगा। किसी कारण सफलता नहीं मिलती है तो पुन: उपरोक्त संवाद आ जायेंगे और फिर की-बोर्ड की सहायता से 'A' टाइप किया जायेगा, तब कम्प्यूटर उस प्रोग्राम को बन्द कर बाहर आ जायेंगे।

एडीए (ADA)

पास्कल नामक प्रोग्रामर भाषा पर आधारित यह एक उच्चस्तरीय प्रोग्राम है तथा इसका निर्माण अमेरिका के सुरक्षा विभाग ने किया था। यह प्रोग्राम बहुत अधिक उपयोगी है तथा इसका नामकरण लेडी अडा लोवलेस (Lady Ada Lovelace) के नाम पर किया गया है। अडा लोवलेस को विश्व का प्रथम प्रोग्रामक माना जाता है।

एग्रिस (Agris)

इसका पूरा नाम "International Information System for Agricultural Science & Technology" है। यह कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित एक अन्तर्राष्ट्रीय सूचना तन्त्र है। इसकी स्थापना 1970 में की गई थी।

एम.एस-डॉस (MS-DOS)

इसका पूरा नाम "माइक्रोसॉफ्ट डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम" है। यह पर्सनल कम्प्यूटर के लिये सर्वाधिक प्रचलित ऑपरेटिंग सिस्टम है। इसका निर्माण अमेरिका की 'माइक्रोसॉफ्ट' कम्पनी ने किया था। इस ऑपरेटिंग सिस्टम का विकास 1981 में किया गया था।

एडलिन (EDLIN)

यह एम.एस.-डॉस का समादेश है तथा इस ममादेश से 'डॉस' के पाठ सम्पादक का आह्वान किया जाता है ताकि विभिन्न अनुदेशों को संशोधित किया जा सके तथा उसमें वांछित परिवर्तन किया जा सके।

एकीकृत परिपथ (Integrated Circuit)

तृतीय पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक इकाई के रूप में एकीकृत परिपथ का उपयोग किया जाता है। यह ट्रांजिस्टरों का एक परिवर्द्धित जाल है। इससे कम्प्यूटर का आकार छोटा हो जाता है एवं उत्पादन मूल्य कम हो जाता है।

ऐडा (Ada)

यह एक उच्च स्तरीय भाषा है जिसका निर्माण अमेरिका के सुरक्षा विभाग ने किया था। इसका निर्माण सैनिक प्रोजेन्ट कम्प्यूटरों के लिये किया गया था।

ए.डी.सी. (A.D.C.)

इसका पूरा नाम "Analog to Digital Converter" है। यह सूचना को अंकीय रूप में परिवर्तित करता है।

ए.डी.पी. (A.D.P.)

इसका पूरा नाम "ऑटोमेटिक डाटा प्रोसेसिंग" है।

एलगोल (Algol)

यह एक उच्चस्तरीय भाषा है। एलगोल-60 का निर्माण विज्ञान और गणित की समस्या के समाधान हेतु किया गया है।

ए एल यू (ALU)

इसका पूरा नाम "Arthmetical Logical Unit" है। केन्द्रीय संसाधन इकाई के इस भाग में अंकगणित सम्बन्धी कार्य किये जाते हैं। इस कार्य के अतिरिक्त कुछ अन्य तर्कपूर्ण कार्य जैसे—अंकों या अक्षरों की तुलना करना भी इसी का कार्य है।

ए.एन.एस. आई. (ANSI)

इसका पूरा नाम "American National Standard Institute" है। यह अमेरिका का एक संगठन है जो अपनी इच्छा से मानकों का विकास करता है।

ए एम एल (AML)

यह एक इजी यूजेबल भाषा है, जिसका निर्माण 1980 में आई.बी.एम. द्वारा किया गया था।

एप्पल (Apple)

अमेरिका द्वारा 1977 में एप्पल-द्वितीय (Apple-II) का निर्माण किया जिसे पहला बिजनेस माइक्रो कम्प्यूटर (First Business Micro Computer) कहा जाता है।

ए पी टी आई सी (APTIC)

इसका पूरा नाम "Air Pollution Technical Information Centres" है जो कि प्रदूषण नियन्त्रण से सम्बन्धित डाटाबेस है।

ए पी एल (APL)

इसका पूरा नाम "A Programming Language" है। यह उच्चस्तरीय कम्प्यूटर भाषा है। सामान्यतया इस भाषा का गणितीय और वैज्ञानिक प्रोग्रामिंग के लिये किया जाता है।

ए. डब्ल्यू. सी. (AWC)

यह अमेरिका की कम्प्यूटर से सम्बन्धित महिला संघ है जो कि एक नॉन-प्रोफिट संगठन है।

एन्टी वायरस प्रोग्राम (Anti Virus Program)

कम्प्यूटर में आए वायरस या किसी फाइल में आये वायरस को समाप्त करने की सुविधा।

एनालाग सिग्नल (Analog Signal)

फोन लाइन पर भेजे जा सकने वाले इलेक्ट्रॉनिक संकेत हैं।

ए. बी. सी. (ABC)

यह एक कम्प्यूटर का नाम है जिसका निर्माण 1939 में जान एटानामोफ और क्लिफ फोर्ड बेरी ने किया था। यह प्रथम डिजिटल कम्प्यूटर था।

ए. सी. यू. (ACU)

इसका प्रयोग कम्प्यूटर में लगे मोडेम द्वारा संचालित टेलीफोन नेटवर्किंग के लिये किया जाता है तथा इसका पूरा नाम ऑटोमेटिक कॉलिंग यूनिट है।

ए. सी. के. (ACK)

इसका उपयोग कम्प्यूटर के द्वारा आँकड़े स्थानान्तरण हेतु किया जाता है। यह एक अन्तर्राष्ट्रीय कोड है।

ए एल (AL)

इसका पूरा नाम असेम्बली लैंगवेज है तथा इसका प्रयोग कम्प्यूटर की निम्न स्तरीय भाषा के लिये किया जाता है।

एण्ड (AND)

यह प्रोग्राम के लिये प्रयोग किया जाने वाला लोजिकल कनेक्टर (Logical Connector) है।

एण्ड गेट (AND Gate)

यह विद्युत सर्किटों के निर्माण में काम लिये जाने वाला एक लोजिक है।

ए टी. पी. (ATP)

यह प्रोग्रामिंग के लिये प्रयुक्त एक उपकरण है जो प्रोग्रामिंग भाषा की शक्ति को बढ़ाने के साथ-साथ उसके उपयोग को सरल बना देता है।

ए टी एम (ATM)

इसका पूरा नाम "ऑटोमेटिक टेलर मशीन" है। इसका प्रयोग वर्तमान समय में बैंकों में धन के आदान-प्रदान हेतु किया जा रहा है।

ए एस सी सी (ASCC)

यह एक कम्प्यूटर है जिसका निर्माण 1944 में किया गया था। यह प्रथम इलेक्ट्रो-मेकेनिकल कम्प्यूटर है।

एब्सूलेट एडरस (Absolute Addres)

कम्प्यूटर की स्मृति (Memory) में कम्प्यूटर बनाने वाले के द्वारा स्थायी रूप से किसी स्थिति का निर्धारण एब्सूलेट एडरस कहलाता है।

एक्सेज टाइम (Access Time)

कम्प्यूटर की सहायता से सूचनायें (Information) को पढ़ने में लगने वाले समय को ही एक्सेज टाइम कहा जाता है।

एक्सेज मैथड (Access Method)

यह कम्प्यूटर की वह तकनीक है जिसकी सहायता से कम्प्यूटर की स्थाई मैमोरी में संग्रहीत आँकड़ों को पढ़ा जा सकता है।

एक्टिव फाइल (Active File)

वर्तमान समय में कम्प्यूटर द्वारा उपयोग में लाई जा रही फाइल को ही एक्टिव फाइल कहा जाता है।

एक्शन स्टूब (Active Stub)

किसी भी समस्या के समाधान के लिये कम्प्यूटर द्वारा किया गया एक्शन स्टूब (Action Stub) कहलाता है।

एडा (Ada)

यह कम्प्यूटर की एक उच्च स्तरीय भाषा है जिसका निर्माण अमेरिका की ऐडा नामक महिला ने किया था, इसी के तहत इसका नाम एडा रखा गया।

एड टाइम (Add Time)

कम्प्यूटर को संग्रह माध्यम में आंकड़ों को संग्रहीत करने में लगने वाले समय को एड टाइम कहा जाता है।



एनीमेशन (Animation)

यह वह प्रक्रिया है जिसकी सहायता से स्थित चित्र या डाइग्राम को गति प्रदान की जा सकती है।

एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (Application Software)

इस प्रकार के सॉफ्टवेयर का प्रयोग विशेष प्रकार के कार्य के लिए किया जाता है, जैसे—पत्राचार या लेखन से सम्बन्धित कार्य के लिये, रेल आरक्षण के लिये तथा पुस्तकालय कार्य के लिये।

एप्पलीकेशन प्रोग्रामर (Application Programmer)

एप्पलीकेशन प्रोग्रामर वह कहलाता है जो एप्पलीकेशन सोफ्टवेयर (Application Software) का निर्माण करता है।

एड ऑन (Add On)

एड ऑन की सहायता से कम्प्यूटर की शक्ति को बढ़ाया जा सकता है इसे अलग से कम्प्यूटर से जोड़ दिया जाता है।

एडरस मोडिफिकेशन (Address Modification)

कम्प्यूटर की स्मृति (Memory) में संग्रहीत प्रोग्राम की स्थिति में फेरबदल करने को एडरस मोडिफिकेशन (Address Modification) कहते हैं।

एडरस स्पेस (Address Space)

कम्प्यूटर स्मृति का वह खाली स्थान जिसका उपयोग यूजर द्वारा किया जाता है।

एलोकेशन (Allocation)

कम्प्यूटर में आँकड़े संग्रहीत करने के माध्यम में आरक्षित स्थान को एलोकेशन **(Allocation)** कहा जाता है।

एमिगा (Amiga)

यह एक विश्व की पापुलर कम्प्यूटर प्रणाली है।

एनालोग ट्रान्समिशन (Analog Transmission)

आँकड़ों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के लिये तरंगों की सहायता ली जाती है उसे ही एनालोग ट्रान्समिशन कहा जाता है।

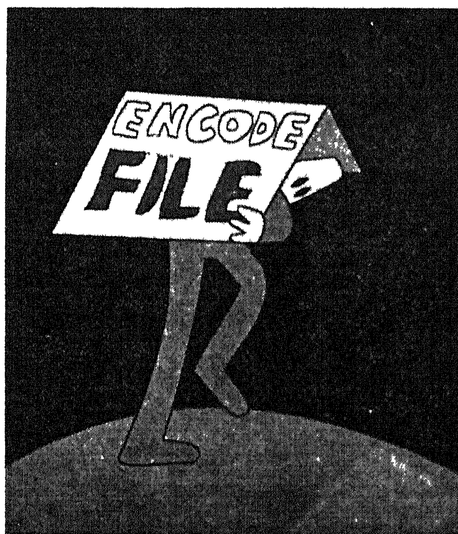
ओ

ओ ओ पी एस (O O P S)

इसका पूरा नाम "Object Oriented programming System" है। इसको बोलचाल में 'ऊप्स' कहा जाता है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें पहले से उपलब्ध वस्तुओं या प्रोग्रामों का प्रयोग करके नये प्रोग्राम तैयार किये जाते हैं।

ओ सी एल सी (OCLC)

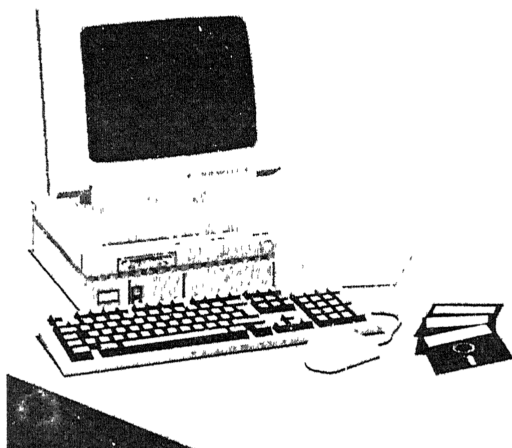
पहले Ohio College Library Centre के नाम से जाने जाना वाला इस केन्द्र का वर्तमान नाम "Online Computer Library Centr" है। इसका गठन 1976 में ओहायो राज्य के डब्लिन नामक शहर में हुआ था तथा 1971 तक इसने अपना सहयोगी सूचीकरण प्रारम्भ कर दिया था। प्रारम्भ में इसकी स्थापना अमेरिका के ओहायो राज्य के अन्तर्गत स्थित केवल 50 शैक्षणिक पुस्तकालयों के बीच कम्प्यूटरीकृत सहयोगी सूचीकरण के कार्य के लिये हुई थी।



क

कम्प्यूटर (Computer)

कम्प्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो आँकड़ों को ग्रहण करती है, उनको संग्रह करती है, उनमें प्रोग्रामों के अनुसार हेरफेर करती है तथा उन्हें पुन: प्राप्त करके परिणाम उपयोगकर्त्ता को प्रदान करती है।



कम्प्यूटर की संरचना (Computer Architecture)

कम्प्यूटर के सन्दर्भ में संरचना से तात्पर्य कम्प्यूटर की बनावट से है। कम्प्यूटर की संरचना में कम्प्यूटर हार्डवेयर की विभिन्न भौतिक इकाइयाँ एक-दूसरे से जुड़ी हुई होती हैं। कम्प्यूटर की विभिन्न भौतिक इकाइयों में निवेश एवं निर्गत उपकरण और केन्द्रीय संसाधन इकाई आते हैं।

कम्प्यूटर असिस्टेड इंस्ट्रक्शन (Computer Assisted Instruction)

इसका अर्थ कम्प्यूटर का मशीनी शिक्षक की तरह उपयोगी अथवा कम्प्यूटर की सहायता से शिक्षा है। यह एक सॉफ्टवेयर है जो छात्रों को उनकी अपनी-अपनी क्षमता तथा समझ के अनुसार कोई पाठ सिखा सकता है।

कम्प्यूटर वायरस (Computer Virus)



कम्प्यूटर के सन्दर्भ में हानिकारक प्रोग्राम का अर्थ कम्प्यूटर वायरस से है। ये विशेष रूप से लिखे गये प्रोग्राम हैं जो अपनी कम्प्यूटर प्रणाली को नष्ट कर देता है। कम्प्यूटर वायरस ऐसे खतरनाक प्रोग्राम हैं जो उपभोक्ता की जानकारी के बिना चुपके से कम्प्यूटर में प्रवेश कर जाते हैं तथा प्रवेश करने के पश्चात् वह अन्य प्रोग्रामों, फाइलों में प्रविष्ट हो जाते हैं और उन्हें नष्ट कर देते हैं।

कम्प्यूटर हार्डवेयर (Computer Hardware)

कम्प्यूटर हार्डवेयर से तात्पर्य उन विभिन्न भौतिक या शारीरिक से है जिनसे मिलकर कम्प्यूटर का निर्माण होता है। कम्प्यूटर हार्डवेयर के निम्नलिखित तीन भाग हैं—

(1) केन्द्रीय संसाधन इकाई

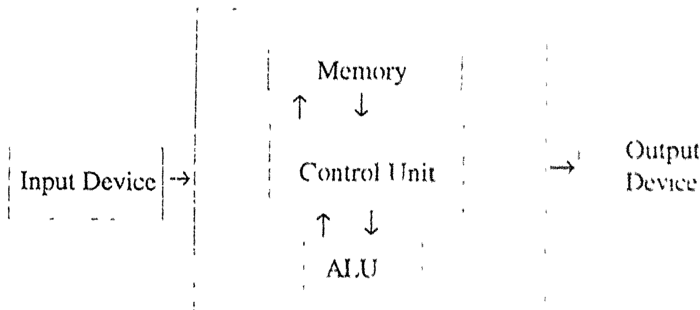
(अ) गणितीय तार्किक इकाई

(ब) नियन्त्रण इकाई

(स) मैमोरी

(2) निवेश उपकरण

(3) निर्गत उपकरण



कम्प्यूटर कॉन्फ्रेंसिंग (Computer Conferencing)

किसी बड़े नेटवर्क की सहायता से आपस में जो कम्प्यूटरों के जुड़ने की प्रक्रिया को कम्प्यूटर कॉन्फ्रें सिंग कहा जाता है।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर (Computer Software)

अनुदेशों के समुच्चयों को प्रोग्राम कहते हैं तथा प्रोग्रामों के समुच्चय को सॉफ्टवेयर कहा जाता है। हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर में लिखित प्रोग्राम के अनुरूप कार्य करता है। सॉफ्टवेयर के बिना हार्डवेयर कोई कार्य नहीं कर सकता है। प्रोग्रामर का कार्य करने वाला व्यक्ति अपने लिये स्वयं भी प्रोग्राम लिखकर सॉफ्टवेयर बना सकता है या बने बनाये सॉफ्टवेयर बाजार में मिलते हैं।

कम्प्यूटर की प्रथम पीढ़ी (First Generation Computer)—

प्रथम पीढ़ी के कम्प्यूटरों का निर्माण 1950 में हुआ तथा इस श्रेणी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधन के रूप में वाल्व या वैक्यूम ट्यूब का प्रयोग किया जाता था। इस पीढ़ी के कम्प्यूटर के आकार में बड़े तथा गति में धीमे होते थे साथ ही इनका मूल्य भी काफी अधिक होता था।

कम्प्यूटर की दूसरी पीढ़ी (Second Generation Computer)

इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों का काल 1960 से 65 तक का है। इन कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधन के रूप में वैक्यूम ट्यूब के स्थान पर ट्रांजिस्टर का उपयोग किया जाने लगा। इस कारण इन कम्प्यूटरों का आकार छोटा, गति में तेजी एवं मूल्य में कमी आई। इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों के इनपुट तथा आउटपुट के उपकरण काफी दक्ष थे, जिससे इनमें डाटा संग्रहीत करना तथा प्राप्त करना मुख्य था।

कम्प्यूटर की तीसरी पीढ़ी (Third Generation Computer)

इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों का समय 1965 से 75 तक था तथा इनमें केन्द्रीय संसाधन के रूप में इंटेग्रेटेड सर्किट (Integrated Circuits) अथवा चिप (Chip) का उपयोग किया जाता था, जो आकार में बहुत छोटे होते थे और एक चिप पर सैकड़ों ट्रांजिस्टरों को एकीकृत किया जा सकता था। ऐसे कम्प्यूटर आकार में छोटे और गति में तेज तथा अधिक विश्वसनीय होते थे। इस पीढ़ी के कम्प्यूटर अत्यधिक कार्यकुशल होने के साथ-साथ आकार में अपेक्षाकृत छोटे तथा सस्ते भी थे।

कम्प्यूटर की चौथी पीढ़ी (Fourth Generation Computer)

इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों का समय 1975 से 90 तक माना गया है। इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों की विशेषता यह है कि केवल एक मिलिकोन चिप पर कम्प्यूटर के सभी इंटेग्रेटेड सर्किट को समझाया गया है, जिसे माइक्रो प्रोसेसर कहा

जाता है। ये कम्प्यूटर आकार में बहुत छोटे होते हैं, जिन्हें एक छोटी मेज पर भी रखा जा सकता है। इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों पर कार्य करना बहुत कम खर्चीला है, क्योंकि पूर्ण इनपुट और अधिकतर आउटपुट टी.वी. जैसे टर्मिनल के पर्दे पर हो जाता है।

कम्प्यूटर की पाँचवीं पीढ़ी (Fifth Generation Computer)

1990 के दशक में ऐसे कम्प्यूटरों के निर्माण का प्रयास चल रहा है जिनमें कम्प्यूटिंग की उच्च क्षमताओं के साथ-साथ तर्क या निर्णय लेने की भी सामर्थ्य हो। इन्हें पाँचवीं पीढ़ी के कम्प्यूटर कहा जा रहा है। अब तक के कम्प्यूटरों का जोर डाटा प्रोसेसिंग पर था जबकि इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों का जोर ज्ञान प्रोसेसिंग पर होगा। इस पीढ़ी के कम्प्यूटर काफी हद तक मानव मस्तिष्क जैसे होते हैं।

कम्प्यूटर प्रबन्धक (Computer Manager)

जो कम्प्यूटर की व्यवस्था करता है, वह कम्प्यूटर प्रबन्धक कहलाता है।

कम्प्यूटर ऑपरेटर (Computer Operator)

वह कम्प्यूटर को चलाने का कार्य करता है तथा इसे आन्तरिक कार्यों का ज्ञान होता है।



कम्प्यूटर इंजीनियरिंग (Computer Engineering)

कम्प्यूटर हार्डवेयर सिस्टम की डिजाइन को तैयार करने में सम्बन्धित कार्य कम्प्यूटर इंजीनियरिंग कहलाता है।

कम्प्यूटर प्रणाली (Computer System)

कम्प्यूटर प्रणाली में कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं मानव को शामिल किया जाता है जो कच्चे आँकड़ों को उपयोगी सूचनाओं में परिवर्तित करने का कार्य करते हैं।

कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science)

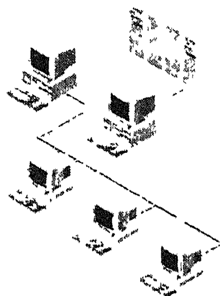
जिसमें डाटा प्रोसेसिंग और कम्प्यूटर के उपयोग एवं डिजाइन से सम्बन्धित सभी पहलुओं के बारे में दिया गया हो, कम्प्यूटर विज्ञान कहलाती है।

कम्प्यूटिंग (Computing)

कम्प्यूटर की सहायता से डाटा प्रोसेसिंग की प्रक्रिया को कम्प्यूटिंग कहा जाता है।

कम्प्यूटर नेटवर्क (Computer Network)

कम्प्यूटर नेटवर्क में कम्प्यूटर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस प्रकार जुड़े हुए होते हैं कि एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर को कोई भी सन्देश या आँकड़ा भेजा जा सके।



कम्प्यूटर गेम (Computer Game)

कम्प्यूटर की सहायता से खेले जाने वाले खेलों को कम्प्यूटर गेम कहा जाता है।



कम्प्यूटर जरगोन (Computer Jargon)

कम्प्यूटर जरगोन से तात्पर्य कम्प्यूटर की तकनीकी शब्दावली से है।

कम्प्यूटर म्यूजिक (Computer Music)

संगीत को कम्प्यूटर म्यूजिक कहा जाता है।

कम्पेयर (Compare)

कम्पेयर से तात्पर्य दो डेटा फाइलों या दो डिस्कों की आपस में तुलना करने से है।

कम्प्यूटर इन्डस्ट्री (Computer Industry)

कम्प्यूटर इन्डस्ट्री से तात्पर्य उस उद्योग से है जहाँ कम्प्यूटर से सम्बन्धित उपकरणों का निर्माण किया जाता है।

कम्प्यूटर लिट्रेसी (Computer Literacy)

कम्प्यूटर से सम्बन्धित ज्ञान को कम्प्यूटर लिट्रेसी कहा जाता है।

कम्प्यूटर बाउंड (Computer Bound)

केन्द्रीय संसाधन इकाई द्वारा डेटा प्रोसेसिंग की गति की सीमा के लिये कम्प्यूटर बाउंड (Computer Bound) शब्द का प्रयोग किया गया है।

कम्प्यूटर डिजिज (Computer Disease)

कोई भी वस्तु कम्प्यूटर की फिल्म या मैमोरी में प्रवेश कर उसको नष्ट कर देती है, उसे कम्प्यूटर की बीमारी कहा जाता है।

कर्सर (Cursor)

कम्प्यूटर की स्क्रीन पर टिमटिमाता हुआ एक चिन्ह जो यह दर्शाता है कि कम्प्यूटर अमुक स्थान पर कार्य करने या निर्देश लेने के लिये तैयार है। यह चिन्ह एक बिन्दु या अन्य किसी रूप में हो सकता है।

कन्ट्रोल यूनिट (Control Unit)

कम्प्यूटर के केन्द्रीय संसाधन इकाई का वह भाग जो कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर की गतिविधियों पर नियन्त्रण रखता है। यह भाग उपयुक्त सिग्नलों के द्वारा कम्प्यूटर के प्रत्येक इकाई की गतिविधियों का तालमेल और नियन्त्रण करता है।

कम्पाइलर (Compiler)

यह उच्चस्तरीय भाषा का मशीन भाषा में अनुवाद करता है। यह लम्बे प्रोग्राम होते हैं जो स्थायी तौर पर कम्प्यूटर की स्मृति में लिखे रहते हैं। उच्चस्तरीय भाषा में प्रोग्राम करते समय प्रोग्रामक प्राकृतिक भाषा का प्रयोग करते हैं,

जिसे कम्प्यूटर सीधा नहीं समझ सकता। अत: उच्चस्तरीय भाषा की मशीन भाषा में अनुवाद करने के लिये कंपाइलर की आवश्यकता होती है।

कस्टम सॉफ्टवेयर (Custom Software)

कस्टम सॉफ्टवेयर किसी विशिष्ट कार्य या समस्या के लिये उपभोक्ता द्वारा बनाया जा सकता है तथा यह मुख्यतया उसी के कार्य के लिये होता है।

कर्नेल (Kernel)

कर्नेल यूनिक्स ऑपरेटिंग प्रणाली का क्रोड या हृदय है। प्रणाली से सम्बन्धित सारी प्रक्रियायें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कर्नेल की नजर में होती हैं। यह एक प्रोग्राम है। यह कम्प्यूटर के समस्त अंगों एवं प्रक्रियाओं पर नजर रखता है।

करेक्टर (Character)

कम्प्यूटर के सन्दर्भ में 'करेक्टर' का अर्थ कोई भी एक वर्ण, अक्षर, अंक या चिन्ह से है। यहाँ तक कि एक अक्षर की जगह छोड़ना भी एक करेक्टर है।

कर्सर नियन्त्रण 'की' (Cursor Control 'K')

ये आठ होती हैं। ये कर्सर को दायें, बायें, ऊपर, नीचे लाइन या प्रलेख के शुरू में या अन्त में, पृष्ठ को ऊपर ले जाने या पृष्ठ को नीचे लाने में प्रयुक्त होती है।

करेक्टर प्रिंटर (Character Printer)

इस प्रकार के प्रिंटर में एक समय में केवल एक ही अक्षर मुद्रित किया जा सकता है। ये प्रिंटर टाइपराइटर की तरह होता है, जिसमें कागज और स्याही लगे रिबन पर टाइपफेस को दबाया जाता है।

कमाण्ड (Command)

कम्प्यूटर को दिये जाने वाले अनुदेश को कमाण्ड कहा जाता है। सामान्यतया यह एक शब्दीय या एक वाक्यीय होता है।

कम्यूनिकेशन प्रोटोकोल (Communication Protocol)

सम्प्रेषण के लिये निर्धारित वह नियम जो इस बात की जाँच करते हैं कि ट्रांसमियन के समय कहीं डेटा लोस तो नहीं हो रहा है।

कर्सर ट्रेकिंग (Cursor Tracking)

कम्प्यूटर में कर्सर को मॉनीटर पर इधर-उधर घुमाने को कर्सर ट्रेकिंग (Cursor Tracking) कहा जाता है।

कर्सर नियन्त्रण (Cursor Control)

कम्प्यूटर मॉनीटर पर कर्सर को नियन्त्रित करने की प्रक्रिया को कर्सर नियन्त्रण कहा जाता है।

कन्ट्रोल प्रोग्राम (Control Program)

कन्ट्रोल प्रोग्राम शब्द का प्रयोग ऑपरेटिंग प्रणाली के लिये किया जाता है।

कन्सोल प्रिंटर (Console Printer)

यह एक टाइपराइटर के समान होता है जिससे मानीटर जुड़ा रहता है और यह टाइपराइटर की प्रत्येक गतिविधियों की जानकारी देता रहता है।

कन्ट्रोल डाटा (Control Data)

कन्ट्रोल डाटा उसे कहा जाता है जो प्रोग्राम प्रोसेस या प्रोग्राम को शुरू करता है।

कन्ट्रोल शब्द (Control Words)

कन्ट्रोल शब्द से तात्पर्य ऐसे शब्द से है जिसका प्रयोग प्रोग्राम को नियन्त्रण हेतु किया जाता है।

कन्ट्रोलर (Controller)

यह एक प्रकार की डिवाइस है जिसका उपयोग कम्प्यूटर में प्रयोग किये जा रहे विभिन्न उपकरणों के नियन्त्रण हेतु किया जाता है।

कन्वेटर (Converter)

कम्प्यूटर का वह उपकरण जो आंकड़े को परिवर्तित करने के लिये उपयोग में लाया जाता है।

कम्पाइल समय (Compile Time)

कम्पाइल समय से तात्पर्य उस समय से है जो किसी प्रोग्राम के कम्पारलेशन में लगता है।

कम्यूनिकेशन सॉफ्टवेयर (Communication Software)

कम्प्यूटर में प्रयोग किया जाने वाला वह प्रोग्राम जो मोडेम के सहायता से सम्प्रेषण (**Communication**) का कार्य सम्पन्न करवाया जाता है।

करेक्टर रीडर (Character Reader)

यह एक इनपुट डिवाइस है जो अक्षरों को पढ़कर कम्प्यूटर में इनपुट करने का कार्य करती है।

करैक्टर कोड (Character Code)

अमेरिकन स्टैण्डर्ड कोड फॉर इन्फोर्मेशन इन्टरचेन्ज और इन्टरनेशनल स्टैण्डर्ड ऑरगेनाइजेशन कैरक्टर कोड के उदाहरण हैं जो कि बाइनरी अंक को प्रिन्ट करवाने में सहयोग करते हैं।

करैक्टर यूजर इंटरफेस (Character User Interface)

इसमें उपयोगकर्त्ता अपने सभी आदेशों, अक्षरों, अंकों तथा अन्य चिन्हों के द्वारा देता है जैसा कि एम.एस.डॉस में कमाण्ड प्राम्ट पर आदेश टाइप किये जाते हैं।

क्लोज्ड फाइल (Closed File)

क्लोज्ड फाइल से तात्पर्य कम्प्यूटर की ऐसी फाइल से है जिसमें ना तो कुछ लिखा जा सकता है और ना ही उसमें से कुछ पढ़ा जा सकता है।

क्लोबर (Clobber)

कम्प्यूटर में किसी भी पुराने डेटाओं पर नये डेटाओं को लिखने की प्रक्रिया को क्लोबर कहा जाता है।

काउन्टर (Counter)

यह सामान्यतया किसी वेबसाइट या वेब पेज पर आने वाले लोगों की संख्या दर्शाता है, अर्थात् जब हम भी किसी साइट को या वेब पेज को पढ़ते हैं तो उसका काउन्टर आगे चलता है जो कि उसके प्रयोगकर्त्ताओं की संख्या दर्शाता है।

कॉपी (Copy)

यह एम.एस.-डॉस का समादेश है जो इच्छित फाइल या फाइलों को इच्छित डिस्क के ऊपर प्रतिलिपि बनाने या हस्तान्तरित करने का कार्य करता है।

Copy |__| A : ABC |__| C: xyz

कॉपी कॉन (Copy Con)

यह भी एम.एस.-डॉस का समादेश है जो कुंजीपटल की सहायता से इच्छित फाइल में डाटा निवेश करने के लिये उपयोग में लाया जाता है।

कार्ड होपर (Card Hopper)

इस स्थान में एक साथ 500 खाली कार्ड रखे जा सकते हैं। यह ऐसे स्थान पर बना होता है कि फीड वाली कुंजी दबाने पर एक कार्ड इसमें से निकलकर निर्धारित स्थान पर पहुँच जाता है।

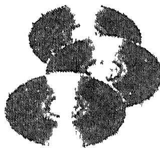
कार्ड स्टैकर (Card Stacker)

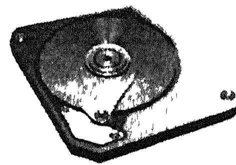
कोई कार्ड रिलीज कर दिये जाने के बाद इस स्थान पर एकत्रित हो जाते हैं। एक समय में लगभग 500 कार्ड इसमें एकत्रित किये जा सकते हैं।

कार्ड रीडर (Card Reader)

पंचिंग मशीन द्वारा तैयार किये गये कार्डों को कम्प्यूटर में पढ़ाने का कार्य कार्ड रीडर नामक मशीन की सहायता से किया जाता है, जो कम्प्यूटर का ही एक भाग होता है।

कॉम्पैक्ट डिस्क (Compact Disk)





ये स्थायी रूप से स्टोर किये गये डाटा के बराबर होता है। इससे डाटा पढ़ने का कार्य एक कॉम्पेक्ट डिस्क ड्राइव द्वारा किया जा सकता है। हम इस पर अपनी ओर से कुछ नहीं लिख सकते हैं।

कार्टिज टेप (Cartige Tap)

ये टेप प्लास्टिक की आधे इंच चौड़ी पट्टी से बना होता है जो चुम्बकीय ऑक्साइड से लेपित होता है। यह कार्टिज या डिब्बे में बन्द रहता है। इसलिये इन्हें कार्टिज टेप कहा जाता है। एक कार्टिज में सामान्यतया 500 मीटर लम्बी टेप होती है। डेटा को इसी चुम्बकीय मध्य पर संग्रहीत किया जाता है तथा उसे वहाँ से पढ़ा, देखा, मुद्रित या हस्तान्तरित किया जा सकता है।

कॉमन कम्यूनिकेशन फॉरमेट (Common Communication Format)

कॉमन कम्यूनिकेशन फॉर्मेट का अर्थ डेटा या सूचना को समान रूप में रखने से है ताकि एक कम्प्यूटर की सूचना को दूसरे कम्प्यूटर तक तथा एक स्थान से दूसरे स्थान तक आसानी से संप्रेषित किया जा सके। कम्प्यूटर नेटवर्क द्वारा सूचना के सहभागितापूर्ण संचार को आसान बनाने के लिये यह आवश्यक है कि सहभागिता में हिस्सा लेने वाले कम्प्यूटरों में डेटा या सूचना को एक रूप में रखा जाये। इसका निर्माण यूनेस्को ने किया था।

काउन्ट (Count)

कम्प्यूटर द्वारा डेटाबेस के अन्दर के रिकार्डों के गिनने की प्रक्रिया काउन्ट कहलाती है।

की (Key)

यहाँ 'की' का तात्पर्य कुंजी पटल (Key-Board) की एक कुंजी या की से है।

किलो बाउड (Kilo Baud)

किलो बाइड का अर्थ एक हजार बिट्स पर सैकण्ड से है।

किलो बिट (Kilo Bit)

किलो बिट से तात्पर्य 2^{10} और 10^{24} बिट्स से है।

किलो बाइट (Kilo Byte)

किलो बाइट से तात्पर्य 2^{10} और 10^{24} बाइट्स से है।

किलोसाइकल पर सैकण्ड (Kilocycles Per Second)

एक हजार साइकल पर सैकण्ड तथा इसे किलोहर्टज (Kilo Hertz) भी कहा जाता है।

क्लिक (Click)

माउस के बटन को दबाने की प्रक्रिया को क्लिक कहा जाता है।

क्रियात्मक कुंजियाँ (Function Key)

कुंजी पटल में जैसे F_1, F_2, F_3, F_4, F_5 इत्यादि विभिन्न क्रियात्मक कुंजियाँ होती हैं। जैसे F_3 दबाने से तुरन्त पहले दिये गये डॉस समावेश पुनः चालू हो जाते हैं।

कुकी (Cookie)

यह एक छोटा प्रोग्राम होता है जो कि वह समय बनता है जब हम किसी वेबसाइट को कनेक्ट करते हैं। कुकी हमारी सर्फिंग को आसान बनाती है। यह हमारी पहचान चाही गई माइट, मर्च विषय आदि को अधिक आसान व क्रियाशील बनाते हैं।

कुक बुक (Cook Book)

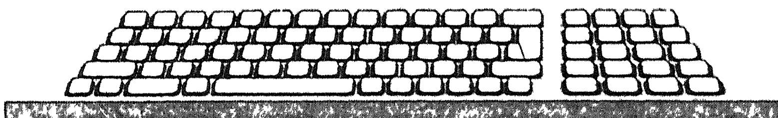
कुक बुक से तात्पर्य ऐसे साहित्य से है जो किसी सॉफ्टवेयर को चलाने की क्रमबद्ध पूरी जानकारी दी गई हो।

कुंजी पटल (Key-Board)

कुंजी पटल सर्वाधिक लोकप्रिय एवं उपयोगी निवेश उपकरण है। यह डेटा के निवेश के काम में लाया जाता है तथा यह कम्प्यूटर से जुड़ा हुआ होता है। यह टंकण मशीन के समान ही दिखाई देता है। कम्प्यूटर के कुंजी पटल में मुख्यतया निम्नलिखित कुंजियाँ होती हैं—

—अंकाक्षर कुंजियाँ

— क्रियात्मक कुंजियाँ।



कूटांकन (Cotification)

एकत्रित किये डाटा में से कुछ या सभी को आवश्यकता के अनुसार कूटंकित करने को कुटांकन कहा जाता है।

के (K)

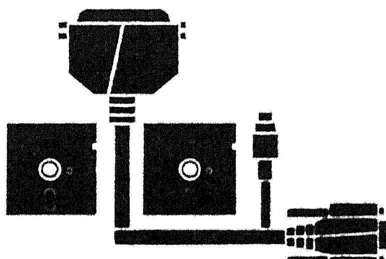
यह किलो (Kilo) का संक्षिप्त रूप है, जिसका उपयोग हजार के लिये किया जाता है।

के.बी.सी.एस. (KBCS)

इसका पूरा नाम "Knowledge Based Computer System" है जो कि एक भारतीय परियोजना है।

केबिल (Cable)

केबिल से तात्पर्य तार के एक टुकड़े से है जो एक मशीन से दूसरी मशीन तक या एक मशीन से उसके सहायक उपकरणों तक सूचना सिग्नल आदि भेज सकें।



केन्द्रीय संसाधन इकाई (Central Processing Unit)

कम्प्यटूर हार्डवेयर प्रणाली की वह इकाई जो सूचना के निवेश तथा निर्गत का संसाधन करती है। यह कम्प्यूटर का दिल और दिमाग दोनों ही है तथा इसके निम्नलिखित तीन भाग होते हैं—

(1) गणितीय तार्किक इकाई
(2) नियन्त्रक इकाई
(3) मैमोरी

क्रेकर (Cra-cker)

वह व्यक्ति जो किसी साइट को तोड़ देता है या उसको लॉक कर देता है, जिसे कोई और नहीं देख सकता। यह कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग द्वारा होता है एवं विकृत मानसिकता वाले लोगों द्वारा किया जाता है। इन्हीं लोगों को क्रेकर तोड़ने वाला कहते हैं।

केलिबनेट (CALIBNET)

इसका पूरा नाम "कलकत्ता लाइब्रेरीज नेटवर्क" है। इसका उद्देश्य कलकत्ता के पुस्तकालयों के बीच नेटवर्क स्थापित करना है। इस कार्य को सफल बनाने के लिये कम्प्यूटर मैंटेनेंश कार्पोरेशन ने मैत्रेयी के नाम से एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है।

केबल मॉडम (Cable Modem)

नेट सुविधा उपलब्ध कराने की एक तीव्र व्यवस्था है।

कैची

वेब पेज पर उपलब्ध सामग्री, ब्राउजर द्वारा इस हार्ड डिस्क में वेब की जाती है।

कैलकुलेटर (Calculator)

इसका निर्माण 1642 में फ्रांसीसी गणित का और दार्शनिक ब्लेज पास्कल ने किया था। यह मशीन संख्याओं को जोड़ने एवं घटाने का कार्य कर सकती थी।

कैश मैमोरी (Cache Memory)

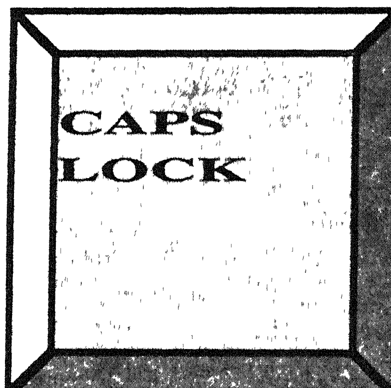
यह बहुत तीव्र सेमी कन्डेक्टर (Semi-Conductor) मैमोरी है जो कि कम्प्यूटर की आर आल परफोरमेन्श का विकास करती है। इसे स्क्रेच पेड मैमोरी के नाम से भी जाना जाता है।

कैथोड रे ट्यूब (Cathod Ray Tube)

कम्प्यटूर के दृश्यपटल को कैथोड रे ट्यूब कहा जाता है। कैथोड ट्यूब का निर्माण वाल्डीमीर इरोन्विन ने किया जाता था। कैथोड किरणें प्रदर्शन पैदा करने में सक्षम होते हैं। टेलीविजन के परदे जैसा भाग जो हमें दिखाई देता है। वह वास्तव में इस ट्यूब की चिपटी सतह होती है।

कैप्स लॉक 'की' (Caps Lock 'K')

'ए' से 'जेड' तक के अक्षर कैपिटल लैटर में टाइप करने के लिये इस 'की' का प्रयोग किया जाता है।



क्रोस-चैक (Cross-Check)

कम्प्यूटर के किसी भी प्रोग्राम की दो अलग-अलग विधियों द्वारा जाँच करने की प्रक्रिया को क्रोस चैक कहा जाता है।

कोर संग्रह (Core Storage)

कोर संग्रह वह संग्रह माध्यम है जिसमें चुम्बकीय तत्त्वों का प्रयोग सूचना संग्रह हेतु किया जाता है।

कोस्टिंग (Costing)

कम्प्यूटर की सहायता से किसी उत्पाद का मूल्य निर्धारण प्रक्रिया को कोस्टिंग कहा जाता है।

कम्प्यूटर द्वारा डेटाबेस के अन्दर के रिकार्डों को गिनने की प्रक्रिया काउन्ट कहलाता है।

को-प्रोसेसर (Co-Processor)

को-प्रोसेसर की सहायता से कम्प्यूटर के मुख्य प्रोसेसर की शक्ति को बढ़ाकर कम्प्यूटर की कार्य शक्ति को बहुत तीव्र किया जा सकता है।

कोमन स्टोरेज (Common Storage)

कम्प्यूटर स्मृति का वह भाग जिसका उपयोग प्रत्येक प्रोग्राम द्वारा किया जा सकता है।

कोड लेवल (Code Level)

किसी अक्षर को प्रदर्शित करने में प्रयोग हो रही बिट्स की संख्या को कोड लेवल कहा जाता है।

कोल्ड बूट (Cold Boot)

कम्प्यूटर को की-बोर्ड की सहायता से ऑफ करके ऑन करने की प्रक्रिया को कोल्ड बूट कहा जाता है।

कोबोल (COBOL)

कोबोल का पूरा नाम ''कॉमन बिजनेस ओरिएंटेड लैंग्वैज'' है। इसका प्रयोग व्यवसाय एवं उद्योग के क्षेत्र में प्रोग्रामर के लिये होता है। कोबोल प्रोग्रामर के तीन भाग हैं—

(1) अभिज्ञापन प्रभाग (Indentification Division)

(2) वातावरण प्रभाग (Environment Division)

(3) डेटा प्रभाग (Data Division)

कृत्रिम मेघा (Artificial Inteligence)

कृत्रिम मेघा का अर्थ कृत्रिम उपाय से बुद्धिमत्ता भरना है। मेधा या बुद्धि का अर्थ सीखने की क्षमता, स्वयं निरीक्षण तथा परीक्षण के आधार पर नई जानकारी प्राप्त करने की क्षमता से है। कम्प्यूटर में यह प्राकृतिक रूप से नहीं होती। इसे कृत्रिम रूप से बनाया जाता है। अतः कृत्रिम मेधा से तात्पर्य कम्प्यूटर में कृत्रिम उपायों से बुद्धिमत्ता भरना है।

क्रमबद्धन (Sorting)

संग्रहीत किये गये डाटा को अपनी आवश्यकता के अनुसार क्रमबद्ध करने को क्रमबद्धन कहा जाता है।

क्रमिक (Sequential)

इस विधि में फाइलों के रिकार्डों को एक के बाद एक उसी क्रम में संग्रहीत किया जाता है, जिस क्रम में वे प्राप्त होते हैं। ऐसी फाइलों को प्रारम्भ से क्रमिक रूप में ही प्रयुक्त किया जा सकता है।

कंपैटिबिलीटी (Compatibility)

कंपेटिबिलीटी का अर्थ प्रोग्राम सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर तथा उसमें संलग्न उपकरणों की, डेटा और सूचना को एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर तक स्वीकार्य रूप में प्रेषित करने की क्षमता है।

कंडक्टर (Conductor)

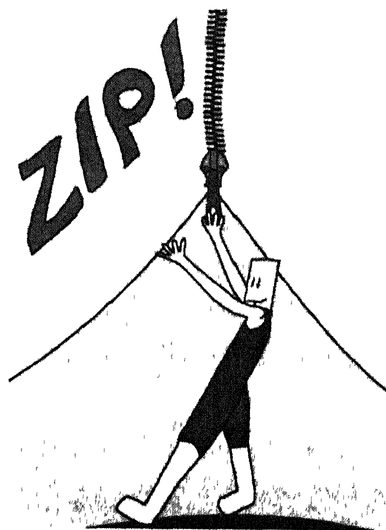
कंडक्टर आविष्कार 1947 में हो चुका था तथा इनका प्रयोग कम्प्यूटर की द्वितीय पीढ़ी में केन्द्रीय संसाधक के रूप में किया गया था।

कंसोल (Consol)

कम्प्यूटर का वह भाग जिसका संचालक तथा कम्प्यूटर के बीच संप्रेपणीयता बनाये रखने में उपयोग होता है।

कंप्रेशन प्रोग्राम

कई बड़ी फाइलों को नेट पर लाने में होने वाली परेशानी से बचने के लिए जिप द्वारा फाइल छोटा करने का प्रोग्राम है।



ग

गन (Gun)

कैथोड़ के ट्यूब पर इलेक्ट्रॉन किरणें डालने वाली डिवाइस गन कहलाती है।

गति (Speed)

कम्प्यूटर का सबसे बड़ा गुण उसकी तीव्र गति है। कम्प्यूटर द्वारा गणनायें बहुत तीव्रता के साथ की जाती हैं। कम्प्यूटर का समय माइक्रो सैकण्ड में नापा जाता है।

गलती पकड़ने वाले कोड (Error Detecting Codes)

जिन कोड़ों के. प्रयोग करने से डाटा ट्रांसमिशन में होने वाली गलतियों को पकड़ा जा सकता है, उन्हें गलती पकड़ने वाले कोड कहा जाता है।

गणितीय तार्किक इकाई (Arithmetical Logical Unit)

केन्द्रीय संसाधन इकाई के लिये सभी प्रकार की गणनायें और तुलनायें इसी इकाई में की जाती हैं। यह कुछ ऐसे इलेक्ट्रॉनिक सर्किटों से बना होता है, जिनमें यदि एक ओर से 2 संख्यायें भेजी जायें तो दूसरी ओर से इनका योग या अन्तर या गुणात्मक या भागफल निकल आता है। सारी गणनायें बाइनरी संख्या प्रणाली में की जाती हैं।

गणितीय इकाई (Calculative Unit)

इस इकाई में अंकों तथा गणन की प्रक्रियाओं का विश्लेषण किया जाता है। इसमें विश्लेषण के लिये संग्रह से इच्छित अंक तथा उपयुक्त अनुदेश प्राप्त किया जाता है।

गणितीय सूचना (Numerical Information)

गणितीय सूचना का अर्थ उस सूचना से है, जो अंकों में होती है, जैसे—1, 2, 3, 4 इत्यादि।

गणितेतर (Non-Numerical)

गणितेतर सूचना या डेटा का अर्थ सूचना के चित्र या ग्राफ या अक्षर आदि से है।

गारबेस (Garbase)

गारबेज का अर्थ कम्प्यूटर के सन्दर्भ में खराब होने से है।

गार्बेज (Garbage)

गार्बेग का अर्थ है अवांछित या अर्थहीन डेटा। यदि किसी कम्प्यूटर में संग्रहीत या निर्देशित डेटा कूज होगा तो उसका निर्गत या उससे प्राप्त सूचना भी कूड़ा या अर्थहीन ही होगी।

गार्बेज इन गार्बेज आउट (Garbage in Garbage Out)

इसका संक्षिप्त एवं प्रचलित रूप "G GO" है। इससे तात्पर्य यदि कम्प्यूटर में संग्रहीत या निवेशित डेटा कूड़ा अर्थात् गार्बेज होगा तो उसका निर्गत या उसमें प्राप्त सूचना भी कूड़ा या अर्थहीन ही होगी।

गाटफ्रीड वन लिब्निज (Gottfried Von Leibniz)

यह जर्मन गणितज्ञ थे जिन्होंने 1672 में एक नई गणक का निर्माण किया जो जोड़, घटाने के अतिरिक्त गुणा तथा भाग का कार्य भी करता था। इन्होंने अपने इस यंत्र का नाम 'स्टेटड रेकोनर' रखा।

गणितीय उपकरण (Calculating Device)

गणन से सम्बन्धित कार्य करने वाले उपकरण को गणितीय उपकरण कहा जाता है।

ग्राफिक्स यूजर इंटरफेस (Graphics User Interface)

ग्राफिक्स यूजर इन्टरफेस में अक्षरों पर चिन्हों के स्थान पर चित्रों या प्रतीकों द्वारा आदेश दिये जाते हैं। यह मेनू आधारित भी होते हैं।

ग्राफिक आउटपुट (Graphic Output)

किसी फोटो का कम्प्यूटर की सहायता से आउटपुट के रूप में प्रस्तुत किया जाना ग्राफिक आउटपुट कहा जाता है।

ग्राफिक डिस्प्ले (Graphic Display)

ग्राफिक डेटाओं का प्रदर्शित करने वाले उपकरण को ग्राफिक डिस्प्ले कहा जाता है।

ग्राफिक टैबलेट्स (Graphic Tablets)

ग्राफिक टैबलेट्स चित्र बनाने में सहयोग करता है। यह एक समतल उपकरण होता है, जिसे टेबुल पर रखकर हाथ से लिखा या चित्र बनाया

जा सकता है, जो कम्प्यूटर में निवेशित हो जाता है। इसके ऊपर पेंसिल या 'स्टाइलस' से लिखा कोई चित्र वैसा का वैसा ही उतारा जा सकता है।

ग्राफिक प्रोग्राम (Graphic Program)

वह सॉफ्टवेयर जिसकी सहायता से फोटो का निर्माण किया जाता है, ग्राफिक प्रोग्राम कहलाता है।

ग्राफिक डिस्प्ले टर्मिनल (Graphic Display Terminal)

ग्राफिक डिस्प्ले टर्मिनल की सहायता से किसी भी चित्र को कम्प्यूटर में भरा जा सकता है।

ग्राफ प्लॉटर (Graph Plotter)

इस उपकरण का उपयोग चार्ट, ग्राफ, डिजाइन तथा नक्शा छपवाने के लिये किया जाता है। इसकी छपाई अच्छी होती है, लेकिन यह बहुत धीमी गति से कार्य करता है।

ग्राफ (Graph)

ग्राफ वह रेखाचित्र है जो दो या दो से अधिक तत्त्वों का तुलनात्मक चित्र प्रदर्शित करता है।

गीक (Geek)

गीक से तात्पर्य ऐसे कम्प्यूटर ऑपरेटर से है जो कम्प्यूटर से अज्ञानी हो।

ग्रिड (Grid)

रेखाओं के जाल को ग्रिड कहा जाता है।

ग्रीडशीट (Gridsheet)

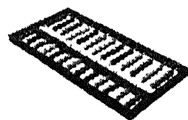
यह वर्कशीट के लिये प्रयोग किया जाने वाला एक शब्द है।

गिष्क

एक फाइल फारमेट जो इमेज सेव करने में काम आता है।

गिनतारा (Abacus)

इसका इतिहास पाँच हजार वर्षो से भी अधिक पुराना है। ईसा पूर्व 3000 में चीन में बहुतायता से इसका उपयोग होता है। सर्वप्रथम इसका उपयोग गिनने के लिये किया जाता था। इसलिये इसका नाम गिनतारा रखा गया।



गुप्त संकेत (Password)

पासवर्ड ऐसा गुप्त कूट शब्द है जिसे बताये बिना कम्प्यूटर में काम नहीं किया जा सकता। इसका उपयोग सूचना को गुप्त रखने के लिये किया जाता है। पासवर्ड की अवस्था में जब भी कम्प्यूटर खोला जायेगा, वह उपयोगकर्त्ता से पहले पासवर्ड पूछेगा तथा सही उत्तर मिलने पर ही कम्प्यूटर में कार्य करने की सुविधा प्रदान करेगा। कम्प्यूटर में पासवर्ड देना आवश्यक नहीं है, लेकिन एक बार कम्प्यूटर में पासवर्ड दे दिया है तो बिना उसे बताये कम्प्यूटर में कार्य नहीं किया जा सकता है। अलग-अलग उपयोगकर्त्ताओं के लिये अलग-अलग पासवर्ड होते हैं।

गूढ़ लेखन (Encryption)

किसी महत्त्वपूर्ण सूचना की गोपनीयता बनाये रखने के लिये उसे भेजने से पहले कुछ कूट शब्दों में बदल दिया जाता है। इसी को गूढ़ लेखन कहा जाता है।

गेम पेक (Game Pack)

यह कम्प्यूटर की सहायता से विशिष्ट गेमों के संचालन का बना बनाया प्रोग्राम होता है। यह प्रोग्राम बाजार में मिल जाता है।

गेट (Gate)

वह तार्किक सर्किट जिसमें दो या दो से अधिक इनपुट एक आउटपुट को नियंत्रित करते हैं।

गेटवे (Gateway)

गेटवे शब्द एक ऐसे कम्प्यूटर को इंगित करता है जिसके माध्यम से हम देश-विदेश के अनेक डेटाबेसों तथा नेटवर्कों से अपने कम्प्यूटर का सम्बन्ध सेटेलाइट के माध्यम से स्थापित कर सकते हैं। जिसको सम्बन्धित 'गेटवे' के पासवर्ड तथा दूरसंचार माध्यम के प्रयोग की सुविधा हो, वह इच्छित डेटाबेस से तत्काल सम्बन्ध स्थापित कर सकता है।

ग्रेफ थ्योरी (Graph Theory)

ग्रेफ थ्योरी गणित की एक शाखा है जिसमें कई तत्त्वों की तुलना को चित्र का डाइग्राम के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

ग्रे कोड (Gray Code)

ग्रे कोड कम्प्यूटर को दिये जाने वाले निर्देश जिनके द्वारा इनपुट और आउटपुट की प्रक्रिया सम्पन्न होती है।

गो बोटम (Go Bottom)

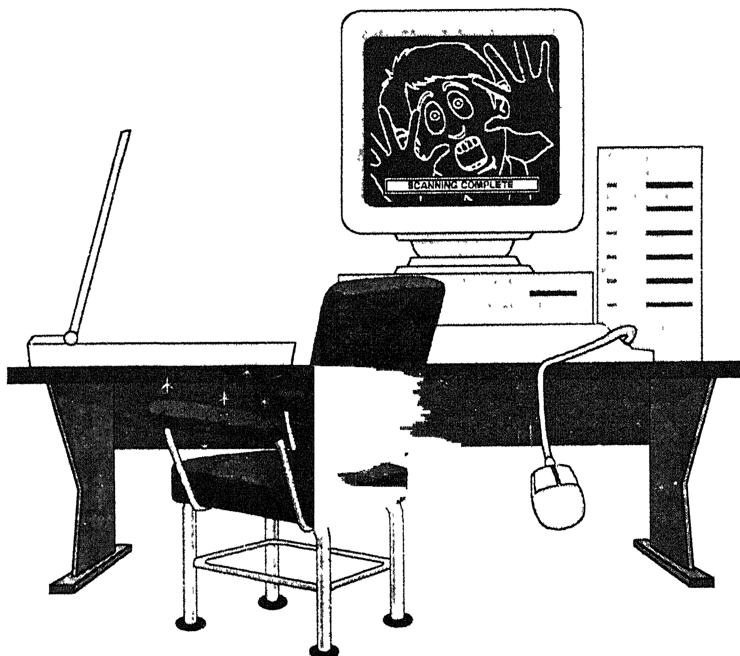
यह डी-बेस (d-BASE) समादेश या कमाल है।

गो टोप (Go Top)

यह भी डी-बेस (d-BASE) समादेश है।

गो डाउन (Go Down)

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को खराब होने को गो डाउन कहा जाता है।



च

चालू ड्राइव (Current Drive)

जो डिस्क तात्कालिक उपयोग में है, उसे चालू ड्राइव (Current Drive) कहते हैं। जब माइक्रो कम्प्यूटर को खोलते हैं तो सी-ड्राइव (Drive C :) ही चालू ड्राइव होता है तथा इसको कम्प्यूटर स्क्रीन पर C : /> लिखकर दिखाया जाता है।

चालू डायरेक्टरी (CHDIR)

यह एम.एस.-डॉस का समादेश है जो कि चालू डायरेक्टरी को बदलने एवं इच्छित डायरेक्टरी में जोड़ने के लिये काम में लिया जाता है।

CD/Name/Dir

चार्ल्स बैबेज (Charles Babbage)

चार्ल्स बैबेज एक ब्रिटिश गणितज्ञ थे, जिन्होंने 1822 में एक डिफरेंस इंजन की डिजाइन तैयार की तथा इसकी परिष्कृत डिजाइन 1859 में तैयार की। लेकिन इनकी प्रक्रियाओं को जटिलता को देखते हुए बैबेज ने एनाइलिटिकन इंजन की रूपरेखा तैयार की तथा इसी रूपरेखा के आधार पर वर्तमान समय के कम्प्यूटरों का विकास हो पाया।



चार्ल्स बैबेज संख्या (Charles Babbage Institute)

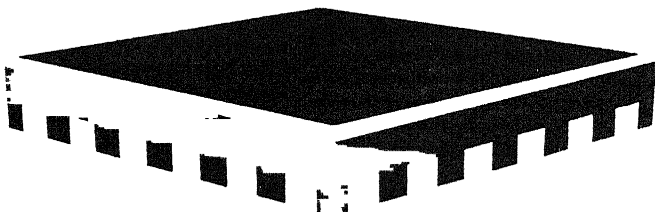
यह एक संख्या है जो कम्प्यूटर के इतिहास पर शोध का कार्य करता है। इसका नाम ब्रिटिश ग्रतिइव चार्ल्स बैबेज का नाम रखा गया है।

चार्ट (Chart)

दो विभिन्न क्वानटिज में सम्बन्ध स्थापित करने हेतु चित्र का निर्माण करने को चार्ट कहा जाता है। इसे ग्राफ भी कहा जाता है।

चिप (Chip)

यह सिलिकन का 'पोस्टर स्टाप' के आकार का टुकड़ा होता है, जिस पर कम्प्यूटर का केन्द्रीय संसाधन इकाई स्थित होता है। इनका उपयोग तृतीय पीढ़ी के कम्प्यूटरों के केन्द्रीय संसाधन के रूप में किया जाता है। इसके उपयोग से कम्प्यूटरों का आकार छोटा हो जाता है।



चिप परिवार (Chip Family)

सम्बन्धित चिप के समूह को चिप परिवार कहा जाता है। उदाहरण Inteles 8080, 8085, 8086, 8088, 80286, 80386 or Motorola 6800, 6800, 68286 and 68386.

चिप पर कम्प्यूटर (Computer on a Chip)

चिप पर कम्प्यूटर का अर्थ पूरा कम्प्यूटर एक चिप पर है। एक चिप पर कम्प्यूटर का केन्द्रीय संसाधन इकाई स्थापित होती है। इस माइक्रोप्रोसेसर पर आधारित कम्प्यूटर को माइक्रो कम्प्यूटर कहा जाता है तथा इसी से कम्प्यूटर की चौथी पीढ़ी की शुरुआत हुई। यह कम्प्यूटर आकार में अपेक्षाकृत छोटे तथा कीमत में बहुत कम होते थे। इनका विकास 70 के दशक में हुआ था।

चुम्बकीय टेप (Magnetic Tape)

चुम्बकीय टेप प्लास्टिक का एक इंच चौड़ा तथा सैकड़ों फीट लम्बा फीता होता है, जो एक चक्के पर लिपटा रहता है। इसकी सतह पर किसी चुम्बकीय पदार्थ की पतली कोटिंग होती है, जिस पर चुम्बकीय चिन्ह बनाये जा सकते हैं। टेप की एक इंच लम्बाई में 800 से लेकर 6250 तक बाइटें लिखे जा सकते हैं। टेप की लम्बाई 600 फीट से लेकर 3600 फीट तक होती है।

चुम्बकीय टेप ड्राइव (Magnetic Tape Drive)

चुम्बकीय टेप पर लिखने एवं पढ़ने का कार्य एक मशीन से किया जाता है, जिसे टेप ड्राइव कहते हैं।

चुम्बकीय ड्रम (Magnetic Drum)

चुम्बकीय ड्रम सिलेन्डर के समान होता है, जिसकी बाहरी सतह पर चुम्बकीय फीता तत्व योग एक पतली पंक्ति के साथ कोटेड होता है तथा एक मीटर सिलेन्डर को अपनी धुरी पर लगातार एवं तेज गति से घुमाती है।

चुम्बकीय डिस्क (Magnetic Disc)

चुम्बकीय डिस्क पतली धातु की प्लेट होती है तथा यह प्लेट दोनों तरफ से चुम्बकीय तलों से लेपित (Coated) होती है।

चेन प्रिंटर (Chain Printer)

इस प्रकार के प्रिंटर से वही अक्षर छपते हैं जो चेन पर अंकित होते हैं। बोल्ड, इटेलिक्स या ग्राफिक की छपाई इसमें नहीं की जा सकती है।

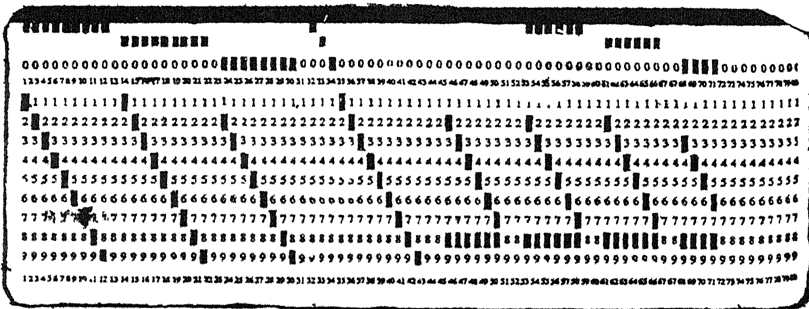
चेट रूम (Chat Room)

यह इंटरनेट की भाषा में एक-दूसरे को ऑन-लाइन बात करने का स्थान होता है। इंटरनेट हमें किसी अन्य इंटरनेट धारक से सीधे संवाद की सुविधा उपलब्ध करवाता है। इसके लिये विशेष विषय पर रूम उपलब्ध होते हैं, जिसमें आप किसी अन्य ऑन-लाइन व्यक्ति से सीधे कम्प्यूटर के की-बोर्ड से टाइप करके बात कर सकते हैं।

छ

छिद्रित पत्रक (Punched Card)

इनका उपयोग पहले कम्प्यूटर में डाटा निवेश हेतु किया जाता था। छिद्रित पत्रकों का निर्माण तथा उपयोग कम्प्यूटर के आविष्कार से पहले ही हो चुका था। गोसेफ मेरी जैम्वार्ड ने बुनाई के पैटर्न को नियंत्रित करने हेतु छिद्रित पत्रकों का उपयोग किया तथा 1890 में डॉ. हर्मन होलेरिथ ने अमेरिकन जनगणना में छिद्रित पत्रकों का उपयोग किया। छिद्रित पत्रकों में विभिन्न स्थानो पर छेद विभिन्न अक्षरों का प्रतिनिधित्व करते थे।



छिद्रित मशीन (Punching Machine)

यह मशीन निर्धारित आकार के कार्डो पर सूचनाओं को छिद्रों के रूप में अंकित करने का कार्य करती है। कोर्डो में छिद्र करने का कार्य पंचिंग मशीन पर किया जाता है।

छिद्रित स्टेशन (Punching Station)

किसी कार्ड को पच करने का कार्य यहीं किया जाता है। एक संकेत चक्र से हमें यह भी पता चलता है कि कार्ड इस समय किस कॉलम पर है।

ज

जरनल (Journal)

एक फाइल में बनाई गई प्रविष्टियों को क्रोनोलोगिकल प्रतिवेदन होता है।

जावा (Java)

यह एक प्रोग्रामिंग भाषा है जिसके द्वारा आप (Applets) तैयार कर सकते हैं। कुछ छोटे प्रोग्राम बनाकर उन्हें वेब पर लगा दिया जाता है और वे तब तक चलते हैं जब इन वेब पेज को खोला जाता है।

जॉन वॉन न्यूमैन (John Von Neumann)

1945 में जॉन वॉन न्यूमैन नामक गणितज्ञ एनिएक समूह में शामिल हुआ और उसने कम्प्यूटर में बाइनरी संख्या प्रणाली तथा प्रोग्राम स्टोर करने का सुझाव दिया।

जॉन नेपियर (John Napior)

यह स्कॉटलैड का महान् गणितज्ञ था तथा इन्होंने 1671 में जानवरों की हड्डियों से बनी ऐसी आयताकार पट्टियों का निर्माण किया, जिसकी सहायता से गुणा करने की क्रिया अत्यन्त शीघ्रतापूर्वक की जा सकती थी।

ज्यूस कोनार्ड (Jues, Konard)

यह एक जर्मन डिजाइन इंजीनियर थे, जिन्होंने विद्युत परिचालित मशीनों पर कार्य किया। इन्होंने 'जेड'-1, 'जेड'-2, 'जेड'-3, 'जेड'-4 के नाम से विद्युत परिचालित गणन बनाने का कार्य जारी रखा।

जे. एच. मूलर (J. H. Muller)

मूलर ने 1786 में एक डिफरेंस इंजन की कल्पना की, जिसमें केवल हैंडिल के घुमाने से भारी गणितीय प्रक्रियायें यांत्रिक रूप से हो जायें तथा गणन का परिणाम सामने आ जाये।

जे. पी. एकर्ट तथा जे. डब्ल्यू. मॉकली (J. P. Eckert and TW Mauchly)

इन्होंने प्रथम पीढ़ी के कम्प्यूटर "इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिकल इंटेग्रेटर एण्ड कैलकुलेटर" का निर्माण 1946 में पेंसिल का किया। विश्वविद्यालय के मूर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में किया था।

जे.सी.एल. (JCL)

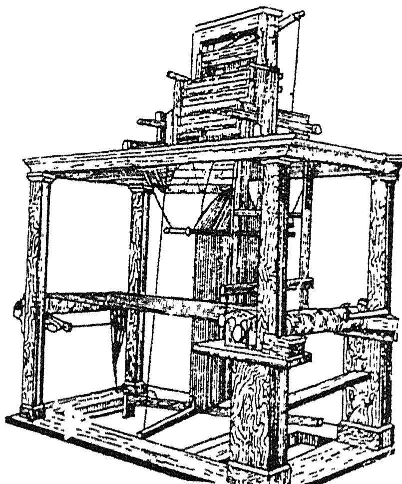
यह एक भाषा है जिसका नाम जोब कन्ट्रोल भाषा (Job Control Language) है।

जैकेट (Jacket)

यह एक प्लास्टिक का कवर होता है जो फ्लोपी, डिस्क आदि को नमी तथा अन्य से सुरक्षित रखता है।

जोसेफ मेरी जेम्वार्ड (Josheph Merry Jacquard)

इन्होंने 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में एक बुनाई का विकास किया था, जिसमें बुनाई के पैटर्न का नियंत्रित करने के लिये छिद्रित पत्रकों का उपयोग किया था। इन छिद्रित पत्रकों द्वारा करघा की ढ़रकियों की गति को नियंत्रित कर यह कार्य किया जाता था।



जोविरल (Jovial)

यह एक प्रोग्रामिंग भाषा है जो आई.ए.एल. (IAL) पर आधारित होती है।

ट

टर्मिनल (Terminal)

यह टी.बी. के पर्दे की तरह होता है जिसके साथ टाइपराइटरों जैसा एक की-बोर्ड भी जुड़ा होता है। जब कभी भी की-बोर्ड पर किसी कुंजी को दबाते हैं तो वह स्क्रीन पर उभरकर आती है।

टरबो पास्कल (TURBO Pascal)

यह पास्कल प्रोग्रामिंग भाषा का सबसे अधिक प्रचलित वरजन है, जिसे माइक्रो कम्प्यूटर सिस्टम में उपयोग में लाया जाता है।

ट्रंक (Trunk)

दो टेलीफोन केन्द्रों के मध्य जुड़ी लाइन ट्रंक कहलाती है।

ट्रन ऑन (Trun On)

कम्प्यूटर को चालू करने को ट्रन ऑन कहा जाता है।

ट्रन ऑफ (Trun Off)

कम्प्यूटर को बन्द करने की प्रक्रिया को ट्रन ऑफ कहा जाता है।

टाइम शेयरिंग ऑपरेटिंग सिस्टम में एक साथ कई उपयोगकर्त्ताओं को कम्प्यटूर का समय उपलब्ध कराते हैं। प्रत्येक उपयोगकर्त्ता के पास इनपुट-आउटपुट का एक अलग साधन होता है, जिसे टर्मिनल कहा जाता है।

टाइप (Type)

यह एम.एस.-डॉस का समादेश है जो कम्प्यूटर स्क्रीन पर फाइल के कन्टेन्ट्स (Contents) का प्रदर्शन का कार्य करता है।

टारगेट डिस्क (Target Disk)

वह डिस्क जिस पर फाइल को कापी करना होता है उसे टारगेट डिस्क कहा जाता है।

टाइम लोग (Time Log)

कम्प्यूटर को प्रयोग करने में लगे समय को रिकार्ड कहा जाता है।

टाइमर (Timer)

कम्प्यूटर की आंतरिक घड़ी को टाइमर कहा जाता है।

टाइम शेयरिंग (Time Sharing)

टालकिंग कम्प्यूटर (Talking Computer)

टालकिंग वह कम्प्यूटर है जो आवाज उत्पन्न करके आउट पुट प्रदान करते हैं।

टाइम (Time)

यह DOS/d-Base समादेश है जो समय को प्रदर्शित करने के लिये काम में लिया जाता है।

टाग्रेडर (Tagreader)

यह एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जिसका कम्प्यूटिंग डाटा और बार कोड के लिये उपयोग किया जाता है।

टारगेट लैंगवेज (Target Language)

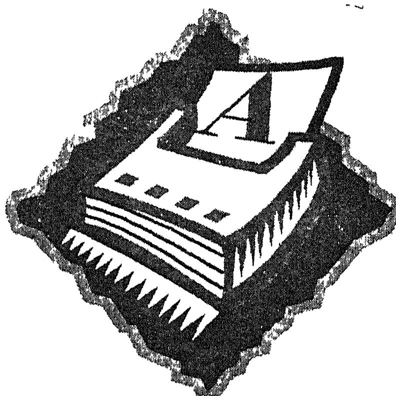
एक भाषा को कुछ अन्य भाषा में अनुवाद करने को टारगेट लैंगवेज कहा जाता है।

टास वर्ड-2 (Tas Word-2)

यह भी प्रोग्रामिग प्रणाली है।

टाइप फेस (Tipe Face)

अक्षरों का वह समूह जिनकी भिन्न-भिन्न प्रकार की बनावट होती है उसे टाइप फेस कहा जाता है।



ट्रांजिस्टर (Transitor)

ट्रांजिस्टर का पूरा नाम "Transfer of Electricity Accross a Resister" है जिसे संक्षिप्त रूप में (Transistor) कहा जाता है। दूसरी पीढ़ी के कम्प्यूटरों में इसका उपयोग केन्द्रीय संसाधन इकाई के रूप में किया जाता है। इनका आविष्कार 1947 में हुआ था। यह भी एक तरह के वाल्व ही हैं लेकिन आकार में छोटे अधिक विश्वसनीय, अधिक तीव्र गति प्रदान करने वाले तथा बिजली कम खपत करने वाले होते हैं।

टी.बी. (TB)

यह टेराबाईट्स (Terabytes) का संक्षिप्त रूप है जो कि 10^{12} or 2^{24} के बराबर होता है।

टी.सी.ए.एम. (TCAM)

इसका पूरा नाम "Tele Communication Access Method" है।

टी.सी.पी. (TCP)

यह "Transmission Control Proted" का संक्षिप्त रूप है।

टीनी बेसिक (Tiny BASIC)

यह एक उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा है, जिसका निर्माण माइक्रो कम्प्यूटर के लिये किया गया था।

ट्री नेटवर्क (Tree Network)

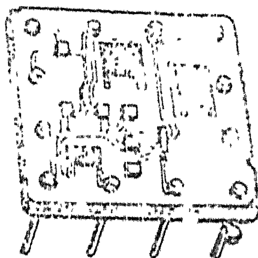
यह एक विशेष प्रकार का नेटवर्क समूह है।

टूल कीट सॉफ्टवेयर (Tool Kit Software)

टूल कीट सॉफ्टवेयर वह सॉफ्टवेयर है जो उपयोगकर्ता को इस बात की आजादी प्रदान करता है कि वह अपने सॉफ्टवेयर का निर्माण कर सके।

टेड हॉफ (Ted Hoft)

अमेरिकन इंजीनियर टेड हॉफ ने माइक्रो प्रोसेसर का आविष्कार किया था। इन्होंने 1971 में लार्ज स्केल इंटेग्रेशन के द्वारा डाक टिकिट के आकार से सिलिकन चिप पर हजारों ट्रांजिस्टरों को स्थापित कर सर्किट बनाने की सफलता प्राप्त की।



ट्रैक्स (Tracks)

फ्लोपी डिस्क में अदृश्य पगडंडियाँ होती हैं। इन्हीं अदृश्य पगडंडियों (Trackes) में डेटा आ अनुदेश लिखे तथा संग्रहीत किये जाते हैं तथा इन्हीं में से सूचना पढ़ी या निर्गत की जाती हैं। इन अदृश्य पगडंडियों में चुम्बकीय स्पंद का निर्माण कर सूचना लिखी जाती है।

टेक्स्ट एडिटर (Text Editer)

माध्यमिक स्मृति तथा बाह्य भण्डारण माध्यमों की सूचना के पाठ में फेरबदल करने, उन्हें सम्पादित करके हटाने आदि का कार्य इसी टेक्सट एडिटर की सहायता से किया जाता है।

टेग (Tag)

यह सी.डी.एस./आई.एस.आई.एस. से सम्बन्धित है। टेग एक संख्या है जो किसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्त्व करता है। इसी आंकिक कूट के द्वारा आई.एस.आई.एस. उस क्षेत्र को पहचान पाता है उसमें लिखी गई सूचना को पुन: प्राप्ति कर उस पर अन्य कार्य करता है।

टेलीकम्युनिकेशन (Telecommunication)

टेलीकम्युनिकेशन का अर्थ दूरसंचार है। ऐसे संचार उपकरण या माध्यम जो दूरवर्ती स्थानों तक सूचना या प्रसारण तथा संचार करने में सक्षम हो, उसे दूरसंचार माध्यम या उपकरण कहेंगे। दूरसंचार प्रणाली के लिये एक ट्रांसमीटर तथा संचार माध्यम की आवश्यकता पड़ती है।

टेलीटेक्स्ट (Teletext)

इस प्रणाली का विकास बी.बी.सी. द्वारा 1972 में किया गया था। इस सुविधा के द्वारा सुदूरवर्ती कम्प्यूटरों तथा टेलीविजन सेट के ऊपर दूरसंचार माध्यमों की सहायता से सूचना का संचार किया जा सकता है। यह एक प्रणाली है जिसके द्वारा सूचना एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थित कम्प्यूटर या टेलीविजन पर भेजी जाती है।

टेलीकम्यूनिकेशन सेटेलाइट (Telecommunication Setellites)

यह दूरसंचार का नवीन माध्यम है। सेटेलाइट अर्थात् कृत्रिम उपग्रह की सहायता से आकाश में होने वाली गतिविधियों को कम्प्यूटर की सहायता से पृथ्वी पर आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

टेलीकम्यूनिकेशन टेलेक्स (Telecommunication Telex)

इसका विकास 1970 में बी.बी.सी. द्वारा किया गया। इस तकनीकी की सहायता से टेक्स और ग्राफिक सूचना को टेलीविजन स्क्रीन पर प्रसारित किया जा सकता है। डिकोटर और की-पैड (Key-Pad) का उपयोग कर उपयोगकर्त्ता टेलेक्स पृष्ठों का चयन उनकी गृह टेलीविजन स्क्रीन पर कर सकता है।

टेलीप्रिन्टर (Teleprinter)

इसकी सहायता से कम्प्यूटर का उपयोग कर किसी भी प्रलेख का प्रिन्ट प्राप्त किया जा सकता है।

टेली कान्फ्रेंस (Teleconference)

यह दूरसंचार प्रणाली का एक अच्छा माध्यम है। इसकी सहायता से राष्ट्रीय अथवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कम्प्यूटर की सहायता से विचार विमर्श किया जा सकता है।

टेब (Tab)

यह टेबूलेट (Tabulate) का संक्षिप्त रूप है जो कि आँकड़ों का अभिविन्यास और अक्षरों का टेबूलेशन का कार्य करता है।

टेबल (Table)

यह प्रतिवेदनों (Resets) का संग्रह होता है तथा प्रत्येक प्रतिवेदन में सूचना संग्रहीत होती है।

टेनडे कोरपोरेशन (Tandy Corporation)

इस कोरपोरेशन में TRS-80 रेंज के माइक्रो कम्प्यूटरों का विकास किया था।

टेप फाइल (Tape File)

यह ऐसी फाइल जो मैगनेटिक टेप पर रिकार्डेड (Recorded) होती है।

टेप हैडर (Tape Header)

टेप हैडर मैगनेटिक टेप पर सूचना पढ़ने का कार्य करता है।

टेस्ट डेटा (Test Data)

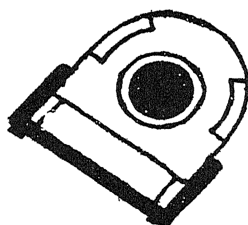
वह डेटा बेस जिस पर किसी प्रोग्राम की जाँच करते हैं उसे टेस्ट डेटा कहा जाता है।

टेक्स (Text)

शब्दों, प्रतीकों और अंकों के समूहों को टेक्स (Text) कहा जाता है।

ट्रेक बाल (Track Ball)

माउस की भाँति प्रयोग की जाने वाली इनपुट डिवाइस ट्रेक बाल कहलाती है।



टेप कोड (Tape Code)

मैगनेटिक टेप को नियंत्रित करने के लिये दिये जाने वाले निर्देशों को टेप कोड कहा जाता है।

टोपोलोजी (Topology)

नेटवर्क संरचना को अंग्रेजी में टोपोलोजी कहते हैं। संरचना का अर्थ है, वह रीति जिसमें विभिन्न टर्मिनल आदि एक-दूसरे से जुड़े हों। नेटवर्क संरचना के निम्नलिखित चार प्रकार हैं—

(1) स्टार नेटवर्क

(2) मेश नेटवर्क

(3) बस नेटवर्क

(4) रिंग नेटवर्क

टोस (TOS)

टोस का पूरा नाम ''टेप ऑपरेटिंग सिस्टम'' है।

टोकन (Token)

कम्प्यूटर के प्रोग्रामिंग में किसी भी नाम का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतीक को टोकन कहा जाता है।

ड

डस्ट कवर (Dust Cover)

कम्प्यूटर सिस्टम को धूल आदि से बचाने के लिये जिस प्लास्टिक कवर का उपयोग किया जाता है उसे डस्ट कवर (Dust Cover) कहा जाता है।

डबल डेनसिटी (Double Density)

डबल डेनसिटी वाली फ्लोपी डिस्क में प्रत्येक खण्ड मे 128 अंकाक्षर लिखे जा सकते हैं अर्थात् एक डबल डेनसिटी वाली फ्लॉपी में लगभग 100 पृष्ठों का पाठ संग्रहीत किया जा सकता है।

डबल क्लिक (Double Click)

माउस के कमाण्ड को क्रियान्वित करने वाले बटन को दो बार दबाने की प्रक्रिया को डबल क्लिक कहा जाता है।

डबल साइड डिस्क (Double Side Disk)

वह डिस्क जिस पर दोनों तरफ डेटाओं को संग्रहीत किया जाता है।

डम्प (Dump)

एक समूह माध्यम में संग्रहीत डेटाओं को उसी स्थिति में दूसरे संग्रह माध्यम में कॉपी करने की प्रक्रिया को डम्प कहा जाता है।

ड्रम प्लोटर (Drum Plotter)

यह कम्प्यूटर से जुड़ा वह आउट पुट यन्त्र है जिसकी सहायता से प्रिंटिंग करते समय ड्रम तकनीक का उपयोग किया जाता है।

ड्रम प्रिन्टर (Drum Printer)

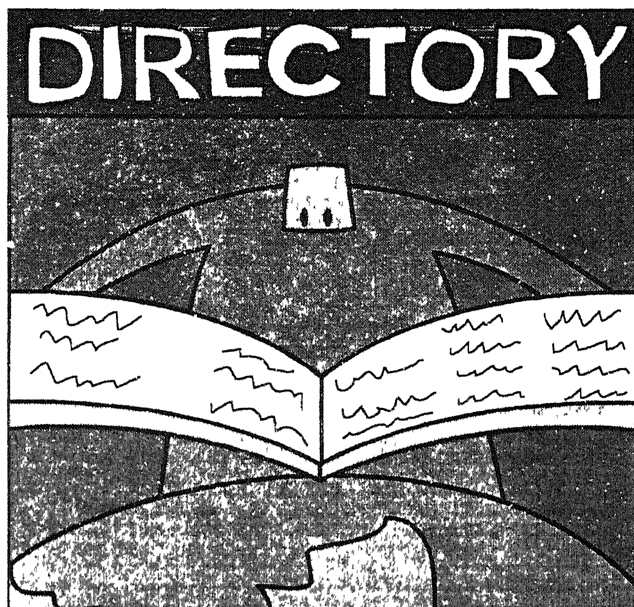
इस पर अक्षर उभरे रहते हैं। ड्रम तेजी से घूमता है और एक लाइन की छपाई के लिये एक चक्कर पूरा कर लेता है।

डायरेक्टरी (Directory)

कम्प्यूटर में हार्ड डिस्क या फ्लॉपी डिस्क के ऊपर डायरेक्टरी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसके अन्तर्गत उन डायरेक्टरी से सम्बन्धित फाइलें संग्रहीत होती हैं। किसी सॉफ्टवेयर से काम लेने से पूर्व उसे भी कम्प्यूटर मे भरना होता है तथा उसके लिये एक डायरेक्टरी बनानी पड़ती है।

डायरेक्टरी फाइलें (Directory Files)

ये फाइलें विभिन्न डायरेक्टरियाँ होती हैं, जिनके अन्तर्गत विभिन्न सामान्य फाइलें होती हैं।



डाइनेमिक संग्रह (Dynamic Storage)

वह स्मृति जो एक निश्चित समय के अन्तराल में रिफ्रेश होती रहती है जिस कारण डेटा खराब ना हो सके।

डाउन लाइन प्रोसेसर (Down Line Processor)

इस प्रकार का प्रोसेसर टर्मिनल के कारण लगा होता है तथा वह डेटा स्थानान्तरण में सहयोग प्रदान करता है।

डार्क बल्ब (Dark Bulb)

यह कैथोड के ट्यूब का एक प्रकार है। यह दृश्य प्रदर्शन में अच्छा परिणाम प्रदान करता है।

डाइरेक्ट डिसप्ले (Direct Display)

यह दृश्य प्रदर्शन इकाई है, जो करेक्टर और ग्राफिक को मैमोरी में सीधा प्रदर्शित कर दे।

डाइ (Die)

यह चौकोर या एक छोटा टुकड़ा होता है जिसका उपयोग सेमी कन्डक्टर युक्त वस्तुओं में किया जाता है।

डायोड (Diode)

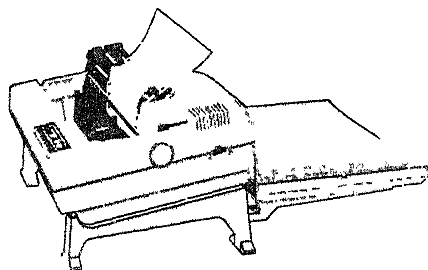
यह एक इलैक्ट्रोनिक यन्त्र है जिसका प्रयोग विद्युत धारा के प्रवाह हेतु किया जाता है।

डार्क बल्ब (Dark Bulb)

इसका प्रयोग कम्प्यूटर के मॉनीटर में किया जाता है तथा यह कैथोड 1/2 ट्यूब का एक प्रकार होता है।

डॉट मैट्रिक्स प्रिन्टर (Dot Matrix Printer)

यह प्रिन्टर एक बार में केवल एक चिन्ह छापता है और एक-एक चिन्ह छापते हुए पहले बायें से दायें और फिर एक लाइन उतर कर दायें से बायें चलते हैं। इस प्रिन्टर की सहायता से छपाई बिन्दुओं के द्वारा होने के कारण इससे किसी भी भाषा का कोई भी चिन्ह छापा जा सकता है।



डॉट मैट्रिक्स करेक्टर (Dot Matrix Character)

इससे तात्पर्य दृश्य प्रदर्शन इकाई पर अक्षरों का निर्माण डॉट (Dot) के रूप में होता है।

डॉस समादेश (DOS Command)

विभिन्न कार्यों एवं सुविधाओं के लिये डॉस में कुछ समादेश का प्रयोग किया जाता है, उन्हें ही डॉस समादेश कहा जाता है।

ड्राइव (Drive)

कम्प्यूटर का वह भाग जो कम्प्यूटर डिस्क को चलायमान करता है, जैसे—हार्ड डिस्क या फ्लॉपी डिस्क को ड्राइव को इंगित करने के लिये ड्राइव के बाद कोलन का चिन्ह लगाते हैं।

डॉटा एन्ट्री ऑपरेटर (Data Entry Operators)

जो डाटा को कम्प्यूटर में भरने का कार्य करता है, वह डाटा एन्ट्री ऑपरेटर कहलाता है।

डॉस (DOS)

इसका पूरा नाम डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम है तथा वह एक ऑपरेटिंग सिस्टम है।

डी-बेस (d-BASE)

डी-बेस एक उपभोक्ता मैत्री से पूर्व तथा मेनू संचालित सॉफ्टवेयर है। इसका निर्माण अमेरिका की एस्टोनटेट कार्पोरेशन ने किया है। इसके द्वारा बनाये गये मोड्यूलों का छोटे प्रोग्राम बनाकर एकीकरण किया जा सकता है। डी-बेस के अन्तर्गत किसी 8 अक्षरों से अधिक नहीं तथा क्षेत्र का नाम 10 अंकाक्षरों से अधिक नहीं।

डी बग (De Bug)

कम्प्यूटर की कार्यक्षमता को ठीक करने के लिये सम्बन्धित प्रोग्राम या डेटा से अशुद्धियों का पता कर उन्हें सही करना या हटा देना है।

डी पी आई (DPI)

इसका पूरा नाम "Dot Per Inch" हैं। डॉट मैट्रिक्स प्रिन्टर में डीपीआई बहुत कम होता है तथा इसमें फान्ट कम होता है। अन्तिम मुद्रण का कार्य लेजर में ही किया जा सकता है क्योंकि इसके द्वारा मुद्रित पाठ का डीपीआई अधिक होता है।

डी.आई.आर. (DIR)

यह एम.एस.-डॉस का एक समादेश है, जिसकी सहायता से तात्कालिक या इच्छित डिस्क की पूरी डायरेक्टरियों को दिखाया जा सकता है।

डीफाल्ट (Default)

कम्प्यूटर हार्डवेयर के द्वारा पूर्व निर्धारित निर्देशों के अनुसार कार्य करने की प्रक्रिया को डीफाल्ट (Default) कहा जाता है।

डिजाइन इंजनीयर (Design Engineer)

कम्प्यूटर हार्डवेयर के सर्किट का रेखाचित्र तैयार करने वाले व्यक्ति को डिजाइन इंजीनियर कहा जाता है।

डिबेट कार्ड (Diebet Card)



डिबेट कार्ड से तात्पर्य बैंकों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले ए. टी. एम. (ATM) कार्डों से है।

डिस्कसन सिम्बल (Discussion Symbols)

इस सिम्बल का प्रयोग फ्लो चार्ट में एक प्रतीक के रूप में किया जाता है।

डिटेल प्रिंटिंग (Detail Printing)

कम्प्यूटर में संग्रहीत समस्त जानकारी को प्रिंटर की सहायता से कागज पर प्रिंट करने की प्रक्रिया को डिटेल प्रिंटिंग कहा जाता है।

डिटेल फ्लो चार्ट (Detail Flow Chart)

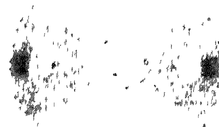
डिटेल फ्लो चार्ट से तात्पर्य उस फ्लो चार्ट से है जिसमें प्रोग्राम की प्रत्येक अवस्था को विस्तृत रूप से प्रदर्शित किया गया है।

डिवाइस नेम (Device Name)

यह कम्प्यूटर में प्रयोग होने वाले एक उपकरण का नाम है।

डिस्क (Disk)

डिस्क एक चुम्बकीय उपकरण होता है जिसमें डेटा को संग्रहीत किया जाता है। यह गोलाकार होती है।



डिवाइस (Device)

कम्प्यूटर के सन्दर्भ में डिवाइस से तात्पर्य कम्प्यूटर में काम आने वाले विभिन्न उपकरणों से है जैसे फ्लोपी डिस्क, माउस, हार्डडिस्क इत्यादि।

डिजिट स्थान (Digit Place)

अंकों की स्थिति को डिजिट स्थान कहा जाता है।

डिजिटल डेटा (Digital Data)

वे डेटा जो 0 और 1 के रूप में प्रदर्शित होते हैं उन्हें डिजिटल डेटा कहा जाता है।

डिजिटल कन्ट्रोल (Digital Control)

डिजिटल तकनीकी द्वारा कम्प्यूटर को नियन्त्रित करने की प्रक्रिया को डिजिटल कन्ट्रोल कहते हैं।

डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम (Disk Operating System)

यह प्रोग्राम डेटा, अनुदेश तथा सूचना का डिस्क एवं मुख्य स्मृति के बीच ले जाने-ले आने का काम करता है।

डिस्क कॉपी (Disk Copy)

यह भी एम.एस.-डॉस समादेश है तथा इसकी सहायता से एक डिस्क से दूसरी डिस्क पर कॉपी या प्रतिलिपि की जा सकती है।

डिस्क बफर (Disk Buffer)

कम्प्यूटर के द्वारा डिस्क में आंकड़े लिखने से पूर्व प्रयोग में की गई स्मृति (Memory) डिस्क बफर कहलाता है।

डिस्क लाइब्रेरी (Disk Library)

वह स्थान जहाँ डिस्कों को क्रमबद्ध रूप में रखा जाता है।

डिस्क स्मृति (Disk Memory)

डिस्क में डेटा को संग्रहीत करने की क्षमता को डिस्क स्मृति (Memory) कहा जाता है।

डिस्क पैक (Disk Pack)

डिस्कों के समूह को डिस्क पैक कहा जाता है।

डिसप्ले (Display)—कम्प्यूटर के स्क्रीन या मोनीटर पर डेटा का प्रदर्शन डिसप्ले (Display) कहलाता है।

डिसप्ले सरफेस (Display Surface)

कम्प्यूटर स्क्रीन का अग्र भाग जिस पर डेटा दिखाई देता है, डिसप्ले सरफेस कहलाता है।

डिलमस (DELMS)

इसका पूरा नाम "Defence Library Management System" है। इसे डेसीडॉक ने अपने तथा डीआरडीओ (DRDO) के पुस्तकालयों के लिये विकसित किया है।

डिफाल्ट (Default)

डिफाल्ट का शब्दकोशगत अर्थ 'चूकना', 'पूरा नहीं करना' या 'के अभाव में' कम्प्यूटर शब्दावली के सन्दर्भ में डिफाल्ट शब्द इंगित करता है कि—

(1) उपभोक्ता द्वारा किसी विकल्प के चयन 'के अभाव में' कम्प्यूटर विकल्प स्वयं चुन लेगा।

(2) उपभोक्ता यदि दिये गये विकल्पों में से एक को चुनने में 'चूक' गया तो कम्प्यूटर विकल्प स्वय चुन लेगा।

(3) कम्प्यूटर द्वारा दर्शाये गये कुछ विकल्पों में से किसी एक को चुनने के कार्य को उपभोक्ता 'पूरा नहीं करता' तो कम्प्यूटर विकल्प को स्वयं चुन लेगा।

डिवाइस कन्ट्रोल करेन्टर (Device Control Character)

इस करेक्टर का उपयोग पेपर टेप कोड में 'डाटा ऑपरेटिंग के कन्ट्रोलिंग' के लिये किया जाता है।

डिजिट (Digit)

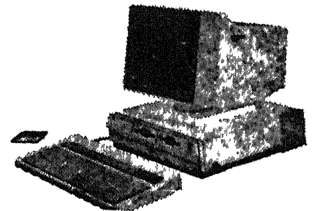
0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 कोई भी फिगर डिजिट या अंक कहलाती है।

डिजिटल (Digital)

अंकीय सूचना का अर्थ ऐसी सूचना से होता है, जो अलग-अलग टुकड़ों में हो या जिसे अलग-अलग टुकड़ों में गिना जाये, संग्रहित किया जा सके, विश्लेषित किया जा सके तथा प्रसारित किया जा सके।

डिजिटल कम्प्यूटर (Digital Computer)

सूचना को डिजिटल रूप में संग्रहीत तथा विश्लेषित करने वाले कम्प्यूटर को डिजिटल कम्प्यूटर कहा जाता है।



डिजिटल सिग्नल

कम्प्यूटर का एक संकेत जो मोडम के सहारे एनालाग डाटा और फिर डिजिटल सिग्नल के रूप में चले।

डिजिटल क्लोक (Digital Clock)

यह एक समय उपकरण है जिसका उपयोग कम्प्यूटर में कन्ट्रोल ऑपरेशन के लिये किया जाता है।

डिजिटल डिवाइडर (Digital Divider)

यह एक उपकरण है जिनका उपयोग डिजिटल या अंकीय कम्प्यूटर में किया जाता है।

डिजिटल मलटिपिलर (Digital Multiplier)

यह एक उपकरण है जिसका उपयोग डिजिटल कम्प्यूटर में मलटिफिकेशन (Multıfication) के लिये किया जाता है।

डिजिटजर (Digitizer)

यह एक उपकरण है जो एनॉलोग सिग्नल को अंक में परिवर्तित करता है।

डिफाल्ट ब्राउजर

एक स्वचालित प्रक्रिया जो नेट से जुड़ते ही काम करने लगे।

डिलीट (Delete)

यह एम.एस.-डॉस समादेश है, जिसकी सहायता से इच्छित फाइल या फाइलों या डायरेक्टरी को मिटाया या हटाया जा सकता है।

डिफरेंस इंजन (Difference Engine)

यह एक ऐसी मशीन है जो गणन के कार्य को ''मैथड ऑफ डिफरेंस'' के आधार पर करे। जे.एच. मूलर नामक वैज्ञानिक ने 1786 में डिफरेंस इंजन की कल्पना की, जिसमें केवल हैंडिल के घुमाने से सारी गणितीय प्रक्रियायें यांत्रिक रूप से हो जायें।

डूवल प्रोसेसर (Dual Processor)

एक कम्प्यूटर में दो प्रोसेसर के उपयोग को डूवल प्रोसेसर कहा जाता है।

डेजी व्हील प्रिन्टर (Degy Wheel Printer)

डेजी व्हील प्रिन्टर के पहिए की हल्के पंखुडी पर एक अक्षर अंकित होता है। मोटर तेजी से पहिए को घुमाती है। जैसे ही वांछित अक्षर सही स्थान पर आता है, कागज पर छपाई होने लगती है। इसकी सहायता से रेखाचित्र और ग्राफ की छपाई की जा सकती है।

डेट (Date)

यह यूनिक्स समादेश है जो दिन और तारीख को दर्शाता है।

डेटा (Data)

डेटा का सामान्य अर्थ आँकड़े हैं। आँकड़े सामान्यतया अंकों में होते हैं, लेकिन कम्प्यूटर के सन्दर्भ में यह कोई अंक, कोई अक्षर, कोई चिन्ह, यहाँ तक कि रिक्त स्थान के रूप में भी हो सकते हैं। इस प्रकार डेटा अंकाक्षरों से निर्मित एक टुकड़ा है।

डेटा ब्लाक (Data Block)

यह भारी फाइलों तथा उन अनुभागों का ब्यौरा रखते हैं जो किसी को आवंटित नहीं किये गये हैं।

डेटाबेस व्यवस्थापन प्रणाली (Database Management System)

डेटाबेस व्यवस्थापन प्रणाली का अर्थ है, एक ऐसा सॉफ्टवेयर जो किसी डेटाबेस से सम्बन्धित रिकार्डो को एक व्यवस्थापित समुच्चय या संग्रह से है, जिनका संग्रह या निर्माण किसी उपभोक्ता समुदाय की सूचना सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिये किया जाता है।

डेटा निवेश (Data Input)

कम्प्यूटर की सहायता से कार्य करने हेतु डेटाओं का निवेश किया जाना आवश्यक है। डाटा को कम्प्यूटर में प्रविष्ट करने के कार्य को डेटा निवेश कहते हैं।

डेटाबेस बनाना (Formation of Data Base)

डी-बेस में डेटाबेस बनाने के लिये डेटाबेस का ढाँचा बनाना पड़ता है। डेटाबेस बनाने के लिये सबसे पहले क्रिएट (Create) समादेश से पहले इच्छित नाम देकर कार्य प्रारम्भ करना पड़ता है।

डेटाबेस (Data Base)

सम्बन्धित रिकार्डो की क्रमबद्ध फाइल को डेटाबेस कहते हैं। इसका उद्देश्य किसी विशेष उपभोक्ता समुदाय की सूचना सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।

डेटा संसाधन (Data Processing)

डेटा के ऊपर निवेश से निर्गत तक कम्प्यूटर द्वारा दी गई प्रक्रियाओं को डाटा संसाधन कहा जाता है।

डेटा बैंक (Data Bank)

डेटा बैंक से तात्पर्य एक फाइल में विस्तृत संग्रह से है।

डेटा बस (Data Bus)

यह कम्प्यूटर में एक स्थान से दूसरे स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में सूचना स्थान्तरण करने का कार्य करता है।

डेटा कैरियर (Data Carrier)

यह आँकड़े रिकोर्डिंग का एक माध्यम है।

डेटा चेनल (Data Channel)

यह दो बिन्दुओं के मध्य दो रास्तों वाला कम्प्यूनिकेशन का लिंक है।

डेटा चैनिंग (Data Chaining)

डेटा तत्त्वों को आपस में जोड़ने की प्रक्रिया को डेटा चैनिंग कहा जाता है।

डेटा कम्प्यूनिकेशन उपकरण (Data Communication Equipment)

डेटा कम्प्यूनिकेशन उपकरण में सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को शामिल किया जाता है जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर सूचना हस्तान्तरण का कार्य करते हैं।

डेटा डिस्पले यूनिट (Data Display Unit)

यह दृश्य प्रदर्शन इकाई है जो मैमोरी में से अक्षरों एवं ग्राफों का चयन कर स्क्रीन पर प्रदर्शित करता है।

डेटा प्रविष्टि (Data Entry)

प्रोसेसिंग के लिये कम्प्यूटर में डाटा पुटिंग करने की एक प्रक्रिया है।

डेटा लिंक (Data Link)

दो बिन्दुओं के मध्य सूचना ट्रान्समिशन के लिये उपयोग में लाये जाने वाला भौतिक संचार पथ को डेटा लिंक कहा जाता है।

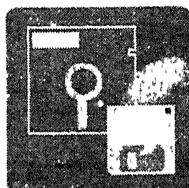
डेटा विवरण भाषा (Data Description Language)

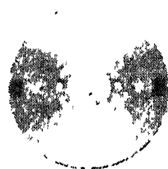
इस भाषा का उपयोग डेटा बेस मैनेजमेंट सिस्टम (Data Base Management System) में रिकार्डो की संरचना, आँकड़ा तल, फाइलों तथा उनके सम्बन्धों के वर्णन के लिये काम में लाई जाती है।

डेटा लोगिंग (Data Logging)

इससे तात्पर्य कम्प्यूटर के लिये मशीन द्वारा ऑटोमेटिक डाटा कलेक्टिंग (Automatic Data Collecting) से है।

डेटा माध्यम (Data Medium)





डेटा माध्यम से तात्पर्य कम्प्यूटर में सूचना संग्रह के लिये उपयोग में लाये जाने वाले उपकरण से है, जो निम्नलिखित हो सकते हैं—पेपर टेप, मैग्नेटिक टेप और डिस्क, पंचड कार्ड इत्यादि।

डेटा सुरक्षा (Data Security)

डेटा सुरक्षा से तात्पर्य किसी दुर्घटना से डेटा की सुरक्षा से है। संसद द्वारा 1986 में डाटा प्रोक्टेशन एक्ट पारित किया जा चुका है।

डेटा कार्ड (Data Card)

कम्प्यूटर में सूचना संग्रह के लिये प्रयुक्त होने वाले पंच कार्ड को डेटा कार्ड भी कहा जाता है।

डेटा सेन्टर (Data Center)

कम्प्यूटर से जुड़ी वह संस्थान जहाँ पर डेटा प्रोसेसिंग का कार्य होता है उसको डेटा सेन्टर कहा जाता है।

डेटा कलैक्टान (Data Collection)

डेटा को एकत्रित करने की प्रक्रिया को डेटा संग्रह (Data Collection) कहा जाता है।

डेटा डेफिनेशन (Data Definition)

प्रोग्रामिंग में प्रयोग करने के उद्देश्य से डेटा की फील्डों का आकार और प्रकार का निर्धारण करता है।

डेटा कनवरशन (Data Conversion)

एक माध्यम में संग्रहीत आंकड़ों को दूसरे माध्यम में संग्रहीत करने की प्रक्रिया को डेटा कनवरशन कहा जाता है।

डेटा कन्ट्रोल सैक्सन (Data Control Section)

यह कम्प्यूटर का वह भाग होता है जिसकी सहायता से आँकड़ों का आवागमन नियंत्रित किया जाता है।

डेटा कम्यूनिकेशन उपकरण (Data Communication Equipment)

यह उपकरण जिनका उपयोग डेटा सम्प्रेषण हेतु किया जाता है, उन्हें डेटा सम्प्रेषण उपकरण कहा जाता है।

डेटा कम्प्रेशन (Data Compression)

इस तकनीक की सहायता से डेटा उसके आकार से कई गुना छोटा करके संग्रहीत करते हैं।

डेटा डिविजन (Data Division)

कम्प्यूटर की प्रोग्रामिंग भाषा कोबोल (COBOL) के चार प्रमुख भाग में से वह इसका तीसरा भाग है।

डेटा एडिटिंग (Data Editing)

डेटा में रही आपत्तियों को सही करने की प्रक्रिया को डेटा एडिटिंग (Data Editing) कहा जाता है।

डेटा एन्ट्री (Data Entry)

कम्प्यूटर में डेटा प्रवेश या इनपुट करवाने की प्रक्रिया डेटा एन्ट्री कहलाती है।

डेटा एन्ट्री डिवाइस (Data Entry Device)

वह उपकरण जिनके द्वारा कम्प्यूटर में डेटा प्रवेश या इनपुट कराये जाते हैं।

डेटा एक्सपोर्ट (Data Export)

एक सॉफ्टवेयर से दूसरे सॉफ्टवेयर में डाटा स्थानान्तरण को डेटा एक्सपोर्ट कहा जाता है।

डेटा लाइब्रेरियन (Data Librarian)

वह व्यक्ति जिसकी देख-रेख में डेटा एकत्रित करके रखा जाता है वह **डेटा** लाइब्रेरियन कहा जाता है।

डेटा इम्पोर्ट (Data Import)

सॉफ्टवेयर की वह क्षमता जिसकी सहायता से वह दूसरे सॉफ्टवेयर के डेटा को पढ़कर प्रयोग कर सकता है।

डेटा लिंक (Data Link)

वह डिवाइस या उपकरण जो डेटा और कम्प्यूटर के मध्य सम्बन्ध स्थापित करने का कार्य करता है।

डेटा मिडियम (Data Medium)

वह माध्यम जिस पर डेटा संग्रहीत किये जाते हैं उन्हें डेटा मिडियम कहा जाता है।

डेटा रेट (Data Rate)

डेटा का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने की गति को डेटा रेट कहा जाता है।

डेटा प्रोटेक्शन (Data Protection)

यह वह प्रक्रिया है जिसकी सहायता से डेटा को सुरक्षित रखा जा सकता है।

डेटा प्रोसेसिंग तकनीकी (Data Processing Technology)

वह तकनीकी जिसकी सहायता से डेटा प्रोसेसिंग का कार्य किया जाता है उसे डेटा प्रोसेसिंग तकनीकी कहा जाता है।

डेटा स्रोत (Data Surce)

डेटा स्रोत से तात्पर्य वह स्थान जहाँ से कम्प्यूटर में डेटा इनपुट करते हैं।

डेटा सुरक्षा (Data Security)

डेटा को किसी प्रकार की हानि से बचाने की प्रक्रिया को डेटा सुरक्षा कहा जाता है।

डेटा स्ट्रीम (Data Stream)

जिस रास्ते से सीरियल डेटा को ट्रांसमिट करने के लिये सिग्नल भेजते हैं, उसे डेटा स्ट्रीम कहा जाता है।

डेटा स्कोप (Data Scope)

डेटा स्थानान्तरण के समय डेटा के तत्त्वों को देखने को डेटा स्कोप (Data Scope) कहा जाता है।

डेटा संग्रह उपकरण (Data Storage Device)

कम्प्यूटर में जिन उपकरणों में डेटाओं को संग्रहीत किया जाता है उसे डेटा संग्रह उपकरण कहा जाता है जैसे फ्लॉपी डिस्क, हार्ड डिस्क, मैगनैटिक टेप इत्यादि।

डेटा टर्मिनल (Data Terminal)

डेटा टर्मिनल सेन्टर कम्प्यूटर का वह स्थान है जहाँ से डेटा को अपनी आवश्यकता के अनुसार इनपुट और आउट पुट किया जा सकता है।

डेटा ट्रान्समिशिन (Data Transmission)

एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर में डेटा स्थानांतरित होने की प्रक्रिया को डेटा ट्रांसमिशिन कहा जा सकता है।

डेटा बेस वातावरण (Data Base Environment)

डेटा बेस वातावरण से तात्पर्य कम्प्यूटर डेटाबेस और उपयोगकर्ता तीनों के परस्पर समन्वय से परिणाम प्राप्त करने से है।

डेटा फ्लो (Data Flow)

डेटा फ्लो से तात्पर्य कम्प्यूटर द्वारा किये जा रहे कार्य में लगातार डेटा उपलब्ध होते रहने चाहिये, से है।

डेटा प्रो (Data Pro)

यह वह कम्पनी है जो कम्प्यूटर-हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के बारे में शोध (Research) का कार्य करती है।

डेसीमल (Decimal)

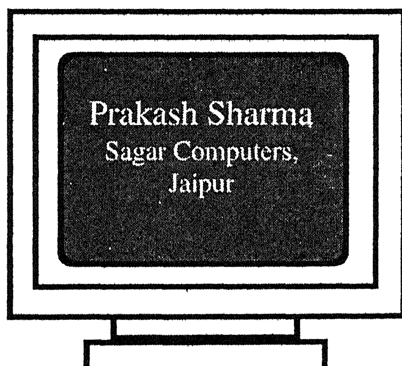
प्रतिदिन की गणना में हम डेसीमल संख्या का उपयोग करते हैं। डेसी का अर्थ 10 से है।

डेसीमल अंकन प्रणाली (Decimal Number System)

डेसीमल अंकन प्रणाली 10 संख्याओं पर आधारित गणना है। यह 10 अंक निम्नलिखित हैं—1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 और 0।

डेस्क टॉप प्रकाशन (DesK Top Publication)

इसे संक्षिप्त रूप में डी.टी.पी. (DTP) के नाम से जाना जाता है। यह प्रकाशन की नई तकनीक है। डी.टी.पी. का अर्थ कम्प्यूटर की सहायता से पूरा प्रकाशन का कार्य करने से है। इसे डेस्ट टॉप प्रकाशन इसलिये कहते हैं क्योंकि इसके सारे उपकरण, जैसे—कम्प्यूटर, स्कैनर तथा लेजर प्रिन्टर एक टेबल के ऊपर ही रखे जा सकते हैं।



डेलनेट (DELNET)

यह दिल्ली के पुस्तकालयों के बीच कम्प्यूटरीकृत नेटवर्क स्थापित करता है। इसका पूरा नाम ''डेल्ही लाइब्रेरीज नेटवर्क'' है। निमात् के सहयोग से 1988 में इसकी स्थापना की गई।

डेस्क टॉप कम्प्यूटर (Desk Top Computer)

यह एक पूर्ण कम्प्यूटर प्रणाली है, जिसमें माइक्रोप्रोसेसर, इनपुट और आउटपुट उपकरण शामिल होते हैं।

डोमेन नेम

इंटरनेट से जुड़े कम्प्यूटर की पहचान करने वाला तकनीकी नाम।

डेड लैटर बॉक्स (Dead Letter Box)

कम्प्यूटर द्वारा डेटा स्थानान्तरित न कर पाने की स्थिति को डेड लैटर बॉक्स कहा जाता है।

डेसीमल पोइन्ट (Decimal Point)

वह बिन्दु जो दशमलव को प्रदर्शित करता है, डेसीमल पोइन्ट कहलाता है।

डेडीकेट कम्प्यूटर (Dedicate Computer)

किसी विशेष कार्य के लिये निर्मित कम्प्यूटर को डेडीकेट कम्प्यूटर कहा जाता है।

डेस्कटोप (Desktop)

कम्प्यूटर स्क्रीन पर सभी प्रलेखों को देखने की प्रक्रिया को डेस्कटोप कहा जाता है।

डेस्क चैकिंग (Desk Checking)

बिना कम्प्यूटर के आँकड़ों की शुद्धता को जाँचने की प्रक्रिया को डेस्क चैकिंग कहा जाता है।

डोट मैट्रिक्स (Dot Matrix)

डेटाओं को डोट के रूप में कागज पर प्रिंट करने की तकनीक डोट मैट्रिक्स कहलाती है।

डोमेन नेम सिस्टम

इंटरनेट अड्रेस का कम्प्यूटरीकृत डाटा समूह है।

त

तैयार सॉफ्टवेयर (Read male Software)

तैयार सॉफ्टवेयर से तात्पर्य बाजार में बने बनाये मिलने वाले सॉफ्टवेयर से है। वर्तमान समय में विभिन्न कार्यो हेतु बने बनाये सॉफ्टवेयर बाजार में उपलब्ध हैं।

तृतीय पीढ़ी कम्प्यूटर (Third Generation Computer)

इसी पीढ़ी के कम्प्यूटर में केन्द्रीय संसाधक के रूप में संघटित परिपथ (Integrated Circuit) का उपयोग किया गया है। यह मूलतः ट्रांजिस्टरों का ही विकसित रूप है, जिसे रासायनिक सामग्री द्वारा एक परिपथ के रूप में एक जगह स्थापित कर दिया जाता है। इस पीढ़ी के कम्प्यूटर आकार में छोटे थे तथा गणन का कार्य तेजगति से करते थे। इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों का उत्पादन मूल्य भी कम हो गया।



द

दशमलव अंकन (Decimal Number)

प्रतिदिन की गणना हेतु दशमलव अंकन का उपयोग करते हैं, जिसमें 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 और 0 को शामिल किया जाता है।

दशमलव अंकन प्रणाली (Decimal Number System)

दशमलव अंकन प्रणाली दस संख्याओं पर आधारित गणना है। इस प्रणाली की आधार संख्या दस है। अत: इस प्रणाली में अंकों के सेट के अंक दस की विभिन्न शक्तियों से मंडित होते हैं। दशमलव प्रणाली को निम्न उदाहरण की सहायता से स्पष्ट किया जा सकता है—

	5571		
10^3	10^2	10^1	10^0
5	5	7	1
5×100^0	5×100	7×10	5 × कुछ नहीं
5000	+500	+70	+ 1
		= 5571	

दृश्य पटल (Visual Display Unit)

दृश्य पटल कम्प्यूटर का सर्वाधिक सुदृतर एवं विशद् अंग है। यह टेलीविजन सेट के 0 समान होता है। इसे कैथोड के ट्यूब (Cathod Ray Tube) भी कहा जाता है। कम्प्यूटर स्क्रीन को ही दृश्य पटल कहा जाता है।

द्विआधारी अंकन (Binary Number)

कम्प्यूटर में द्विआधारी (Binary) अंकन का उपयोग किया जाता है। यह बाई का अर्थ दो से है। अत: द्विआधारी अंकन में 0 और 1 को शामिल किया गया है।

द्विआधारी अंकन प्रणाली (Binary Number System)

द्विआधारी अंकन प्रणाली में केवल दो अंकों का प्रयोग होता है। ये अंक 0 और 1 है। कम्प्यूटर के आविष्कार के शुरू में ही द्विआधारी अंकन को अनिवार्य माना गया था। कम्प्यूटर विद्युत चालित मशीन होने के कारण केवल दो अर्थात् 0 और 1 को ही समझता है।

द्वितीय पीढ़ी के कम्प्यूटर (Computer of Second Generation)

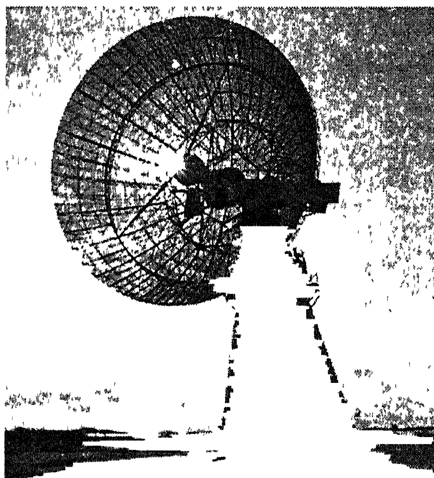
द्वितीय पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक के रूप में सेमी कंडक्टर आधारित ट्रांजिस्टर (Semi Conductor Based Transistor) का उपयोग किया जाता था। ट्रांजिस्टर भी एक तरह के वाल्व ही थे लेकिन यह स्थान कम घेरते थे, कम गरमी छोड़ते थे, साथ ही कार्य तीव्रता से करते थे।

द्विगुण सघनता (Double Density)

यह फ्लोपी डिस्क में संग्रहीत सूचना से सम्बन्धित है। द्विगुण सघनता वाले फ्लोपी डिस्क के प्रत्येक खण्ड में 128 अंकाक्षर लिखे जा सकते हैं। द्विगुण सघनता वाले फ्लोपी में लगभग 100 पृष्ठों को संग्रहीत किया जा सकता है।

दूरसंचार (Telecommunication)

दूरसंचार के ऐसे माध्यम हैं, जो दूरवर्ती स्थानों तक सूचना का संचार करते हैं। दूरसंचार प्रणाली के लिये एक संप्रेषक तथा किसी संचार माध्यम की आवश्यकता होती है।



न

नम्बर (Number)

यह एक चिन्ह है जो प्रविष्टि के मूल्य को प्रदर्शित करती है।

नम्बर लोक 'की' (Number Lock 'Key')

नमलॉक 'की' दबी होने पर ये अंक ही टाइप करती है। यदि नमलॉक की 'की' न दबी हो तो यह 'करसर नियंत्रण की' तथा टैक्स्ट सम्पादन का कार्य भी करती है।

नान कन्डक्टर (Non Conductor)

नान कन्डक्टर वह वस्तु होती है जिसमें विद्युत प्रवाह असम्भव होता है।

नीरड (Nerd)

वह व्यक्ति जो कम्प्यूटर के क्षेत्र में कोई जानकारी ना रखता है अर्थात् कम्प्यूटर के बारे में अज्ञात हो।

निम्न स्तरीय भाषा (Low Level Language)

मशीन भाषा तथा एसेंबली भाषा को निम्न स्तरीय भाषा की श्रेणी में रखा गया है। मशीन भाषा द्विआधारी अंकन में लिखी जाती है। कम्प्यूटर इसे सीधा समझ सकता है। मशीन भाषा या कोड द्वारा सीधा प्रोग्रामन करने की कठिनाइयों को दूर करने के लिये एसेंबली कोड का निर्माण किया गया।

नियंत्रण इकाई (Control Unit)

नियंत्रण इकाई यह सुनिश्चित करता है कि कम्प्यूटर को जो निर्देश दिये जा रहे हैं। उसका सही पालन हो रहा या नहीं। इस कार्य को सुनिश्चित करने के लिये नियंत्रण इकाई कम्प्यूटर के सारे एककों के कार्यो तथा क्रियात्मकता में तालमेल बिठाता है तथा सम्बन्धित इकाई को उपयुक्त एवं वांछित कार्य करने के संकेत भेजता रहता है।

निब्बल (Nibble)

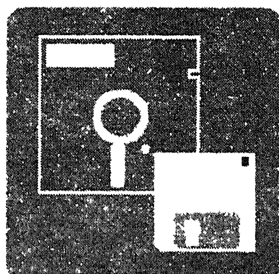
इसका अर्थ एक बाइट का आधा भाग है। एक बाइट आठ बिटों का सेट है। अत: निब्बल का अर्थ चार बिटों के एक सेट से है।

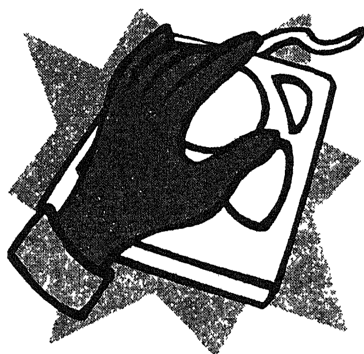
निवेश (Input)

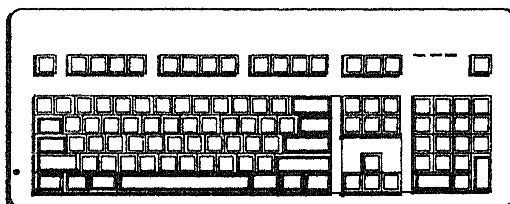
कम्प्यूटर द्वारा दी गई सूचना को प्रदर्शित या मुद्रित करने को निर्गत कहा जाता है तथा इस हेतु निर्गत उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

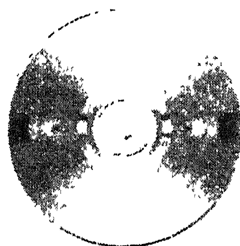
निवेश उपकरण (Input Devices)

निवेश उपकरण कम्प्यूटर हार्ड वेयर में वे उपकरण हैं, जिनके द्वारा कम्प्यूटर में आँकड़े प्रवेश या प्रेषित किया जाता है। कुछ मुख्य निवेश उपकण निम्नलिखित हैं—कुंजी पटल, छिद्रित पत्रक, चुम्बकीय फीता, फ्लोपी डिस्क एवं हार्ड डिस्क इत्यादि।









निकनेट (NICNET)

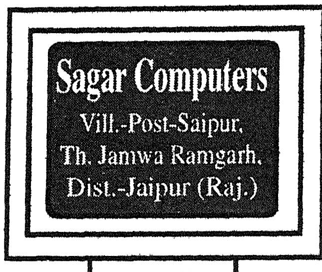
इस नेटवर्क का पूरा नाम ''नेशनल इन्फार्मेटिक्स सेन्टर नेटवर्क'' है। इसकी योजना 1973 में तैयार की गई तथा भारत में इसे 1977 में स्थापित किया गया। यह कम्प्यूटर आधारित सूचना प्रणाली का गठन है जो कि सूचना संस्कृति (Information Culture) को बढ़ावा देता है।

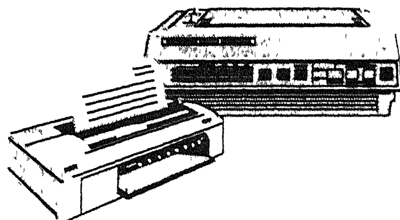
निर्गत (Output)

कम्प्यूटर द्वारा दी गई सूचना को प्रदर्शित या मुद्रित करने को निर्गत कहा जाता है तथा इस हेतु निर्गत उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

निर्गत उपकरण (Output Devices)

उन उपकरणों को निर्गत उपकरण (Output Devices) कहा जाता है। कम्प्यूटर द्वारा दी गई सूचना को प्रदर्शित या मुद्रित करते हैं। मुख्य प्रचलित निर्गत उपकरण निम्नलिखित हैं—दृश्य पटल, मुद्रक इत्यादि।





निकलान्स विर्थ (Niklons Wirth)

निकलान्स विर्थ ने उच्चस्तरीय प्रोग्रामन भाषा पास्कल का निर्माण 1968 में किया तथा 1970 में यह प्रोग्रामन भाषा बाजार में उपलब्ध होने लगी। सिस्टम प्रोग्राम तैयार करने के लिये यह उपयोगी भाषा है। फ्रेंच गणितज्ञ ब्लेज पास्कल के नाम पर इस भाषा का नाम रखा गया।

निल पोइंटर (Nil Pointer)

वह संकेतक जो किसी ऐसी सूची का अन्त दर्शाता है जो किसी से जुड़ी हुई होती है।

नूल (Null)

शब्दों के मध्य खाली स्थान को नूल कहा जाता है।

न्यूज ग्रुप

सार्वजनिक व्यवहार के लिये तैयार नेट की सुविधायें उपलब्ध कराने वाले को न्यूज ग्रुप कहते हैं।

न्यूमेरिक की पेड (Numeric Key Pad)

की-बोर्ड का वह भाग जिसकी सहायता से न्यूमेरिक अंकों को इनपुट करवाया जाता है।

न्यूमेरिकल एनालाइसिस (Numerical Analysis)

यह गणित विज्ञान की एक शाखा होती है।

न्यूमेरिकल कन्ट्रोल (Numerical Control)

डिजिटल कोड का प्रयोग करके मशीन को नियंत्रित करने की तकनीकी न्यूमेरिकल कन्ट्रोल कहलाता है।

न्यूज ग्रुप (News Group)

यह उन लोगों के संवाद समूह के लिये प्रयुक्त किया जाता है जो किसी पारस्परिक हित के विषय को परस्पर विचारों में बाँटते हैं। इसका न्यूज या समाचार से कोई वास्ता नहीं है।

नूल स्ट्रिंग (Null String)

नूल स्ट्रिंग से तात्पर्य ऐसे नूल के स्ट्रिक से होता है जो बिल्कुल खाली होती हो।

नेस्ट (Nest)

किसी कमाण्ड के प्रारम्भ में या अन्त में एक नया कमाण्ड इन्टर करने को नेस्ट कहा जाता है।

नेचुरल भाषा (Natural Language)

कम्प्यूटर शब्दावली में प्राकृतिक भाषा का अर्थ उन भाषाओं से है जो मानव द्वारा बोली एवं लिखी जाती है। उदाहरण—हिन्दी, अंग्रेजी, फ्रांसीसी, अरबी, जर्मन, उर्दू, रशियन, तमिल, कन्नड इत्यादि।

नेट (NET)

इंटरनेट (Internet) का संक्षिप्त रूप जो आम बोलचाल की भाषा में प्रचलित है।

नेटवर्क (Network)

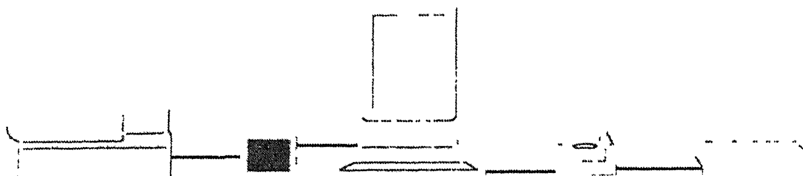
आपस में जुड़े हुए कम्प्यूटरों की प्रणाली को नेटवर्क कहा जाता है। यह एक ऐसी प्रणाली है जिसमें एक भवन से लेकर पूरी दुनिया में किसी भी स्थान पर रखे विभिन्न कम्प्यूटरों का एक-दूसरे से इस प्रकार सम्बन्ध स्थापित करना कि एक कम्प्यूटर उससे संलग्न उपकरण दूसरे किसी भी कम्प्यूटर या उसमें संलग्न उपकरण तक सूचना का संचार कर सके। नेटवर्क दो प्रकार के होते हैं—

(1) लोकल एरिया नेटवर्क

(2) वाइड एरिया नेटवर्क।

नेटवर्किंग (Networking)

दो और अधिक नेटवर्क को आपस में जोड़ने की प्रक्रिया को नेटवर्किग कहा जाता है।



नेटवर्क संरचना (Topology)

नेटवर्क संरचना को अंग्रेजी में टोपोलोजी (Topology) कहते हैं। यहाँ संरचना का अर्थ टर्मिनलस का आपस में जुड़े रहने से है। नेटवर्क संरचना के निम्नलिखित चार प्रकार हैं—

1. स्टार नेटवर्क

नेटवर्क ऑपरेटिंग सिस्टम (Networking Operating System)

यह एक प्रबन्धकर्त्ता सॉफ्टवेयर है जो नेटवर्क में सूचना के आदान-प्रदान तथा साधनों के साझेदारी को नियंत्रित करता है।

नेस्टेड ब्लाक (Nested Block)

एक प्रोग्राम के अन्दर दूसरे प्रोग्राम को नेस्टेड ब्लाक कहा जाता है।

नैनो कम्प्यूटर (Nano Computer)

नैनो कम्प्यूटर से तात्पर्य जो कि नैनो सैकण्ड में आँकड़ों का प्रोसेस कर सके।

नैनो सैकण्ड (Nano Second)

एक सैकण्ड का 10 करोड़वाँ भाग नैनो सैकण्ड कहलाता है।

2. मेटा नेटवर्क

3. बस नेटवर्क

4. रिंग नेटवर्क।

नोन न्यूमेरिक प्रोग्रामिंग (Non Numeric Programming)

वह प्रोग्रामिंग जिसके अन्तर्गत अंकों के स्थान पर प्रतीकों का प्रयोग किया जाता है उसे नोन न्यूमेरिक प्रोग्रामिंग कहते हैं।

नोइस (Noise)

अनावश्यक विद्युत प्रवाह से होने वाले शोर को नोइस कहा जाता हो।

नोड (Node)

नोड से तात्पर्य एक चित्र के जंक्शन बिन्दु या नेटवर्क का नियंत्रण इकाई से है।

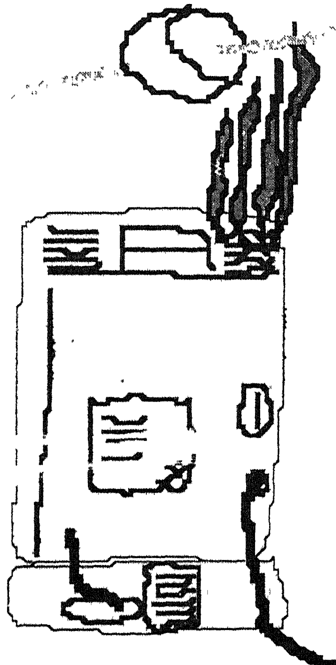
नोट (NOT)

यह लोजिकल निगेशन ऑपरेटर है, जो 1 को 0 में और 0 को 1 में परिवर्तित करता रहता है।

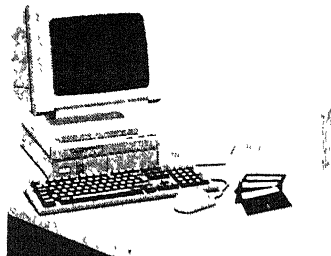
नोट गेट (Not Gate)

यह लोजिक गेट है, जिसे इन्वरटर (Inverter) भी कहा जाता है।

Input	Output
0	1
1	0



प



पर्सनल कम्प्यूटर (Personal Computer)

पर्सनल कम्प्यूटर आकार में काफी छोटे तथा माइक्रो प्रोसेसर पर आधारित होते थे। माइक्रो प्रोसेसर एक संघटित सर्किट होता है, जिसमें एक डाक टिकिट के आकार के सिलिकन चिप्पड़ पर कम्प्यूटर का गणितीय तार्किक एकक तथा नियंत्रक एकक स्थापित किया गया हो। यह व्यक्तिगत कार्यों का छोटे-मोटे कार्यों के लिये ही उपयुक्त था।

पब्लिक डोमेन

बिना रोकटोक के इस्तेमाल किया जा सकने वाला प्रोग्राम पब्लिक डोमेन कहलाता है।

प्लोट (Plot)

प्लॉटर की सहायता से किसी नक्शे या रेखाचित्र को बनाने की प्रक्रिया को प्लोट कहा जाता है।

प्रणाली सॉफ्टवेयर (System Software)

प्रणाली सॉफ्टवेयर से तात्पर्य उन प्रोग्रामों से है, जो सिस्टम अर्थात् कम्प्यूटर को चलाने, उसके भागों की देखभाल करने, उसके कामों पर नजर रखने तथा उसमें अधिक-से-अधिक अच्छा काम कराने का कार्य करते हैं। प्रणाली सॉफ्टवेयर मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं—

(1) ऑपरेटिंग सिस्टम

(2) प्रोग्रामिंग भाषा अनुवादक

(3) यूटिलिटी प्रोग्राम

पगडंडी (Track)

फ्लोपी डिस्क में अदृश्य पगडंडियाँ होती हैं, जिसमें डेटा या अनुदेश लिखे या संग्रहीत किये जाते हैं। इन अदृश्य पगडंडियों में चुम्बकीय स्पंद का निर्माण कर सूचना लिखी जाती है।

पब्लिक नेटवर्क (Public Network)

इस प्रकार के नेटवर्क का उपयोग कोई भी व्यक्ति आसानी से बिना किसी रोक-टोक के कर सकता है।

प्रयुक्ति सॉफ्टवेयर (Application Software)

प्रयुक्ति सॉफ्टवेयर वे सॉफ्टवेयर हैं, जिन्हें किसी विशेष प्रकार के कार्य को करने के लिये तैयार किया जाता है, जैसे—पुस्तकालय कार्य, लेखन से सम्बन्धित, बैंक सम्बन्धी इत्यादि।

प्रथम पीढ़ी के कम्प्यूटर (Computer First Generation)

प्रथम पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक इकाई के रूप में वैकुम ट्यूब (Vacuum Tube) का प्रयोग किया जाता है। यह पीढ़ी एनिएक (ENIAC) नामक कम्प्यूटर के निर्माण से शुरू हुई मानी जाती है। इस पीढ़ी के कम्प्यूटर आकार में काफी बड़े एवं वजन में अत्यन्त भारी होते हैं।

प्लेटो (Plato)

यह कम्प्यूटर आधारित शैक्षणिक प्रणाली (Educational System) है।

प्लॉटर (Plotter)

यह आउटपुट उपकरण है जिसकी सहायता से पैनों का प्रयोग करके कम्प्यूटर द्वारा निर्मित चित्र को प्रिंट करती है।

पास्कल भाषा (Pascal Language)

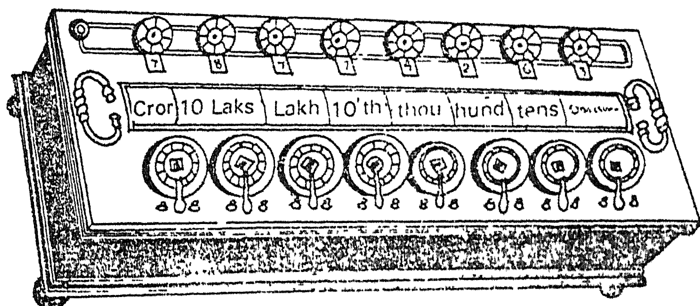
फ्रांसिसी गणितज्ञ ब्लेज पास्कल (Blaize Pascal) के नाम पर इस भाषा का नाम रखा गया है। यह भाषा बहुत शक्तिशाली है। इसमें काम को कई भागों में विभाजित कर उनके लिये स्वतन्त्र प्रोग्राम लिखा जाता है, जिसे प्रोमीजर कहा जाता है। सिस्टम सॉफ्टवेयर के लिये यह भाषा बहुत अच्छी है।

पास्कल ब्लेज (Pascal Blaise)

फ्रांसीसी गणितज्ञ और दार्शनिक ब्लेज पास्कल ने पहली यांत्रिक गणना मशीन का निर्माण 1642 में किया था।

पास्कल का गणक (Pascal's Calculator)

फ्रांसीसी गणित का ब्लेज पास्कल (Blaise Pascal) ने यांत्रिक गणक (Mechanical Calculator) का निर्माण पूरा किया तथा पास्कल ने इसका नाम 'अरिथमेटिक इंजन' रखा। यह मशीन जोड़ व घटाने का कार्य यांत्रिक रूप से करती थी।



पासवर्ड (Pasword)

यह एक ऐसा गुप्त कूट शब्द है, जिसे बताये बिना कम्प्यूटर में काम नहीं किया जा सके। ऐसी सुविधा के लिये उपयोगकर्त्ता पहले कम्प्यूटर को यह निर्देश देता है कि इस पासवर्ड को जो बताये उसे ही कम्प्यूटर कार्य करने की अनुमति दे। ऐसी अवस्था में जब भी कम्प्यूटर खोला जायेगा, वह उपयोगकर्त्ता से पहले पासवर्ड पूछेगा तथा सही संकेत मिलने पर ही कम्प्यूटर सुविधा प्रदान करेगा।

पावर ऑन (Power On)

पावर ऑन से तात्पर्य कम्प्यूटर को चालू करने अर्थात् ऑन (On) करने से है।

पावर डाउन (Power Down)

कम्प्यूटर को बन्द करने की प्रक्रिया को पावर डाउन कहा जाता है।

पाठ-सम्पादक (Text Editor)

माध्यमिक स्मृति तथा बाह्य भंडारण माध्यमों की सूचना के पाठ में फेरबदल करने, उन्हें सम्पादित करके हटाने आदि का कार्य टेक्स्ट एडिटर करता है।

पाइलोट (Pilot)

पाइलोट से तात्पर्य कम्प्यूटर भाषा से है।

पॉकेट कम्प्यूटर (Pocket Computer)

यह छोटा, पोर्टेबल, हैंड हैल्ड (Hand Held) कम्प्यूटर है।

पाइलोट एसीई (Pilot Ace)

यह प्रथम पीढ़ी का वैक्यूम ट्यूब पर आधारित कम्प्यूटर है, जो 1950 में विकसित हुआ था।

पॉज 'की'

कम्प्यूटर को दिये गये निर्देश के परिणाम को रोकने के लिये इसका प्रयोग होता है।

प्राकृतिक भाषा (Natural Language)

कम्प्यूटर शब्दावली में प्राकृतिक भाषा का अर्थ उन भाषाओं से है, जो मानव द्वारा लिखी एवं बोली जाती है, जैसे—हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, तेलूग, कन्नड, जर्मन, बंगाली इत्यादि।

प्राथमिक स्मृति (Primary Memory)

प्राथमिक मैमोरी सी.पी.यू. का एक भाग होती है। इसमें लाखों की संख्या में बाइटें होती हैं, जिनमें कोई डाटा या प्रोग्राम थोड़े समय के लिये संग्रहीत किया जाता है। प्रोग्राम पूरा हो जाने पर उसे तथा उससे सम्बन्धित डाटा को हटा दिया जाता है।

प्राइवेट लाइन (Private Line)

प्राइवेट लाइन से तात्पर्य उस चैनल से है जिसका प्रयोग केवल एक प्रयोगकर्ता द्वारा होता है।

प्राम्प्ट (Prompt)

कम्प्यूटर शब्दावली में प्राम्प्ट का अर्थ कर्सर या उस चिन्ह से है जो यह इंगित करता है कि कम्प्यूटर प्राम्प्ट वाली जगह पर अनुदेश लेने या कार्य करने के लिये तैयार है।

पुश (Push)

डेटा को स्मृति की उच्च्च स्थिति में रखने की प्रक्रिया को पुश कहा जाता है।

पुल डाउन मीनू (Pull Down Menu)

वह मीनू सिस्टम जो माउस की सहायता से क्रियान्वित होता है। इस प्रक्रिया

में जब माउस वहाँ पहुँचता है तो मीनू अपने आप दिखाई देने लग जाता है।

पीढ़ियाँ (Generation)

जब से कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक के रूप में विद्युतीय या विद्युत संचालित सामग्री का उपयोग किया जाने लगा तभी से कम्प्यूटर की पीढ़ियों की शुरुआत हुई है। कम्प्यूटर में पीढ़ियों की शुरुआत 1946 के बाद होती है।

पी.सी.-एक्स टी (PC-XT)

यह पर्सनल कम्प्यूटर का परिवर्द्धित एवं परिष्कृत रूप है। यहाँ पर एक्स टी से तात्पर्य विस्तारित तकनीक (Extended Technology) से है। यह 80 186 चिप पर आधारित एकल प्रयोक्ता मशीन है।

पी.सी.-एटी (PC-AT)

यह भी पर्सनल कम्प्यूटर का परिवर्द्धित एवं परिष्कृत रूप है तथा एटी से तात्पर्य परिवर्द्धित तकनीक (Advanced Technology) से है। यह 80 286 चिप आधारित बहुल प्रयोक्ता मशीन है।

पी-कोड (P-Code)

कम्पाइलर के निर्माण में प्रयोग किये जाने वाले कोड को पी-कोड कहा जाता है।

पी.सी.-एटी-386 (PC-AT 386)

यह 80 386 चिप पर आधारित बहुल प्रयोक्ता मशीन है। यह कार्य करने के लिये यूनिक्स या जैनिक्स जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग करते हैं।

पी.सी.-एटी 486 (PC-AT 486)

यह 80 486 चिप पर आधारित बहुल प्रयोक्ता मशीन है। यह कार्य करने के लिये यूनिक्स या जैनिम्स जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग करते हैं।

पी.जी.डी.सी.ए. (PGDCA)

इसका पूरा नाम "Post Graduate Diploma in Computer Application" है, जो एक कम्प्यूटर का पाठ्यक्रम है।

पीका (Pica)

यह अक्षरों के नाम की एक इकाई होती है।

पीको कम्प्यूटर (Pico Computer)

पीको कम्प्यूटर से तात्पर्य ऐसे कम्प्यूटर से है, जो डाटा प्रक्रिया को पीको सैकेण्ड में पूरी करती है। पीको सैकण्ड से तात्पर्य 10^{-12} है।

पीका (Pica)

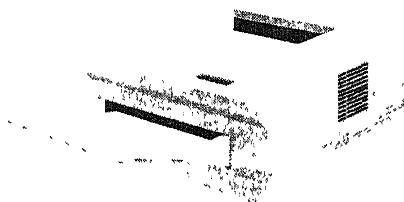
यह अक्षरों के नाम की एक इकाई होती है।

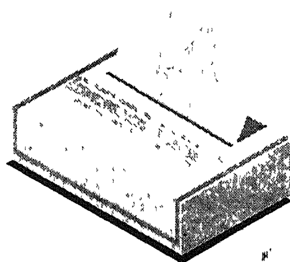
पीओपी

आईएसपी मेलमर्बर से आए मैसेज को सुधारने वाला प्रोटोकाल है।

प्रिन्टर (Printer)

प्रिन्टर एक ऐसा उपकरण है जिसकी सहायता से कम्प्यूटर में उपलब्ध इच्छित सूचना को कागज पर मुद्रित या प्रिन्टेड किया जा सकता है। यह कम्प्यूटर में जुड़ा रहता है तथा प्रोग्राम या आउटपुट मुद्रित कर देता है।





पिक्चर ग्राफ (Picture Graph)

वह ग्राफ जिसमें लाइनों के स्थान पर चित्रों का प्रयोग किया गया है।

प्रिन्ट स्क्रीन 'की'

स्क्रीन पर जो आ रहा है, उसे प्रिन्टर द्वारा प्रिन्ट करने के लिये इस 'की' का प्रयोग होता है।

पिक्चर पावर (Picture Power)

यह एक सॉफ्टवेयर है, जो डाटा बेस में फोटोग्राफ तैयार करता है।

पिक्चर ट्यूब (Picture Tuble)

यह कैथोड़ रे ट्यूब है, जिसका उपयोग टेलीविजन पिक्चर ट्यूब के रूप में किया जाता है।

प्रिंट हेड (Print Head)

प्रिंट हैड प्रिंटर का वह भाग होता है जिसकंी सहायता से प्रिंटर प्रिंटिंग का कार्य पूरा करता है।

पिक्चर ग्राफ (Picture Graph)

वह ग्राफ जिसमें लाइनों के स्थान पर चित्रों का प्रयोग किया गया है।

प्रिंट चार्ट (Print Chart)

प्रिंट चार्ट से यहाँ तात्पर्य प्रिंटर की क्षमता दर्शाने वाले ग्राफ से है।

प्रिंट आउट (Print Out)

प्रिंट आउट से तात्पर्य कम्प्यूटर के आउट पुट प्रिंटर की सहायता से किसी भी कागज़ पर सूचना को छापना ही प्रिंट आउट कहलाता है।

पेंटियम (Pentium)

पेंटियम 586 चिप पर आधारित बहुल प्रयोक्ता वातावरण में कार्य करने वाला माइक्रो कम्प्यूटर है। तकनीकी कारणों में इसका नाम पर्सनल कम्प्यूटर 586 न रखकर पेंटियम रखा गया है।

पेपर टेप रीडर (Paper Tape Reader)

पेपर टेप आधा इंच की चौथाई के कागज का एक लम्बा फीता होता है ज़िस पर गोल छिद्रों के रूप में डाटा पंच किये जाते हैं। इस टेप को पढ़ने का कार्य पेपर टेप रीडर नामक मशीन द्वारा किया जाता है।

पेज डिस्क्रिप्शन लैंग्वेज (Page Description Language)

मुद्रक या प्रिन्टर के बिम्ब विधान (Maging) को नियंत्रित करते हैं। इनके द्वारा नियंत्रित लेजर प्रिन्टर से अत्यन्त उत्तम मुद्रण सुनिश्चित होता है।

पेज ले-आउट पैकेज (Page Lay-out Package)

इसका कार्य पृष्ठ की बनावट, टाइप का आकार, फान्ट का रूप, कालमों की संख्या, पैराग्राफों तथा पंक्तियों के बीच की दूरी, ग्राफ, चित्र, चार्ट को अपनी सुविधा तथा इच्छानुसार प्रस्तुत करना है।

पेज (Page)

पेज से तात्पर्य मॉनिटर पर प्रदर्शित फुलस्क्रीन डाटा से है।

पेजमेकर (Pagemaker)

यह डी.टी.पी. सॉफ्टवेयर है।

पेज प्रिन्टर (Page Printer)

पेज प्रिन्टर की सहायता से पूरे पृष्ठ को एक साथ मुद्रित किया जा सकता है।

पेज इन (Page In)

यह वह प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत प्रोग्राम डिस्क से मिलकर रेम (RAM) में जाते हैं।

पेज आउट (Page Out)

इस प्रक्रिया में से रेम (RAM) में से डाटा या प्रोग्राम फ्लोपी या हार्डडिस्क में जाता है।

पेज स्कीप (Page Skip)

प्रिंटर की सहायता से एक पेज को खाली छोड़कर प्रिंटिंग करने की प्रक्रिया को पेज स्कीप कहा जाता है।

पेपर टेप (Paper Tape)

यह आँकड़ों को संग्रहीत करने का एक प्रारम्भिक उपकरण है। यह टेप कॉलमों में विभाजित रहता है तथा प्रत्येक कॉलम एक करेक्टर का संग्रह करता था।

पैकेज (Package)

पैकेज से तात्पर्य प्रोग्राम और प्रोग्रामों के संग्रहों से है।

पैकिट (Packet)

यह आँकड़ों के शोर्ट, फिक्शड्, लैन्थ ब्लोक (Short, Fixed, Length Block) हैं, जिनका उपयोग ट्रान्समिशन के लिये किया जाता है।

पैकेट सूचना (Packet Information)

यह सूचना को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने का कार्य करता है।

पैकेट स्विचिंग (Packet Switching)

यह लम्बी दूरी के लिये डाटा भेजने का कम खर्चीला रास्ता है।

पैरिटी बिट (Parity Bit)

कभी-कभी कम्प्यूटर की स्मृति में संग्रहीत किये गये आँकड़ों को वहाँ से हटाकर किसी चुम्बकीय साधनों में संग्रहीत किये जाते हैं, जिससे कुछ गलतियाँ हो सकती हैं। ऐसी गलतियों को पकड़ने के लिये कोड के साथ एक अतिरिक्त बिट जोड़ते हैं तथा इस अतिरिक्त बिट को पैरिटि बिट कहा जाता है।

पैरिटी (Parity)

यह सूचना हस्तान्तरण करते समय गलती पकड़ने वाला एक कोड है।

पैरेलल कम्प्यूटर (Parallel Computer)

वह कम्प्यूटर जिसके डेटा की प्रोसेसिंग उसमें जुड़े अन्य कम्प्यूटर द्वारा की जा सकती है।

प्राइमेरी रंग (Primary Colors)

जिन रंगों का उपयोग कम्प्यूटर का मॉनीटर करता है उन्हें प्राइमेरी रंग कहा जाता है।

प्रेस (Press)

यहाँ पर प्रेस से तात्पर्य कम्प्यूटर के की-बोर्ड की किसी भी की (Key) या माउस के बटन को दबाने से है।

प्रोटोकोल (Protocol)

यह नियमों और विधियों का एक ऐसा समूह है, जिसके द्वारा किसी संचार प्रणाली में डेटा संचार को नियमित और नियंत्रित किया जाता है।

प्रोग्राम (Programme)

कम्प्यूटर को कार्य करने के लिये छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा अनुदेश देने पड़ते हैं। अनुदेशों के समूह को प्रोग्राम कहते हैं, अर्थात् एक प्रोग्राम में अनेक अनुदेश होते हैं।

प्रोसेस कन्ट्रोल कम्प्यूटर (Process Control Computer)

प्रोसेस कन्ट्रोल सिस्टम के लिए काम में लिये जाने वाले कम्प्यूटर को प्रोसेस कन्ट्रोल कम्प्यूटर कहा जाता है।

प्रोसेसर (Processor)

यह किसी भी कम्प्यूटर प्रणाली का केन्द्रीय भाग है।

प्रोग्राम कोडिंग (Program Coding)

एक प्रोग्रामिंग भाषा में लिखे गये प्रोग्रामों को प्रोग्राम कोडिंग कहा जाता है।

पोस्टमास्टर

आईएसपी कम्पनी का ई-मेल प्रभारी अधिकारी होता है।

प्रोटेक्ट (Protect)

कम्प्यूटर सोफ्टवेयर के अनाधिकृत प्रयोग को रोकने की प्रक्रिया को प्रोटेक्ट कहा जाता है।

प्रोटोकाल (Protocol)

प्रोटोकाल नियमों से सम्बन्धित है तथा इन नियमों की सहायता से दो कम्प्यूटरों के मध्य आपस में डेटा स्थानान्तरण आसानी से किया जा सकता है।

प्रोग्रामेबिल रीड ऑनली मैमोरी (Programmable Read Only Memory)

संक्षेप में इसे प्रोम (PROM) कहा जाता है। यह मुख्य या प्राथमिक मैमोरी का वह भाग है, जो रीड ऑनली मैमोरो जैसा ही होता है, परन्तु शुरू में बिल्कुल खाली होती है। इस प्रकार की मैमोरी में स्थाई सूचनायें लिखी गई हैं, बाद में इसे बदल नहीं सकते हैं, केवल इसे पढ़ा ही जा सकता है।

प्रोग्रामिंग भाषा अनुवादक (Programming Language Translators)

यह ऐसे प्रोग्राम हैं, जो हमारे द्वारा लिखे गये प्रोग्रामों को कम्प्यूटर की भाषा में परिवर्तित कर देता है, ताकि कम्प्यूटर उसे समझकर उसके अनुसार कार्य कर सके। असेम्बलर, कम्पाइलर और इन्टर प्रिन्टर इत्यादि इस श्रेणी में आते हैं।

प्रोग्रामर (Programmer)

जो सिस्टम एनालिस्ट द्वारा बताये गये विवरण के अनुसार प्रोग्राम लिखता है और उन्हें चैक करता है, उसे प्रोग्रामर कहा जाता है।

प्रोग्रामिंग भाषायें (Programming Languages)

कम्प्यूटर के लिये प्रोग्राम ऐसी भाषा में लिखा जाता है, जिसको कम्प्यूटर समझ सके, जिन भाषाओं में प्रोग्राम लिखे जाते हैं, उन्हें प्रोग्रामिंग भाषायें कहा जाता है। प्रोग्रामिंग भाषाओं को निम्नलिखित दो भागों में विभाजित किया गया है—

(1) निम्न स्तरीय भाषायें

(2) उच्च स्तरीय भाषायें

प्रोसेस कन्ट्रोल कम्प्यूटर (Process Control Computer)

इस प्रकार के कम्प्यूटरों का निर्माण लगातार कई वर्षों तक कार्य करते रहने के लिये किया गया था तथा इसके सिस्टम में प्रोसेस कन्ट्रोल सिस्टम का उपयोग किया गया था।

प्रोग्राम स्टेक (Program Stack)

कम्प्यूटर मैमोरी का वह भाग जहाँ आंकड़ों को अस्थायी रूप से रखा जा सकता है, उसे प्रोग्राम स्टेक कहा जाता है।

प्रोग्राम टेस्टिंग (Program Testing)

कम्प्यूटर में प्रोग्राम का प्रयोग करने से पूर्व उसकी जाँच प्रक्रिया को प्रोग्राम टेस्टिंग कहा जाता है।

प्रोसेसिंग सिम्बल (Processing Symbole)

इसका प्रयोग फलोचार्ट के निर्माण में चिह्नों के लिये किया जाता है।

प्रोग्राम चैनिंग (Program Chaining)

कई प्रोग्राम को आपस में जोड़ने की प्रक्रिया को चैनिंग (Chaining) कहा जाता है।

प्रोग्राम कोडिंग (Program Coding)

प्रोग्राम कोडिंग से तात्पर्य किसी प्रोग्रामिंग भाषा में लिखे गये निर्देशों से है।

प्रोग्राम फाइल (Program File)

प्रोग्राम फाइल से तात्पर्य उस फाइल से है जिसमें निर्देश लिखे जाते हैं।

प्रोग्राम रख-रखाव (Program Maintenance)

प्रोग्राम रख-रखाव से तात्पर्य प्रोग्राम की गलतियों को सुधारने से है।

प्रोसेस (Process)

प्रोसेस से तात्पर्य अर्थहीन आंकड़ों को अर्थपूर्ण आंकड़ों में परिवर्तित करने को प्रोसेस कहा जाता है।

प्रोसेसिंग तकनीक (Processing Techniques)

संचालन प्रणाली का प्रोसेसिंग तकनीकों के साथ सम्बन्ध है। प्रत्येक संचालन प्रणाली हर संसाधन तकनीक के लिये उपयोग में नहीं लाई जा सकती है। कम्प्यूटर में तीन प्रकार की संसाधन तकनीकों का प्रयोग होता है—

(1) बैच संसाधन तकनीक

(2) समय माध्यों तकनीक

(3) रियल टाइप तकनीक

पोर्टेबल प्रिन्टर (Portable Printer)

यह प्रिन्टर ब्रीफकेस में या लैप-टॉप केस में समा सकता है। यह बिजली भी कम इस्तेमाल करता है।

पोप (Pop)

पोप से तात्पर्य किसी भी प्रोग्राम से आंकड़ों को देखने से है।

पोर्ट (Port)

यह कम्प्यूटर का वह भाग है जहाँ पर उसमें सहायक उपकरणों को जोड़ा जाता है।

पोर्टेबल प्रोग्राम (Protable Program)

इस प्रकार के सॉफ्टवेयर का प्रयोग पोर्टेबल कम्प्यूटरों में किया जाता है।

पोइंट (Point)

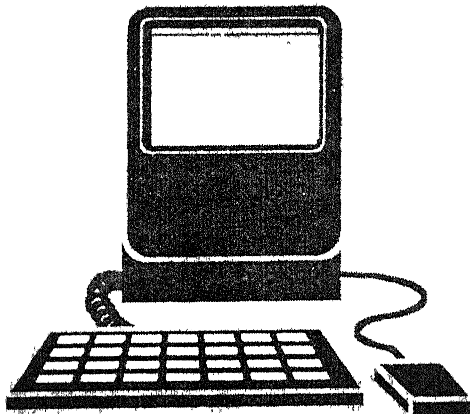
वह किसी इमेज पर फोटो की सबसे छोटी इकाई होती है।

पोइंटर (Pointer)

कम्प्यूटर में प्रयोग किये जाने वाले माउस के पर्सर को पोइंटर कहा जाता है।

पंचम पीढ़ी के कम्प्यूटर (Computer of Fifth Generation)

पंचम पीढ़ी के कम्प्यूटर की कल्पना एक ऐसी मशीन के रूप में की गई जिसमें कृत्रिम मेधा (Artificial Intellegence) हो, बुद्धि तथा विवेक में लगभग मानव जैसा हो, जिसमें स्वयं निर्णय लेने की क्षमता हो तथा जो प्राकृतिक रूप से निवेश ले सके।



फ

फस्ट जनरेशन कम्प्यूटर (First Generation Computers)

इन कम्प्यूटरों की शुरुआत 1940 में हुई तथा इस प्रकार के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक के रूप में वैक्यूम ट्यूब का उपयोग किया गया था। इस श्रेणी के उदाहरण निम्न हैं—एडसैम, एडवैक, एनीएक इत्यादि।

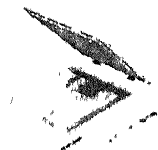
फर्मवेयर (Firmware)

फर्मवेयर उन प्रोग्रामों को कहा जाता है, जो कम्प्यूटर में पहले से बने होते हैं और जिनकी आवश्यकता बार-बार पड़ती है। ये प्रोग्राम कम्प्यूटर निर्माता फर्म या कम्पनी द्वारा दिये जाते हैं, इसलिये इन्हें फार्मवेयर कहा जाता है।

फ्लोट (Floot)

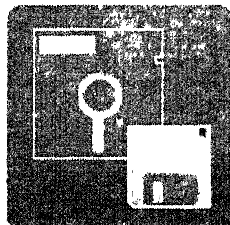
किसी कार्य को पूरा करने में लगा समय फ्लोट कहलाता है।

फ्लैट बैड स्कैनर (Flat Bed Scaner)



फ्लैट बैड स्कैनर रंगीन और श्वेत-श्याम द्रोनों प्रकार के चित्रों के लिये उपयुक्त होते हैं। पुराने, दुर्लभ, चित्रों को नये सिरे से संरक्षित करने के लिहाज से फ्लैट बैड स्कैनर सर्वाधिक उपयोगी है। इसके अलावा इस स्कैनर से दस्तावेजों की प्रतिलिपि तैयार करने का काम भी अधिक कुशलता के साथ किया जाता है।

फ्लॉपी डिस्क (Floppy Disk)



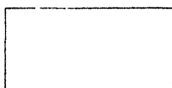
यह प्लास्टिक की एक गोल प्लेट होती है, जो ग्रामोफोन के छोटे रिकार्ड की तरह होती है। यह प्लेट पर मैग्नेटिक ऑक्साइड नामक चुम्बकीय पदार्थ से लेपित रहती है। इस प्लेट के दोनों ओर

चुम्बकीय चिन्हों द्वारा आँकड़े लिखे जा सकते हैं। इस फ्लॉपी के दोनों सतहों पर कुछ वृत्ताकार पथ होते हैं, जिन्हें ट्रेक या पडगुडिया कहा जाता है। एक फ्लॉपी में 48 या 96 ट्रेक होते हैं। फ्लॉपी के एक ट्रेक पर प्राप्त 26 सैक्टर होते हैं।

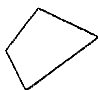
फ्लो चार्ट (Flow Chart)

फ्लो चार्ट से तात्पर्य किसी समस्या के समाधान के लिये किये गये प्रयासों का तार्किक कर्म में चित्रात्मक प्रस्तुतिकरण है। कोई भी कम्प्यूटर प्रोग्राम लिखने से पहले सम्बन्धित कार्य का फ्लो चार्ट बनाना पड़ता है। इस चित्रात्मक प्रस्तुति के लिये विभिन्न आकारों के चिन्हों का उपयोग किया जाता है, जो निम्नलिखित है—

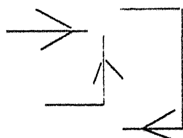

प्रारम्भ तथा समाप्ति के लिये


गणनाओं तथा एसाइनमेंट के लिये


इनपुट के लिये


निर्णय लेने तथा तुलना के लिये


आउटपुट के लिये


क्रम या प्रवाह के लिये

फारवर्ड

ई-मेल को दूसरे किसी नेट उपभोक्ता तक पहुँचाने का आदेश फारवर्ड कहलाता है।

फाल बैक (Fall Back)

फाल बैक प्रणाली का प्रयोग आपातकालीन अवस्था में बैकअप के लिये किया जाता है।

फादर फाइल (Father File)

डेटा प्रोसेसिंग के लिये डेटा के लिये उपयोग में ली जा रही वास्तविक फाइल को फादर फाइल कहा जाता है।

फाल्ट (Fault)

कम्प्यूटर में आने वली खराबी को फाल्ट कहा जाता है।

फाइल बैकअप (File Backup)

किसी भी फाइल की दूसरी प्रति तैयार करने को फाइल बैकअप कहा जाता है।

फाइल विस्तार (File Extension)

फाइल की विशेषता या जाति प्रदर्शित करने वाले अन्तिम तीन अक्षर फाइल विस्तार कहलाता है।

फाइल मैनेजर (File Manager)

फाइल मैनेजर वह प्रोग्राम है जिसकी सहायता से हम फाइलों को अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रयोग में ला सकते हैं।

फाइल आकार (File Size)

फाइल आकार से तात्पर्य यहाँ फाइल के आकार या साइज से है।

फाइल होम (File Home)

किसी भी फाइल की पहचान हेतु उसका रखा गया नाम फाइल होम कहलाता है।

फॉन्ट (Font)

अक्षरों के लिखने के प्रकार को कम्प्यूटर की भाषा में फोन्ट कहा जाता है।

फॉरमल भाषा (Formal Language)

यह वह प्रोग्रामिंग भाषा है जिसका उपयोग गणितीय कार्यों को करने हेतु किया जाता है।

फॉर्मेटिंग (Formating)

कम्प्यूटर को आँकड़ों के संग्रहण के लिये पथ-प्रदर्शक की आवश्यकता होती है तथा फॉर्मेटिंग इस पथ-प्रदर्शक का कार्य करता है।

फाइल व्यवस्था (File Organization)

प्रोसेसिंग के लिये आँकड़ों को फाइलों के रूप में सुरक्षित संग्रहीत किया जाता है तथा प्रत्येक फाइल में एक ही जैसे अनेक आँकड़ों का संग्रह होता है। इन फाइलों को कम्प्यूटर में किसी विशेष नाम से रखा जाता है, जिससे इनकी पहचान होती है।

फॉरट्रान (FORTRAN)

यह एक उच्चस्तरीय कम्प्यूटर की भाषा है, जिसका पूरा नाम "Formula Translater" है। इस भाषा का उपयोग गणित एवं वैज्ञानिक कार्यो के लिये किया जाता है। इस भाषा की सहायता से लम्बी गणनायें आसानी से की जा सकती हैं।

फाइल (File)

एक विशेष उद्देश्य के लिये संग्रहीत आँकड़ों को एक फाइल के रूप में रखा जाता है।

फाइल नाम (File Name)

एक फ्राइल की पहचान के लिये वर्णक्रम अंकेक्षरों के एक मेट का उपयोग फाइल नाम के रूप में किया जाता है—

Prahlad

फाइल प्रिन्ट (File Print)

एक फाइल में संग्रहीत कन्टेन्ट की प्रतिलिप प्राप्त करने को फाइल प्रिन्ट कहा जाता है।

फॉर्मेटिंग (Formating)

कम्प्यूटर को आँकड़ों के संग्रहण के लिये पथ-प्रदर्शक की आवश्यकता होती है। फॉर्मेटिंग इस पथ-प्रदर्शक का कार्य करता है। यह डॉस को डिस्क पर लेखन में सहायता प्रदान करता है। आँकड़ों को फॉर्मेट हो चुकी डिस्क पर ही कॉपी कर सकते हैं, और फार्मेट रहित रिक्त डिस्क पर नहीं। जब डिस्क को फार्मेट करते हैं, तब हमारे पास यह विकल्प होता है कि डॉस

प्रोग्राम की नकल भी डिस्क में सम्मिलित करें अथवा नहीं। यदि हम डॉस प्रोग्राम की नकल डिस्क में सम्मिलित करते हैं, तो इस डिस्क का प्रयोग कम्प्यूटर में स्वोत्थान के लिये कर सकते हैं।

फॉर्मेट इफेक्टर (Format Effector)

यह नियन्त्रण अंकाक्षर है तथा इसका उपयोग डाटा प्रिंटिंग, रिकोर्डिग के फॉर्मेट के एडजेसमेन्ट के लिये किया जाता है।

फॉरट्रॉन फार्मूला ट्रान्सलेशन (Fortran Formula Translation)

यह एक प्रोग्रामिंग भाषा है, जिसका उपयोग वैज्ञानिक कार्यों में किया जाता है।

फीड (Feed)

कम्प्यूटर में डेटा इनपुट करवाने को फीड कहा जाता है।

फिल्ड (Field)

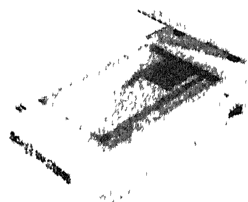
किसी भी फाइल के अन्दर निर्धारित वह स्थान जहाँ पर सूचना लिखी जाती है फिल्ड कहलाती है।

फिल्टर्स

उपभोक्ता के निर्देशानुसार, आई ई-मेल संदेश को छाँटकर खुद-ब-खुद हटा देने की प्रक्रिया फिल्टर्स कहलाती है।

फिल्म स्कैनर (Film Scaner)

स्लाइड और निगेटिव स्केन करने का कार्य मुख्यतया फिल्म स्कैनर से किया जाता है। स्लाइड और नेगेटिव में अपेक्षित चित्र प्रभाव और उत्कृष्ट रंग संयोजन नजर आता है। फिल्म स्कैनर में एक बार में एक ही निगेटिव अथवा स्लाइड को स्कैन किया जा सकता है।



फुल फ्रेम (Full Frame)

वह प्रक्रिया जिसके दौरान मॉनीटर पर सम्पूर्ण इमेज को देखा जा सकता है।

फूट प्रिंट (Foot Print)

फूट प्रिंट वह स्थान है जिसकी आवश्यकता कम्प्यूटर उपकरण लगाने में होती है।

फेड वायर (Fed Wire)

फेडरल रिजर्व वायर सिस्टम अमेरिका का सबसे बड़ा निधि अन्तरण नेटवर्क है। यह लेने-देने के 60 प्रतिशत कार्य को कर सकता है।

फेस मेकर (Face Maker)

यह सॉफ्टवेयर का भाग है, जिसका उपयोग (Commodore-64) गृह कम्प्यूटर (Home Computer) में किया जाता है। यह बच्चों के लिये उपयोगी सॉफ्टवेयर है।

फेशिमिली टेलीग्राफ (Facsimile Telegraph)

यह टेलीग्राफ प्रणाली है, जिसका उपयोग पिक्चर, मैप, डाइग्राम के ट्रान्समिशन के लिये किया जाता है।

फेवरेट

वेब ब्राउनर की वह सुविधा जिसमें आपके विजिटिंग साइटों को संग्रहीत करें।

फ्रेम्स

वेब पेज को एक निश्चित क्षेत्र के अन्दर फ्रेम करने की प्रक्रिया को फ्रेम्स कहते हैं।

फेस (Face)

फेस एक ऐसा इलेक्ट्रोनिक अंग या पार्ट है जो चुम्बकीय क्षेत्र को कन्ट्रोल करता है।

फेसीमिल (Facsimile)

फैक्स की सहायता से किसी भी प्रलेख का ट्रांसमिशन (Transmission) पेसीमिल कहलाता है।

फैक्स (FAX)

फैक्स वह उपकरण है जिसकी सहायता से किसी भी प्रलेख को इलेक्ट्रोनिक संकेतों में बदलकर टेलीफोन लाइन के द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से शीघ्रतापूर्वक भेजा जा सकता है।

फैन इन (Fan In)

किसी भी डिजिटल उपकरण में जाने वाले संकेतों की संख्या को फैन इन कहा जाता है।

फ्रेम (Frame)

किसी भी प्रकार की विडियो इमेज का एक विस्तार चित्र फ्रेम कहलाता है।

फैलेक्सो राइटर (Flexo Writer)

वह टाइपराइटर जिसमें पेपर टेप का प्रयोग किया जाता है फैलेक्सो राइटर कहा जाता है।

फोर्थ (FORTH)

यह उच्चस्तरीय कम्प्यूटर की प्रोग्रामिंग भाषा है। इस भाषा का उपयोग बहुत कम कम्प्यूटरों में किया जाता है।

फोकस (Focus)

यह विश्व की सबसे बड़ी सैलिंग पर्जट DBMS है, जिसमें सूचना प्रबन्ध से सम्बन्धित नई अवधारणा है।

फोरग्राउण्ड प्रोसेसिंग (Foreground Processing)

इस प्रोग्राम की आवश्यकता फोरग्राउण्ड प्रोसेसिंग के लिये होती है।

फोर्थ (Forth)

यह प्रोग्राभिंग भाषा है। यह जोब के लिये अच्छी भाषा है।

फोर्थ जनरेशन (Forth Generation)

इस श्रेणी में कम्प्यूटरों में अति बृहद् श्रेणी संघटन (Very Large Scale Integration) तकनीक का उपयोग किया जाता है।

फोर्थ जनरेशन कम्प्यूटर (Forth Generation Computer)

यह सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण नई प्रोग्रामिंग भाषा है।

फोक्स बेस (Fox Base)

यह डाटा बेस मैनेजमेंट सिस्टम है। यह डी-बेस-111 (d-Base-111) के समान है।

फंक्शन 'की' (Function 'Key')

यह की-बोर्ड के ऊपरी भाग में F_1 से F_{12} तक होती है। यह 'की' विभिन्न प्रकार के कार्य सम्पादित करती है।

ब

बग (Bug)

बग शब्द का प्रयोग यह बताने के लिये किया जाता है कि कम्प्यूटर हार्डवेयर भलीभाँति कार्य नहीं कर रहा है, जैसे—कम्प्यूटर प्रणाली में कोई दोष उपस्थित हो चुका है।

बफर (Buffer)

बफर क्षेत्र से तात्पर्य ऐसे क्षेत्र से है जो सूचना या डेटा को अस्थायी रूप से रखा जा सकता है तथा यह बहुत उपयोगी है। उदाहरण के तौर पर कम्प्यूटर में मुद्रित करने का अनुदेश देते ही सारी सूचना को, जिसे हम मुद्रित करना चाहते हैं, तत्क्षण कम्प्यूटर प्रिन्टर को संप्रेषित कर देता है। परन्तु प्रिन्टर सारी सूचना तत्क्षण नहीं छाप सकता। वह शब्द-शब्द, लाइन-लाइन या पृष्ठ-पृष्ठ करके ही सूचना छाप सकता है। चूँकि कम्प्यूटर का केन्द्रीय संसाधन अत्यन्त तेजगति से कार्य करता है। अतः वह सूचना को छपने के लिये तुरन्त प्रेषित कर देता है। परन्तु प्रिन्टर अपेक्षाकृत धीमी गति से कार्य करता है। जब तक प्रिन्टर सारी प्रेषित सूचना छाप ने दे तब तक वह सूचना बफर क्षेत्र में रखी रहती है। इसका लाभ यह है कि कम्प्यूटर का संसाधक एकंक इस बीच अन्य कार्य कर सकता है।

बफर रजिस्टर (Buffer Registor)

इस प्रकार के रजिस्टर का उपयोग सूचना के अस्थायी संग्रह के लिये किया जाता है। इसका उपयोग कम्प्यूटर में सूचना के अस्थायी संग्रह के लिये किया जाता है।

बस बार (Bus Bar)

यह कम्प्यूटर प्रणाली के विभिन्न भागों के बीच इलेक्ट्रानिक संचार चैनल है।

बस नेटवर्क (Bus Networke)

इस प्रकार के नेटवर्क में अनेक उपभोक्ता नोड अपने केन्द्रीय नोड से एक केन्द्रीय संचार राजपथ से जुड़े होते हैं। इस राजपथ को बस भी कहते हैं। इसमें सारे उपभोक्ता नोड बस के माध्यम से केन्द्रीय नोड से सीधा जुड़े होते हैं।

बार प्रिन्टर (Bar Printer)

इस प्रकार की प्रिन्टर की सहायता से लाइन आदि का प्रिन्ट आसानी से किया जा सकता है।

बाइनरी अंक गणित (Binary Arithmetic)

इस प्रकार के अंक प्रणाली में 0 और 1 अंक को ही शामिल किया जाता है। जोड़ना, घटाना, गुणा करना आदि सभी क्रियायें बाइनरी में आसानी से की जा सकती हैं।

बाइनरी फाइल (Binary File)

इसमें मशीन कोड में फाइल प्रोग्राम को रखा जाता है।

बाइनरी नोटेशन (Binary Notation)

अंक प्रणाली को बेस-2 (Base-2) में लिखा जाता है।

बाइओस (Bios)

इसका पूरा नाम "Basic Input Output System" है।

ब्राउसिंग (Browsing)

कम्प्यूटर की सहायता से किसी भी फाइल को खोलकर देखने की प्रक्रिया को ब्राउसिंग कहा जाता है।

ब्राउजर (Browser)

वह प्रोग्राम है जो इंटरनेट प्रयोग करने वालों को वेबसाइट दिखाता है। किसी वेब साइट को दिखाने के लिये यह आवश्यक है। नेट स्केप नेवीगेटर एवं इंटरनेट एक्सप्लोरर सबसे लोकप्रिय ब्राउजर्स है।

बाइनेक (BINAC)

बाइनरी ऑटोमेटिक कम्प्यूटर का विकास जोन एकर्ट ने 1949 में किया था। यह वास्तव में दो अलग-अलग कम्प्यूटर होते हैं।

बारेल प्रिन्टर (Barrel Printer)

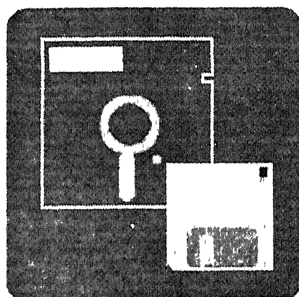
इस प्रकार के प्रिन्टर पर अक्षर उभरे रहते हैं। ड्रम तेजी से घूमता है और एक लाइन की छपाई के लिये एक चक्कर पूरा कर लेता है।

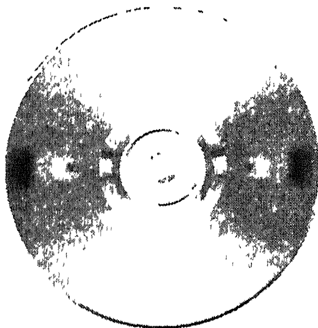
बाह्य भण्डारण माध्यम (External Storage Medium)

कम्प्यूटर की बाह्य भण्डारण माध्यम कम्प्यूटर के बाहर किसी उपकरण में होते हैं। कम्प्यूटर के बाहर स्थित होने से इसे बाह्य कहते हैं, चूँकि यह फ्लॉपी डिस्क, टेप, सीडी रोम इत्यादि कम्प्यूटर की बाह्य भण्डारण माध्यम के उदाहरण हैं।

बाहरी मैमोरी (External Memory)

इस मैमोरी को सहायक या सैकण्डरी मैमोरी भी कहा जाता है। कम्प्यूटर की मुख्य मैमोरी काफी मँहगी होती है, इसलिये बाहरी मैमोरी का उपयोग किया जाता है। इसकी कीमत कम एवं क्षमता अधिक होती है। बाहरी मैमोरी कुछ चुम्बकीय उपकरणों के रूप में होती है, जैसे—फ्लॉपी डिस्क, हार्ड डिस्क, चुम्बकीय टेप आदि।





ब्लाकिंग फैक्टर (Blocking Factor)

डिस्क, टेप आदि चुम्बकीय उपकरणों में किसी फाइल को अनेक ब्लाकों में बाँटकर संग्रहीत किया जाता है। प्रत्येक ब्लाक में कुछ निश्चित संख्या में रिकार्ड होते हैं, जिनमें से कोई स्थान खाली भी हो सकता है। किसी ब्लाक में रिकार्डों की अधिकतम संख्या को उस फाइल का ब्लाकिंग फैक्टर कहा जाता है।

बॉट

खुद-ब-खुद सर्च करने की सुविधा वाला प्रोग्राम बॉट कहलाता है।

बार चार्ट (Bar Chart)

यह एक प्रकार का ग्राफ है जिसका निर्माण कम्प्यूटर की सहायता से किया जा सकता है।

बार कोड प्रिंटर (Bar Code Printer)

बार कोड को जिस प्रिंटर की सहायता से प्रिंट किया जाता है उसे बार कोड प्रिंटर कहा जाता है।

बार कोड स्कैनर (Bar Code Scanner)

जिस उपकरण की सहायता से बार कोड को रीड किया जाता है उसे बार कोड स्कैनर कहा जाता है।

बाइट (Byte)

कम्प्यूटर ऑफ और ऑन की भाषा समझ सकता है, जिसका प्रतिनिधिकरण 0 और 1 करता है। 0 और 1 में से प्रत्येक एक-एक बिट है तथा आठ अंकों के एक बिट को एक बाइट (Byte) कहा जाता है।

बाल प्रिन्टर (Ball Printer)

यह एक प्रिन्टर है, जिसका हैड बाल टाइप पोइन्ट होता है।

बार कोड (Bar Code)

बाट कोड की सहायता से इच्छित सूचना को चुम्बकीय स्याही रेखाओं में कोडित किया जाता है। इन रेखाओं को इच्छित आकार में इच्छित स्थान पर मुद्रित कर दिया जाता है। इस सूचना को स्कैनर द्वारा पढ़ा जा सकता है। बैकों के क्रेडिट कार्ड सूचना, उपभोक्ता सामग्रियों के मूल्य तथा पुस्तकों के अन्तर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या आदि बार कोड रूप में देखने को मिल सकते हैं।

बार कोड रीडर (Bar Code Reader)

यह एक उपकरण है, जिसका उपयोग चुम्बकीय स्याही रेखाओं में कोडित सूचना को पढ़ा जाता है।

बाइंडिंग टाइम (Binding Time)

कम्फाइलर के द्वारा सूचनाओं को मशीनी भाषा में परिवर्तित करते समय जो समय लगता है उसे बाइंडिंग टाइम कहा जाता है।

बाइनरी अंक (Binary Digit)

कम्प्यूटर में पूरा कार्य बाइनरी या द्विआधारी संख्या द्वारा ही किया जाता है। यहाँ बाई का अर्थ दो अर्थात् 0 और 1 से है। इसे द्विआधारी प्रणाली भी कहा जाता है तथा समस्त कार्यों के लिये दो ही अंकों का प्रयोग किया जाता है वह 0 और 1 है।

बाइनरी कार्ड (Binary Card)

बाइनरी कार्ड से तात्पर्य एक मानक पंच कार्ड से है। इसमें 980 पंच स्थिति 80 कॉलम और 12 रॉज (Rows) में विभाजित रहती है।

बाइनरी कोडेड डेसीमल (Binary Coded Decimal)

यह कोडिंग सिस्टम बाइनरी अंक को दशमलव अंक में परिवर्तित कर देता है। इसको निम्न सारणी की सहायता से समझाया जा सकता है—

डेसीमल अंक	बाइनरी अंक
0	0000
1	0001
2	0010
3	0011
4	0100
5	0101
6	0110
7	0111
8	1000
9	1001

बाइनरी योग (Binry Addition)

जिस प्रकार दाशमिक प्रणाली में हासिल प्राप्त होते हैं, उसी प्रकार बाइनरी में भी शामिल से गणनायें की जाती हैं। दो बाइनरी संख्याओं को जोड़ने में हमें निम्नलिखित चार नियमों को ध्यान में रखना पड़ता है।

$$0+0 = 0$$
$$0+1 = 1$$
$$1+0 = 1$$
$$1+1 = 0$$

बाइनरी से अष्टमिक (Binary to Octal)

बाइनरी संख्या प्रणाली का आधार 2 होता है तथा अष्टमिक का आधार 8 होता है। इसलिये प्रत्येक अष्टमिक अंक को तीन बाइनरी अंकों में बदला जा सकता है।

डेसीमल अंक	बाइनरी अंक
0	0000
1	001
2	010
3	011
4	100
5	101
6	110
7	111

बाइनरी में षट्दाशमिक (Binary to Hexadecimal)

बाइनरी डाटा को संक्षेप में लिखने के लिये षट्दाशमिक प्रणाली सबसे आसान और सुविधाजनक है।

डेसीमल अंक	बाइनरी अंक
0	0000
1	0001
2	0010
3	0011
4	0100
5	0101
6	0110
7	0111
8	1000
9	1001
A	1010
B	1011
C	1100
D	1101
E	1110
F	1111

बाइनरी डिवाइस (Binary Device)

वह यंत्र जो द्विआधारी सिद्धान्त (Binary Principle) पर आधारित होता है बाइनरी डिवाइस कहलाता है।

बाइनरी फाइल (Binary File)

इस प्रकार की फाइल में सूचना बाइनरी कोड्स में लिखी जाती है।

बी (B)

यह हैक्साडेसीमल अंकन प्रणाली का 12वाँ अंक है। बी का प्रयोग कम्प्यूटर की यूनिट बाइट के लिये किया जाता है।

बी.बी.सी. माइक्रो (BBC Micro)

यह लाइट बिट 6502 आधारित होम कम्प्यूटर है। इसका निर्माण बी.बी.सी. (BBC) द्वारा किया गया।

बी.पी.एस. (BPS)

बी.पी.एस. से तात्पर्य बिट्स पर सैकण्ड है।

बी.बी.सी. (B.B.C.)

बी.बी.सी. का पूरा नाम ब्रिटिश ब्राउकास्टिंग कॉरपोरेशन **(British Broadcasting Corporation)** है।

बी.सी.एस. (B.C.S.)

इसका पूरा नाम ब्रिटिश कम्प्यूटर सोसाइटी (Britsh Computer Society) है। यह कम्प्यूटर व्यवसासियों की सोसाइटी है।

बी-डोस (B-DOS)

इसका पूरा नाम बेसिक डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम (Basic Disk Operating System) है। यह ऑपरेटिंग सिस्टम का भाग है।

बी.एल.ए.आई.एस.ई. (BLAISE)

यह यू.के. की ब्रिटिश लाइब्रेरी का पुस्तकालय तथा सूचना पुनर्प्राप्ति से सम्बन्धित सेवाओं का कम्प्यूटरीकृत रूप है। इसका पूरा नाम (British Labrary Automated Information Service) है।

बी.एल.सी.एम.पी. (BLCMP)

1977 से इस लिमिटेड कम्पनी के रूप में कार्य शुरू किया तथा इसका पूरा नाम (Berminghom Librarion Co-operative Mechanization Project) है। यह यू.के. की प्रथम कम्प्यूटरीकृत सहयोगी सूचीकरण सेवा है।

बी. ई. एम. ए. (BEMA)

इसका पूरा नाम "बिजनेस इक्यूपमेंट मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन" है। बड़े-बड़े कम्प्यूटर बनाने वाली कम्पनी कम्पनियों को इस नाम से सम्बोधित किया जाता है।

बी रोम (B Rom)

इसका पूरा नाम "बाइपोलर रीड ओनली मैमोरी (Bıpoler Read Only Memory)" है। इस प्रकार की स्मृति का प्रयोग बाइपोलर सेमी कन्डक्टर टूल की सहायता से किया जाता है।

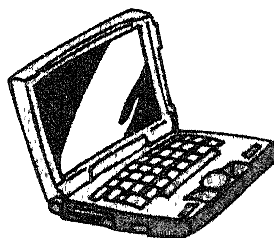
बीटेम (BTAM)

रिमोट डिवाइस के द्वारा सम्प्रेषण का प्रयोग करके आँकड़े लिखने या पढ़ने के लिये एक उपकरण का प्रयोग किया जाता है तथा इसका पूरा नाम "बेसिक टेलीकम्यूनिकेशन ऐसेस मैथड" है।

बी.आई.सी.ए.एस. (BICAS)

इसका पूरा नाम बिजनिस इन्टरनेशनल कन्ट्री एसेसमेन्ट सर्विस (Business International Country Assessment Service) है।

ब्रीफकेश कम्प्यूटर (Briefcase Computer)



यह कम्प्यूटर इतना छोटा होता है कि कार्य करने के पश्चात् इस प्रकार के कम्प्यूटर को आसानी से एक ब्रीफकेश में बन्द किया जा सकता है।

बिजनेस एप्पलीकेशन (Business Application)

इस प्रकार के प्रोग्रामों का उपयोग व्यवसायिक क्षेत्रों में ही किया जाता है।

बिट मैप (Bit Map)

यह एक प्रकार की ग्राफिक फाइल होती है।

बिट्सनेट (BITSNET)

इस नेटवर्क की स्थापना भारत सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा दी गई है। यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित है। इसे वर्तमान में 10

Micro Vax-1 Computers से सम्बद्ध किया गया है, जो वितरित सूचना प्रणाली का एक मुख्य स्वरूप है।

बिजनेस प्रोग्रामिंग (Business Programming)

इस प्रकार के प्रोग्रामिंग का निर्माण व्यवसायिक प्रयोग के लिये किया जाता है।

बिट रेट (Bit Rate)

अँकड़े स्थानान्तरण के समय जिस गति से बिट एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचता है उसे ही बिट रेट कहा जाता है।

बिट (Bit)

बिट शब्द बाइनरी डिजिट का संक्षिप्त रूप है। यहाँ पर बिट का निर्माण बाइनरी (Binary) शब्द में दो प्रारम्भिक अक्षर Bi तथा डिजिट (Digit) शब्द के अन्तिम अक्षर 't' से हुआ है। यहाँ पर बाई का तात्पर्य दो और डिजिट का अर्थ अंक है। बाइनरी प्रणाली दो अंकों पर आधारित होती है तथा वह दो अंक 0 और 1 है।

बुफरड कम्प्यूटर (Buffered Computer)

बुफरड कम्प्यूटर ऐसे कम्प्यूटर होते हैं जिनमें इनपुट और आउटपुट दोनों प्रक्रियायें एक साथ होती हैं।

ब्रुश (Brush)

इस प्रकार के उपकरण का प्रयोग ग्राफिक्स में रंगों का प्रयोग करने के लिये किया जाता है।

बुश (Bush)

बुश इण्डिया लिमिटेड माइक्रो प्रोसेट आधारित कम्प्यूटर प्रणाली और वाइड रेंज ऑफ कन्ज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडेक्ट की उत्पादक कम्पनी है।

बुकमार्क

वह प्रक्रिया जिससे आपकी पसंदीदा वेबसाइट एड्रेस बुक में सामने आए।

बुकेट (Bucket)

यह कम्प्यूटर स्मृति का वह स्थान होता है जो आँकड़ों के समूहों को संग्रहीत किया जाता है।

बूट (Bot)

कम्प्यूटर में आँकड़े संग्रहीत करने के लिये जिस टेप का प्रयोग करते हैं, उसके प्रारम्भ के स्थान को बूट कहा जाता है।

बूल जार्ज तथा बूल प्रणीत तर्क (Bole, George & Boolean Logic)

ब्रिटेन के गणितज्ञ तथा तर्कशास्त्री जिन्होंने अलजेब्रा का प्रतिपादन किया। बुलियन अलजेब्रा में दो सत्ताओं के बीच AND, OR, NOT आदि के मध्य में सम्बन्ध दर्शाया जाता है। इस तर्क तथा सम्बन्ध प्रणाली का कम्प्यूटर खोज में बड़ा महत्त्व है।

ब्लेज पास्कल (Blaise Pascal)

ये एक फ्रांसीसी गणितज्ञ थे, जिन्होंने 1947 में प्रथम यांत्रिक गणक का निर्माण पूरा किया। पास्कल ने इसका नाम अरिथमेटिक इंजन रखा।

बेवेज, चार्ल्स (Babbage, Charles)

यह ब्रिटिश गणितज्ञ 'डिफरेंस इंजन' तथा 'एनालिटिकल इंजन' नामक मशीनों की रूपरेखा बनाने के लिये प्रसिद्ध है। इसी रूपरेखा के आधार पर आज के कम्प्यूटरों का निर्माण हुआ।

बेसिक प्लस (BASIC Plus)

यह बेसिक भाषा का एनलाइजड वर्णन है।

बेसिक प्लस (Basic+)

यह बेसिक भाषा का शक्तिशाली वरजन है तथा इस भाषा की सहायता से तीव्रता के साथ डाटा प्रोसेस का कार्य किया जा सकता है।

बेसिक (Basic)

यह उच्चस्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा है तथा इसका पूरा नाम "Beginners All-Purpose Symbolie Instruction Code" है। इसका विकास छोटे छात्रों को आसानी से प्रोग्राम लिखने व सिखाने के लिये किया जाता है। यह बहुत शक्तिशाली भाषा है तथा इसका उपयोग वैज्ञानिक तथा व्यापारिक सभी कार्यो के लिये किया जाता है। इसे 1964 में जॉन जी. केमनी नामक अमरीकी प्रोफेसर ने बनाया था।

बेकअप कॉपी (Backup Copy)

डेटा फाइल की प्रतियों को ही बेकअप कॉपी कहा जाता है।

ब्रेक (Break)

कम्प्यूटर के द्वारा की जा रही प्रोसेसिंग को बीच में रोकने की प्रक्रिया को ब्रेक कहा जाता है।

बैच प्रोसेसिंग (Batch Processing)

शुरू के कम्प्यूटरों से कराया जाने वाला कोई कार्य बैच कहलाता था क्योंकि उसे एक बैच या बंडल के रूप में कम्प्यूटर को दिया जाता था। एक बैच में पूरा काम कई छोटे-छोटे चरणों में बँटा होता है। बैच प्रोसेसिंग की सबसे बड़ी कमी यह है कि एक बार में केवल एक प्रोग्राम चलाया जा सकता है और जब एक प्रोग्राम समाप्त नहीं होता, तब तक कम्प्यूटर पूरी तरह उसी के अधिकार में रहता है।

बैक-अप (Back-up)

यहाँ बैक-अप का अर्थ डेटा, फाइल या रिकार्ड की कॉपी से है। बैक-अप रखने का अर्थ है कि कम्प्यूटर में हमने जो काम किया, उसकी एक-दो प्रतियाँ रख लेना। कई कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में सामान्यतया अपने अन्दर किये गये काम की बैक-अप फाइल स्वयमेव तैयार कर लेना का प्रावधान होता है। कम्प्यूटर में वायरस या अन्य किसी कारणों से बैक-अप फाइल नष्ट हो जाते तो इसे पुनः बनाना सम्भव नहीं। इस समस्या से निपटने हेतु कम्प्यूटर फाइलों का बैक-अप फ्लॉपी डिस्क भी रखना आवश्यक है।

बैक स्पेस 'की' (Back Space 'K')

इसमें प्रयोग से टाइप किये हुए अक्षर को मिटाया जा सकता है। दबाने पर यह बायीं ओर पीछे आ जाता है।

बैंड प्रिन्टर (Band Printer)

इस प्रकार के प्रिन्टर में चैन के स्थान पर बैंड का प्रयोग किया जाता है।

बैक-अप प्रणाली (Back-up Procedures)

जब भी मूल कम्प्यूटर सिस्टम किसी कारणवश ठप्प हो जाता है तो बैक-अप कम्प्यूटर सिस्टम पूरी क्षमता से कार्य करने लगता है। इसके लिये कम्प्यूटर के सभी सिस्टम तथा एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर तथा डाटा भावति सप्ताह या

प्रतिमाह टेप आदि पर बैक-अप लेना पड़ता है। मूल कम्प्यूटर खराब हो जाने पर यह बैक-अप सभी प्रोग्राम, डाटा आदि नये कम्प्यूटर पर लोड करने में काम आता है और कम्प्यूटर काम करना शुरू कर देता है।

बैक-अप (Back-up)

बैक-अप से तात्पर्य ऐसी प्रणाली से है, जिसमें संकट के समय डाटा प्रोसेसिंग के कार्य के लिये अतिरिक्त साधनों का उपयोग किया जाता है।

बैंक नेट (Bank Net)

बैंक नेट बैंकिंग नेटवर्क का संक्षिप्त रूप है। यह भारत में अपनी तरह का पहला और अभी तक अकेला नेटवर्क है जो बैंकिंग उद्योग में संचार प्रणाली में भारी सुधार के उद्देश्य से बनाया गया है।

बैक ग्राउण्ड आवाज (Background Noise)

ऑफसिकल करैक्टर रीडर उपकरणों द्वारा कार्य करते समय जो आवाज पैदा की जाती है उसे ही बैकग्राउण्ड आवाज कहा जाता है।

बैक स्पेस (Back Space)

की बोर्ड की वह 'की' (Key) जिसकी सहायता से दायीं ओर से बायीं ओर के अक्षरों को मिटाया जा सकता है।

बैक पैनल (Back Panel)

कम्प्यूटर का पिछला भाग जहाँ की बोर्ड, माउस, मॉनीटर आदि को जोड़ा जाता है।

बैकुश जॉन (Backus John)

यह कम्प्यूटर की भाषा फ्रोट्रान का आविष्कारक है तथा इन्होंने कम्प्यूटर की इस भाषा का निर्माण 1951 में किया था।

बैंक वायर (Bank Wire)

यह प्राइवेट सैक्टर के बैंकों का एक प्रमुख नेटवर्क है, जो अमेरिका के लगभग 200 बैंकों के स्वामित्व में है।

बैंकड मेमोरी (Banked Memory)

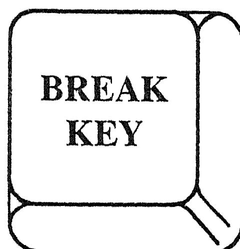
कम्प्यूटर में समूह के रूप में प्रयोग की जाने वाली मेमोरी को बैंकड मेमोरी कहा जाता है।

बैकग्राउण्ड प्रोग्राम (Background Program)

बेकग्राउण्ड प्रोग्राम उसे कहा जाता है जिसकी कोई विशेष आवश्यकता नहीं पड़ती है।

ब्रैक की (Break Key)

कम्प्यूटर की बोर्ड की वह 'की' (Key) जिसकी सहायता से चालू प्रोग्राम को बीच्च में ही रोका जा सकता है।



बोप (BOP)

यह बिट ऑरियेनटेड प्रोटोकाल है।

ब्रोकेन सिंक

एचटीएमएस लिंक ठीक से काम न करे।

बोल्ड प्रिंटिग (Bold Printing)

सॉफ्टवेयर के निर्देशानुसार प्रिंटर की सहायता से गहरी छपाई को ही बोल्ड प्रिंटिंग कहा जाता है।

ब्लो अप (Blow Up)

कम्प्यूटर में प्रोग्राम का अचानक कार्य करते-करते रुक जावे तो ब्लो अप (Blow Up) कहा जाता है।

बोरे (Bore)

बोरे फ्लोपी डिस्क या मेगनेटिक टेप के मध्य के छेद को कहा जाता है।

बंडल (Bundle)

बंडल उस पैकेट को कहा जाता है जिसमें सॉफ्टवेयर और उससे सम्बन्धित हार्डवेयर भी होता है।

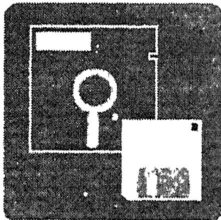
भ

भण्डार (Sotre)

मशीन में एक भण्डार का एकक होगा। यह मशीन के भण्डार तथा स्मृति का कार्य करेगा। इसमें विभिन्न प्रक्रियाओं के लिये विभिन्न अनुदेश भंडारित रहेंगे।

भण्डारण माध्यम (Storage Medium)

कम्प्यूटर में जिस माध्यम से सूचना का संग्रह किया जाता है, उन्हें भण्डारण माध्यम कहा जाता है। कम्प्यूटर के लिये डेटा तथा अनुदेश कम्प्यूटर के अन्दर या बाहर दोनों जगह पर एकत्रित किया जा सकता है।









भाषाएँ (Language)

कम्प्यूटर में काम करवाने को उसे समादेश दिया जाता है तथा यह समादेश किसी-न-किसी भाषा द्वारा दिया जाता है। कम्प्यूटर जो भाषा समझता है, उसे प्रोग्रामन भाषा कहा जाता है। यह भाषा द्विआधारी अंकन प्रणाली पर आधारित होती है।

म

मशीन (Machine)

यहाँ मशीन से तात्पर्य कम्प्यूटर से है, कम्प्यूटर एक सामान्य उपयोग की इलेक्ट्रॉनिक मशीन है। यह स्वचालित तकनीक पर आधारित तथा कार्य को करने में सक्षम है, जिससे सम्बन्धित निर्देश प्रोग्राम इसमें संग्रहित किये गये हों।

मशीनी भाषा (Machine Language)

कम्प्यूटर के समस्त कार्य अंकों की सहायता से सम्पादित किये जाते हैं। इन अंकों का सम्बन्ध विद्युत करंट में होता है। सामन्यतया कम्प्यूटर द्विआधारी अंक बिट्स की भाषा को ही समझ सकता है तथा इसे ही मशीनी भाषा कहा जाता है।

मशीन निर्देश (Machine Insturction)

कम्प्यूटर को पढ़ने तथा समझने के लिये मशीनी भाषा में निर्देश दिये जाते हैं।

मशीन ऑरियन्टेड भाषा (Machine Oriented Language)

यह प्रोग्रामिंग भाषा है, जो द्विआधारी अंकन प्रणाली पर आधारित होती है।

मशीन पठनीय सूची (Machine Readable Cataloge)

मशीन पठनीय सूची का अर्थ है कम्प्यूटर से तैयार की गई ऐसी सूचो जिसे कम्प्यूटर पर देखा या पढ़ा जा सके तथा आवश्यकता होने पर कम्प्यूटर के माध्यम से मुद्रित किया जा सके। ऐसी सूचियों को फ्लॉपी डिस्क, टेप, सी.डी. रोम (CD-ROM) आदि के ऊपर या सीधे नेटवर्क के द्वारा किसी भी स्थान पर भेजा जा सकता है।

मल्टीमीडिया (Multi Media)

मल्टी मीडिया का अर्थ है समस्त रूपों में उपलब्ध सूचना, जैसे—पाठ, ग्राफ, चित्र, आवाज, स्थिर या चलायमान एमिनेशन को एक साथ भण्डारित, विश्लेषित तथा संप्रेषित करने की क्षमता, आज के कम्प्यूटर इस कार्य में समर्थ हैं।

मल्टी प्रोग्रामिंग (Multi Programming)

इस प्रकार के ऑपरेटिंग सिस्टमों में एक साथ कई कार्यो को किया जा सकता है। यह बैच प्रोसेसिंग का सुधरा हुआ रूप है। तीसरी पीढ़ी के अधिकांश कम्प्यूटर सतही प्रोग्रामिंग थे और वर्तमान समय के सभी कम्प्यूटर सतही प्रोग्रामिंग होते हैं।

मर्ज (Merg)

दो या दो से अधिक फाइलों को मिलाकर तीसरी फाइल के निर्माण करने करने की प्रक्रिया को मर्ज (Merg) कहा जाता है।

मशीन कोड (Machine Code)

मशीन कोड से तात्पर्य ऐसे कोड से है जिसका प्रयोग कम्प्यूटर स्वयं को चलाने के लिये करता है।

मशीन-चक्र (Machine Cycle)

कम्प्यूटर द्वारा सम्पन्न होने वाली पूरी आन्तरिक प्रक्रिया को मशीन-चक्र कहा जाता है।

मशीन ऑपरेटर (Machine Operator)

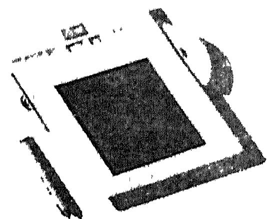
वह व्यक्ति जो किसी कम्प्यूटर को ऑपरेट करता है उसे मशीन ऑपरेटर कहा जाता है।

मॉस (MOS)

इसका पूरा नाम "Metallic Oxide Semiconductor Transistor" है।

मार्क (Mark)

किसी विशेष वस्तु को दर्शाने के लिये प्रयोग किये जाने वाले चिह्न को मार्क कहा जाता है।



मार्कर (Marker)

मार्कर का प्रयोग लाइन ग्राफ के अन्तर्गत डेटा को दर्शाने के लिये किया जाता है।

मास्टर डेटा (Master Data)

वह डेटा जो प्रोसेसिंग के लिये आधारभूत डेटा की पूर्ति करता है, उसे मास्टर डेटा कहा जाता है।

माइलर (Mylar)

माइलर तत्त्व की सहायता से फ्लोपी डिस्क का निर्माण किया जाता है।

मॉडल-701 (Model-701)

यह प्रथम पीढ़ी के कम्प्यूटर हैं, जिसका निर्माण 1952 में आई.बी.एम. (IBM) द्वारा किया गया।

मॉड्यूल-2 (Modula-2)

यह नई भाषा है, जिसका निर्माण निकोलस (Nicolaus) ने किया है। इसका निर्माण पास्कल में किया गया है।

मॉनिटर (Monitor)

यह टी.वी. स्क्रीन के समान होता है, जो कम्प्यूटर में संग्रहीत सूचना को कम्प्यूटर स्क्रीन पर प्रदर्शित करता है। मॉनिटर को विडियो डिस्प्ले यूनिट (Video Display Unit) भी कहा जाता है।

मार (MAR)

मार का पूरा नाम "मैमोरी एडरस रजिस्टर"मैमोरी एडरस रजिस्टर" (Memory Address Registor) है।

मारजेइ (MARGIE)

इसका पूरा नाम "Memory Analysis Response Generation in English" है। इसका निर्माण 1972 में किया गया था।

मारस (MARS)

इसका पूरा नाम "Management for Retail Stores" है। यह भारतीय सॉफ्टवेयर ज्वैलरी हैन्डीक्राफ्ट्स और टेक्सटाइल संग्रह से सम्बन्धित है।

माउचली जॉन (Mauchly, John)

यह पैन सिलवार्निया विश्वविद्यालय में भौतिकशास्त्र के मुखिया थे। इन्होंने पहला अंकीय इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर का निर्माण किया, जिसका नाम एनिएक (Electronic Numerical Integrator and Calculator = ENIAC) रखा गया।

माइक्रो सैकेण्ड (Micro Second)

एक सैकेण्ड का दस लाखवाँ भाग।

मार्क फॉर्मेट (Marc Format)

सामान्यतया यह किसी भी मशीन की पठनीय सूची के लिये प्रयुक्त संक्षिप्त नाम है। मार्क फॉर्मेट में निम्नलिखित अंग हैं—

(1) लीडर

(2) रेकार्ड निदेशिका

(3) नियंत्रक क्षेत्र

(4) परिवर्तनीय डेटा क्षेत्र।

मार्क-1 (Marc-I)

हार्वर्ड एंकेन ने आई.बी.एम. कम्पनी के वैज्ञानिकों के सहयोग से प्रथम स्वचालित परिगणक मशीन बनाई जिसका नाम ऑटोमेटिक सिक्वेंस कन्ट्रोल केलकुलेटर रखा गया। हार्वर्ड मार्क-1 नाम रखने का कारण यह था कि इसे हार्वर्ड विश्वविद्यालयों में विकसित किया गया था।

माध्यमिक स्मृति (Secondary Memory)

कम्प्यूटर की माध्यमिक स्मृति कम्प्यूटर के बाहर किसी उपकरण में होती है तथा इसे संग्रह करने के लिये विभिन्न उपकरणों, जैसे—फ्लॉपी डिस्क, मैग्नेटिक टेप, सी.डी.रोम आदि का उपयोग किया जाता है।

मानक पुस्तक संख्या (Standard Book Number)

इसका पूरा नाम अन्तर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या है। यह विश्व स्तर पर लागू होने वाली पुस्तक संख्या का मानक है। यह 10 अंकों का सेट होता है।

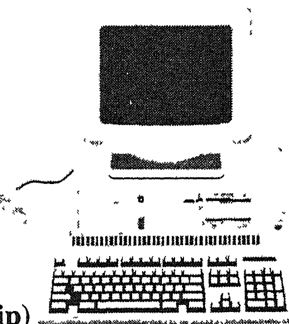
माइक्रो ओपेक (Micro Opaque)

फोटो ग्राफिक पेपर में दोनों तरफ विभिन्न प्रलेखों की प्रतिलिपि होती है, जिसे बिना किसी उपकरण की सहायता से पढ़ा जा सकता है।

मार्क-I (Marc-I)

इसका आविष्कार 1943 में हुआ तथा इसे स्वचालित एवं नियंत्रित श्रेणी के कैलकुलेटर के नाम से भी जाना जाता है। यह प्रथम पूर्ण तथा स्वचालित गणन करने की मशीन थी जिसका निर्माण आई.बी.एम. के सहयोग से हार्वर्ड विश्वविद्यालय को होवार्ड एकिंस और ग्रेस हॉपर के द्वारा किया गया।

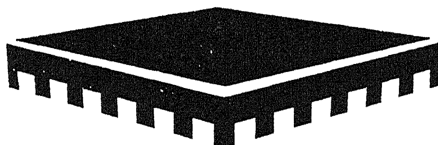
माइक्रो कम्प्यूटर (Micro Computer)



तकनीकी क्षेत्र में 1970 में एक क्रांतिकारी आविष्कार हुआ, जिसमें कम्प्यूटर प्रणाली इतनी सस्ती हो गई कि कम्प्यूटर घर-घर पहुँच गये। ये कम्प्यूटर आकार में छोटे और सस्ते थे, जिस कारण इनका उपयोग व्यक्तिगत रूप से किया जाने लगा।

माइक्रो कम्प्यूटर चिप (Micro Computer Chip)

एक चिप में माइक्रो कम्प्यूटर के सभी सर्किट होते हैं। इसमें माइक्रो प्रोसेसर, सी.पी.यू. रेम और रोम, इनपुट और आउटपुट सरकिट होते हैं।



माइक्रोग्राफी (Micrography)

यह सूचना संग्रह एवं सूचना पुनः प्राप्ति के लिये बहुत ही महत्त्वपूर्ण प्रणाली है। माइक्रोफोटोग्राफी को अब माइक्रोग्राफी के नाम से जाना जाता है। इस प्रणाली का आविष्कार 1839 और 1959 के मध्य अंग्रेज आप्टिकल उत्पादक J.B Dahcer और फ्रांसिस फोटोग्राफर Rene Dagran ने किया।

माइक्रो प्रोसेसर (Micro processor)

माइक्रो प्रोसेसर कम्प्यूटर का बहुत ही महत्त्वपूर्ण अंग है। एक कम्प्यूटर में बहुत से माइक्रो प्रोसेसर होते हैं। कम्प्यूटर के सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट में कई माइक्रो प्रोसेसर लगे होते हैं, जो अनेक कार्य करते हैं। माइक्रो प्रोसेसर सिलिकॉन चिप का एक परिष्कृत रूप है, जिसमें हजारों इलेक्ट्रॉनिक परिपथ होते हैं। इसीलिये कुछ लोग माइक्रो प्रोसेसर को सिलिकॉन चिप या केवल चिप के नाम से पुकारते हैं।

माइक्रो फार्म (Micro Form)

माइक्रो फार्म का शाब्दिक अर्थ सूक्ष्म प्रतिरूप से है। माइक्रो फोर्म का सर्वप्रथम उपयोग ब्रिटिश वैज्ञानिक जॉन बैन्जामिन डान्सर ने 1939 में 20 प्रलेखों की 1/8 आकार की प्रतिकृति जो सामान्य माइक्रो स्कोप की सहायता से पढ़ी जा सकती थी, को बनाकर किया।

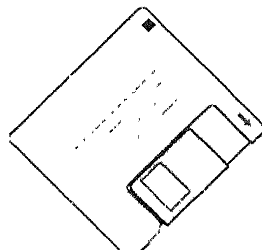
माइक्रो फिल्म (Micro Film)

यह फिल्में 8 एम.एम. से 105 एम.एम. चौड़ाई एवं 100 फीट लम्बाई में सामान्यतया उपलब्ध होती हैं। इन्हें रोल फिल्म भी कहा जाता है।

माइक्रो फिश (Micro Fiche)

माइक्रो फिश सीट की तरह होती है एवं इसमें कई मुख्य प्रतिकृतियाँ होती हैं। सामान्यतया इनकी साइज 3 × 5 से 5 × 8 इंच होती है।

माइक्रो फ्लॉपी डिस्क (Micro Floppy Disk)



इसका निर्माण आई.एम.बी. द्वारा अप्रैल 1987 में विकसित व्यक्तिगत माइक्रो कम्प्यूटर-2 के लिये किया गया, जिसका डाइमीटर 9 सेमी से भी कम था।

माइक्रो मेल (Micro Mail)

यह इलेक्ट्रॉनिक मेल प्रणाली है, जिसका विकास ब्रिटिश कम्प्यूटर कम्पनी ए.सी.टी. (ACT) द्वारा किया गया, जो कि ब्रिटिश इलेक्ट्रॉनिक मेल सर्विस पर आधारित था।

माइक्रो ऑफिस (Micro Office)

यह एक विजनेस सॉफ्टवेयर है, जिसका उपयोग कोमोडोर-64 कम्प्यूटर के वर्ल्ड प्रोसेसिंग, डाटा बेस तथा ग्राफिक्स में किया जाता है।

माइक्रो प्रोलोग (Micro Prolog)

यह नई भाषा है, जिसका विकास विशेष तौर पर स्कूलों के लिये किया गया।

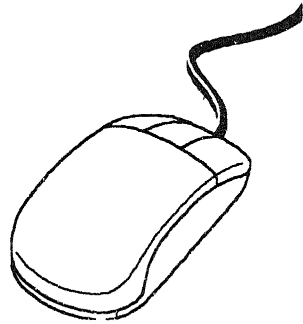
माइक्रो सॉफ्ट (Micro Soft)

इसे संक्षिप्त में एम.एस. (MS) के नाम से जाना जाता है। यह एक ऑपरेटिंग सिस्टम है, जिसका निर्माण अमेरिका की माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी द्वारा किया गया।

माइक्रो वेक्स-II (Micro Vax-II)

यह डिजिटल इक्वीपमेन्ट ऑपरेशन (Digital Equipment Corporation) यू.एस.ए. का प्रसिद्ध कम्प्यूटर है।

माउस (Mouse)



वह कम्प्यूटर से जुड़ा हुआ एक उपकरण है, जिसका उपयोग कर्सर को इच्छित स्थान पर ले जाने के लिये और किसी कार्य को करने का आदेश देने के लिये होता है। डी.टी.पी. (D.T.P.) हेतु माउस एक अनिवार्य एवं महत्त्वपूर्ण उपकरण है।

मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (Master of Computer Application)

यह कम्प्यूटर का मास्टर लेवल का कोर्स है, जो कि विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान किया जाता है, जो कि ग्रेजुएट के बाद दिया जाता है।

मात्र पठनीय स्मृति (Ready Only Memory)

इस प्रकार की स्मृति में दी गई सूचनायें या आँकड़े स्थायी रूप से संग्रहीत रहते हैं, लेकिन इसमें दी गई सूचनायें पढ़ी ही जा सकती हैं, उसमें किसी भी प्रकार की नई सूचनाओं को जोड़ा नहीं जा सकता है। इस प्रकार की स्मृति को कम्प्यूटर के समान ही बना दिया जाता है तथा वह स्मृति कम्प्यूटर में स्थायी रूप से होती है।

मीडिया (Media)

कम्प्यूटर में डेटा संग्रह करने के लिये जिस माध्यम का उपयोग किया जाता है उसे मिडिया कहा जाता है।

मीनू (Menu)

मीनू का तात्पर्य कमाण्डो की लिस्ट से है जहाँ से उन्हें क्रियान्वित किया जा सकता है।

मीनु ड्राइवन सॉफ्टवेयर (Menu Driven Software)

कम्प्यूटर का वह सॉफ्टवेयर जिनका प्रयोग मीनु के द्वारा किया जाता है उसे मीनु संचालित सॉफ्टवेयर कहते हैं।

मिडी मिनी कम्प्यूटर (Midi Mini Computer)

यह मिडियम साइज मिनी कम्प्यूटर है, जिसके 16 बिट शब्द का प्रयोग किया जाता है तथा इनकी गति मेनफ्रेम कम्प्यूटर के समान है।

मिनीमेक्स (Minimax)

वह तकनीक जिसकी सहायता से कम्प्यूटर प्रोसेसिंग में होने वाली गलतियों को कम-से-कम किया जा सकता है।

मिस्टेक (Mistake)

कम्प्यूटर के उपयोग करते समय उपयोगकर्ता द्वारा की जाने वाली गलतियाँ मिस्टेक कहलाती हैं।

मिनी कम्प्यूटर (Mini Computer)

यह कम्प्यूटर मध्यम आकार के होते हैं तथा इनकी कार्यक्षमता माइक्रो कम्प्यूटरों से अधिक होती है। यह माइक्रो कम्प्यूटरों से मँहगे होते हैं।

मिनी डिस्किट (Mini Diskete)

यह एक छोटी फ्लॉपी है, जिसका उपयोग माइक्रो कम्प्यूटरों में किया जाता है।

मिनी फ्लॉपी डिस्क (Mini Floppy Disk)

फ्लॉपी डिस्क 13.3 सेमी सवा पाँच इंच डाइमीटर की होती है।

मिली सैकेण्ड (Milisecond)

एक सैकेंड का हजारवाँ भाग।

मिनाइसिस (MINISIS)

1974-76 के दौरान कनाडा के अन्तर्राष्ट्रीय डेवलपमेंट रिसर्च सेन्टर ने इस सॉफ्टवेयर का विकास किया था। यह एच.पी. 3000 परिवार के कम्प्यूटरों का कार्य करता है।

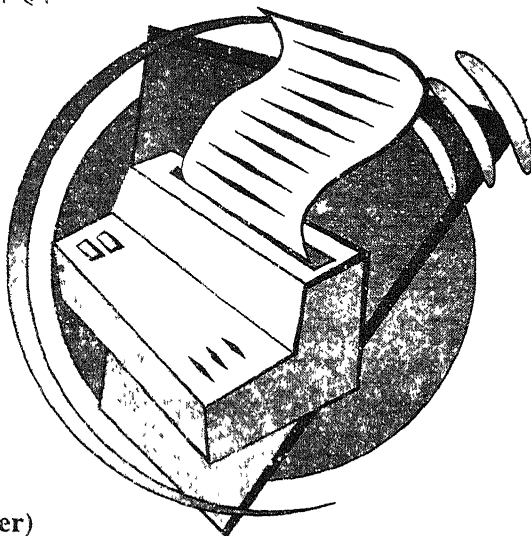
मुख्य मैमोरी (Main Memory)

मुख्य मैमोरी कम्प्यूटर का मुख्य संग्रह कक्ष होता है, जिसमें सूचनाओं को प्राथमिक स्तर पर एकत्रित किया जाता है। मैमोरी का यह भाग बहुत छोटे-छोटे भागों का बना हुआ होता है तथा विशेष कोष एक विशेष पते पर स्थित होता है।

मुद्रक यंत्र (Printer)

मुद्रण यंत्र एक ऐसा उपकरण है, जो कम्प्यूटर में उपलब्ध इच्छित सूचना को हमें कागज पर मुद्रि रूप में उपलब्ध कराता है। मुद्रण यंत्र का सम्बन्ध

कम्प्यूटर की सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट के पार्श्व भाग में स्थित करेक्टर से होता है।



मूलर (Muller)

जे.एच. मूलर (J.H. Muller) नामक वैज्ञानिक ने 1786 में एक डिफरेंस इंजन की कल्पना की, जिसमें केवल हैंडिल के घुमाने से सारी गणितीय प्रक्रियाएँ यांत्रिक रूप से हो जाएँ तथा गणना का परिणाम सामने आ जाये।

मूर स्कूल (Moore School)

मूल स्कूल ने 1950 में एडवैक (Electronic Desorete Variable Automatic Computer = EDVAC) नामक कम्प्यूटर का निर्माण किया। इस प्रकार के कम्प्यूटर के लिये डाटा तथा प्रोग्राम पंच किये हुए टेप द्वारा प्रविष्ट किये जाते थे।

मूव (Move)

यह डॉस (DOS) का एक कमाण्ड है जिसकी सहायता से फाइल को लिख के एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जा सकता है।

मेडलर्स (Medlars)

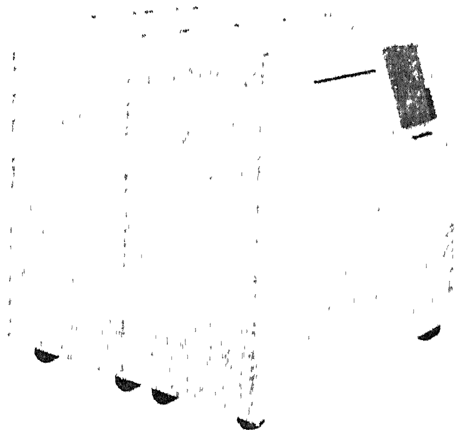
इसका पूरा नाम "Medical Literature Analysis and Retrieval System" है। यह कम्प्यूटर रिडेबल बिब्लियोग्राफिक डेटा बेस में मेडलर्स को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की विशालतम ग्रन्थात्मक डेटा बेस माना गया है।

मेगा बाइट (Mega-Byte)

मेगा बाइट को संक्षिप्त रूप में एम.बी. लिखा जाता है। इसका प्रयोग कम्प्यूटर की स्मृति (Memory) तथा भंडार की क्षमता को नापने के लिये किया जाता है। एक बाइट आठ बिट (8 Bit) के बराबर होता है तथा एक मेगा बाइट b, 48, 576 बाइट के बराबर होता है।

मेनफ्रेम कम्प्यूटर (Main Frame Computer)

चतुर्थ पीढ़ी के कम्प्यूटरों के विकास से पूर्व मेनफ्रेम शब्द का प्रयोग कम्प्यूटर के केन्द्रीय संसाधन एकंक को इंगित करने हेतु किया जाता था। बड़े तथा अधिक शक्तिशाली कम्प्यूटरों को मेनफ्रेम कहा जाने लगा। मेनफ्रेम कम्प्यूटर शुरू में ही मल्टी यूजर प्रोजेन्ट को चलाने में सक्षम थे तथा आँकड़ों का विश्लेषण तथा संसाधन अधिक तेजगति से करते हैं।



मेल बाक्स (Mail Box)

डेटा संग्रह करने वाली स्थितियों के समूह को मेल बाक्स कहा जाता है।

मेन लाइन प्रोग्राम (Main Line Program)

किसी भी प्रोग्राम का वह भाग जो छोटे-छोटे प्रोग्रामों का नियंत्रण करता है, उसे मेन लाइन प्रोग्राम कहा जाता है।

मेजर सोर्ट की (Major Sort Key)

डेटा बेस फाइल की वह फील्ड जिस पर डेटा बेस को आधारित करके सोर्ट करते हैं।

मेपिंग (Mapping)

यह एक ग्राफिक्स प्रणाली है तथा इसकी सहायता में किसी एक समूह को दूसरे समूह में परिवर्तित किया जा सकता है।

मेच (Match)

आपस में किसी की तुलना करने को मेच करना कहा जाता है।

मेक्सीमीनी कम्प्यूटर (Maximini Computer)

यह एक बड़े आकार का शक्तिशाली मिनी कम्प्यूटर होता है जो कि 16 बिट के शब्दों का प्रयोग करता है।

मेल सर्वर (Mail Sarver)

आई.एस.पी. द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा हार्ड वेयर व सॉफ्टवेयर है।

मेल बॉक्स (Mail Box)

ई-मेल अकाउन्ट का आई.एस.पी. के पास बना इलेक्ट्रॉनिक डाक बॉक्स।

मेलिंग लिस्ट (Maling List)

जिसे ई-मेल भेजा गया, जानने की प्रक्रिया में देखा जाता है।

मैक (Mac)

डिजाइनरों द्वारा व्यवहृत प्रचलित कम्प्यूटर।

मैगनेटिक करेक्टर (Magnetic Character)

मैगनेटिक करेक्टर वह करेक्टर है जिन्हें चुम्बकीय स्याही की सहायता से लिखा जाता है।

मेग (Mag)

मेग का प्रयोग मैगनेटिक के लिये संक्षिप्त रूप के लिये किया जाता है।

मेटा भाषा (Meta Language)

मेटा भाषा का प्रयोग किसी अन्य भाषा की व्याख्या के लिये किया जाता है।

मेनू चालित (Menu Driver)

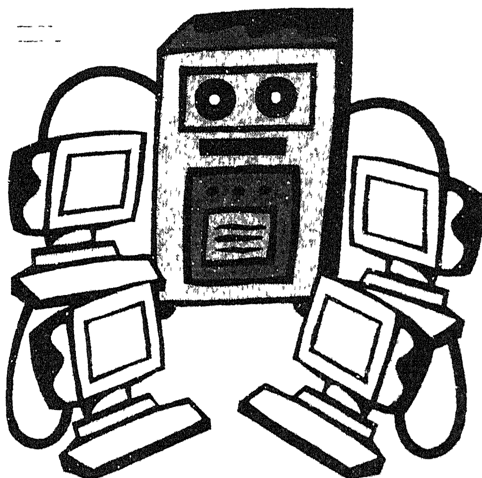
मेनु चालित सॉफ्टवेयर के गुण हैं। इन गुणों से युक्त सॉफ्टवेयर प्रयोग में लाया जाता है। मेनु में वे सारे कार्य दर्शाये जाते हैं, जो इस सॉफ्टवेयर में किये जा सकते हैं।

मेनु (Menu)

किसी सॉफ्टवेयर का मेनु वास्तव में एक सूची के समान हैं, जिसमें दिये गये नामों या विकल्पों में से हम एक समय में किसी एक का वरण कर सकते हैं।

मेश नेटवर्क (Mesh Network)

इस प्रकार से नेटवर्क में उपभोक्ता नोड एक-दूसरे से इस प्रकार जुड़े होते हैं कि कई बार एक नोड की सूचना को दूसरे नोड तक हस्तान्तरित करने के कार्य के बीच में तीसरा नोड या अन्य नोड आ जाता है।



मेक्सी मिनी कम्प्यूटर (Maxi Mini Computer)

यह लारजेस्ट टोप एण्ड मिनी कम्प्यूटर है, जिसमें 16 बिट शब्द का प्रयोग किया गया तथा इसकी स्मृति क्षमता 12 मैगा बाइट तक है।

मेगा (Mega)

मेगा को संक्षेप में 'M' लिखा जाता है तथा यह एक मिलियन और 10^6 का प्रदर्शित करती है।

मेडलाइन (Medline)

यह बिब्लियोग्राफिक डाटा बेस का उदाहरण है। यह बायो-मेडीकल लिट्रेचर का कवरेज करता है।

मेम (Mem)

यह एक डॉस समावेश है, जो मैमोरी कैसे उपयोग में लाई ज़ाती है को प्रदर्शित करता है।

मेग (Mag)

मेग से यहाँ तात्पर्य मैग्नेटिक (Magnetice) से है।

मेग कार्ड (Mag Card)

मैग्नेटिक कार्ड का विकास आई.बी.एम. कॉपरेशन द्वारा किया गया, जो कि मैग्नेटिक सबस्टे डावकोडेड होते हैं।

मेनकोस (Mancos)

यह व्यक्तिगत कम्प्यूटरों के लिये शक्तिशाली एवं कॉमप्रेसिव कन्ट्रोल सिस्टम है।

मेनिक (MANIAC)

इस असाधारण कम्प्यूटर का निर्माण हाइड्रोजन बम्ब के विकास कार्य हेतु किया गया था।

मेप (MAP)

इसका पूरा नाम "Manufacturing Automation Protocol" है।

मैगनेटिक कार्ड (Magnetic Card)

वह कार्ड जिसके निर्माण में चुम्बकीय तत्त्वों का निर्माण किया जाता है।

मैगनेटिक मीडिया (Magnetic Media)

कोई भी चुम्बकीय माध्यम जिसमें डेटा को संग्रहीत किया जा सकता है मैगनेटिक मीडिया कहलाता है।

मैनेजर (Manager)

वह व्यक्ति जो कम्प्यूटर विभाग का मुखिया होता है, वह मैनेजर कहलाता है।

मैमोरी बोर्ड (Memory Board)

रीड एक्सेस मैमोरी के लिये प्रयोग किया जाने वाला एक शब्द है।

मैमोरी चक्र (Memory Cycle)

मैमोरी चक्र से तात्पर्य कम्प्यूटर की मैमोरी में किसी डेटा के इनपुट या आउटपुट होने में लगा समय मैमोरी चक्र कहलाता है।

मैग्नेटिक फिल्म स्टोरेज (Magnetic Film Storage)

यह संग्रह उपकरण है, जो 35 एम.एम. मैग्नेटिक फिल्म के रूप में काम में लाया जाता है।

मैग्नेटिक हैड (Magnetic Head)

यह एक उपकरण है, जो मैग्नेटिक टेप, डिस्क और ड्रम में सूचना लिखने एवं पढ़ने का कार्य करता है।

मैग्नेटिक टेप कोड (Magnetic Tape Code)

आस्की (ASC-ii), बी.सी.डी. (BCD) तथा ई.बी.सी.डी.आई.सी. (EBCDIC) में डाटा को लिखने एवं पढ़ाने हेतु मैग्नेटिक टेप का उपयोग किया जाता है।

मैग्नेटिक ड्रम (Magnetic Drum)

चुम्बकीय ड्रम सिलेण्डर के समान होता है, जिनकी बाहरी सतह पर चुम्बकीय फीता तत्त्व योग एक पतली पंक्ति के साथ कोटेड होता है तथा एक मीटर सिलेण्डर को अपनी धुरी पर लगातार एवं तेज गति से घूमती रहती है।

मैग्नेटिक फीता (Magnetic Tap)

चुम्बकीय फीता आधे इंच चौड़ी पट्टी से बना होता है तथा फीते की सतह पर ऑक्साइड लेपित रहती है। आँकड़ों को चुम्बकीय सतह पर ही संग्रहीत किया जाता है। फीते को सुरक्षित रखने के लिये डिब्बे में बन्द रखा जाता है।

मैग्नेटिक डिस्क (Magnetic Disc)

चुम्बकीय या मैग्नेटिक डिस्क पतली धातु की प्लेट होती है तथा यह प्लेट दोनों तरफ से चुम्बकीय तत्त्वों से लेपित होती है।

मैमोरी (Memory)

यह कम्प्यूटर का वह भाग है, जहाँ सभी आँकड़ों और प्रोग्रामों का संग्रह किया जाता है। कम्प्यूटर में सूचनाओं को बाहर एवं अन्दर दोनों जगह संग्रहित किया जा सकता है। इसी के आधार पर मैमोरी को दो भागों में विभाजित किया गया है—

(1) प्राथमिक मैमोरी

(2) द्वितीयक मैमोरी

मैत्रीय

इस सॉफ्टवेयर को सी.एम.सी. (CMC) ने मुख्यतया कलकत्ता पुस्तकालय नेटवर्क के लिये विकसित किया है। इसमें पुस्तकालयों से सम्बन्धित गतिविधियों तथा सेवाओं को कम्प्यूटरीकृत करने के लिये प्रावधान है।

मैनचेस्टर मार्क-1 (Manchester Mark-I)

यह विश्व का प्रथम ऑपरेशनल प्रोग्राम कम्प्यूटर है तथा इसका पहला प्रोग्राम 1946 में शुरू किया गया। इसे मेनचेस्टर विश्वविद्यालय के T Kilban and F.C. Williams ने विकसित किया था।

मैट्रिक्स प्रिन्टर (Matrix Printer)

अलग-अलग किस्म के बोल्ड, इटेलिक्स या रेखांकित फोटो का प्रयोग इससे किया जाता है। ग्राफिक और रेखाचित्रों का मुद्रण भी इससे सम्भव है।

मैक्राथ जोन (Maccarthy John)

इन्होंने प्रोग्रामिंग भाषा LIPS का निर्माण किया है।

मैमोरी डाटा रजिस्टर (Memory Data Registor)

यह विशिष्ट रजिस्टर है, जो मनी डाटा निर्देशों को अस्थायी तौर पर रखता है।

मैमोरी मेप (Memory Map)

उनके कार्य एवं उद्देश्य के अनुसार मैमोरी की लोकेशन के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

मोहन चार्ल्स (Mohan Charles)

इन्होंने प्रथम अर्थमेटिक मशीन का निर्माण किया, जिसके लिये दाँतेदार पहियों का उपयोग किया गया।

मोडुलेशन (Modulation)

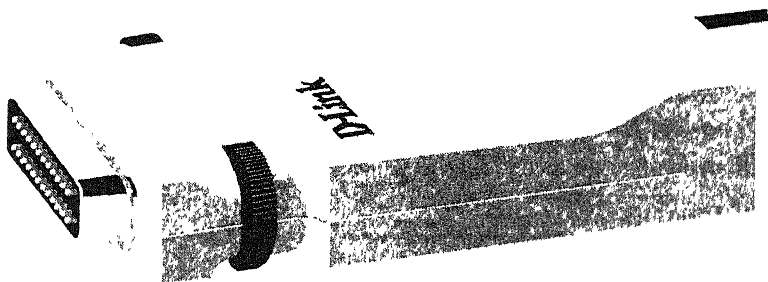
मोडुलेशन एक प्रक्रिया का नाम है, जिसमें संचार माध्यम द्वारा सिग्नल द्वारा सूचना का संचार किया जाता है। मोडूलेटर नामक उपकरण आंकिक कूट को सदृश रूप में परिवर्तित करता है।

मोरे (More)

यह डॉस समादेश है, जिसका उपयोग कम्प्यूटर स्क्रीन पर फाइल का प्रदर्शन हेतु किया जाता है।

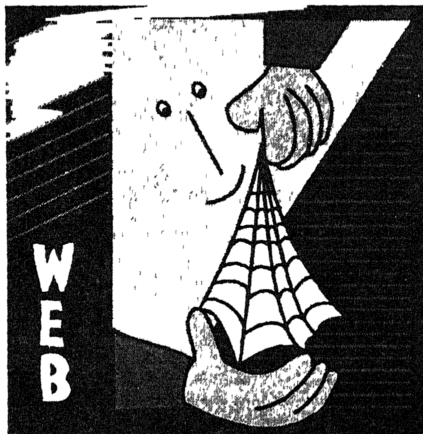
मोडेम (Modem)

मोडेम का पूरा नाम मोड्यूलेटर डीमोड्यूलेटर (Modulator Demodulator) है। यह वह यंत्र है जो कि एक कम्प्यूटर को अन्य कम्प्यूटर से टेलीफोन लाइन के माध्यम से परस्पर जोड़ने का कार्य करता है, जिससे हम सूचना हस्तान्तरण करते हैं।



मोलजेन (Molgen)

यह एक्सपर्ट प्रणाली है, जिसका निर्माण 1979 में स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के मार्क स्टेफिक (Mark Stefik) द्वारा किया गया था।



य

यादृश्छिक अभिगम स्मृति (Randon Access Memory)

यह कम्प्यूटर का वह भाग है, जहाँ सूचनायें बहुत कम समय के लिये संग्रहीत रहती हैं या फिर सूचनायें अस्थाई रूप से संग्रहीत रहती हैं। इसमें संग्रहीत सूचना को कभी भी हटाया जा सकता है तथा इसे संक्षेप में रेम (RAM) कहा जाता है, साथ ही इसे उपयोगकर्त्ता स्मृति भी कहा जाता है।

यूनिक्स (Unix)

यूनिक्स (Unix) एक बहुल उपभोक्ता, बहुल भावत्मिक (Mult Tasking) तथा काल भागी (Time Shaving) ऑपरेटिंग प्रणाली है। इसे ए.टी. और टी.बेल बोरेटरिज द्वारा विकसित किया गया है।

यू.सी.एस.डी. पास्कल (UCSD Pascal)

इसका पूरा नाम "University of Califonia at San Diego Pascal" है तथा यह पास्कल प्रोग्रामिंग भाषा का प्रसिद्ध वरजन है।

यू.सी.एस.डी. पी-सिस्टम (UCDS P-System)

यह ऑपरेटिंग प्रणाली है, जिसका विकास यूनिवर्सिटी केलीफोनिया द्वारा पास्कल प्रोग्रामिंग को चलाने हेतु किया जाता है।

यूला (ULA)

इसका पूरा नाम "Uncommitted Logic Array" है। यह एक चिप का नाम है।

यू.एल.एस.आई. (ULSI)

इसका पूरा नाम "अल्ट्रा वृहद श्रेणी संघटक" (Ultra Large Scale Integrated) है। इनका उपयोग पंचम पीढ़ी के कम्प्यूटर के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधन के रूप में किया जाता है। इसके उपयोग से इस श्रेणी के कम्प्यूटरों का आकार छोटा हो गया तथा इसी के परिणामस्वरूप आज घड़ी के आकार के कम्प्यूटर भी देखे जा सकते हैं।

यू.एम.बी. (UMB)

इसका पूरा नाम "Upper Memory Block" है। इसका 640 K क्षेत्र तथा आकार 384 K होता है।

यू.एन.डी.ओ. (UNDO)

यह वर्ड प्रोसेसिंग का समादेश (Command) है।

यूनीक्रोर्न (UNICORN)

यह शिक्षा एवं घर कम्प्यूटिंग का होम माइक्रो कम्प्यूटर है। यह रोम वैल 6502–8 बिट चिप तथा 64 K स्मृति पर आधारित है।

यूनिवैक I (UNIVAC-I)

इसका पूरा नाम "Universal Automatic Computer" है। यह विश्व का प्रथम ऐसा इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर था जिसे अमेरिका की एक व्यापारिक कम्पनी ने विशेष रूप से व्यापारिक अनुप्रयोगों के लिये तैयार किया था।

यूनीवैक-1107 (UNIVAC-1107)

इसका पूरा नाम "Universal Automatic Computer" है तथा यह कम्प्यूटर द्वितीय पीढ़ी का है। इन कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधन के रूप में ट्रांजिस्टर का उपयोग किया जाता है।

यूनीडाईरेक्शन बस (UNIDIRECTIONAL Bus)

यह बस आँकड़ों को एक दिशा में ट्रान्सफर कर सकती है। यह केन्द्रीय संसाधन इकाई से मुख्य स्मृति की तरफ डाटाओं को परिवर्तित करती है।

यूनी प्लस (UNI PLUS)

यह ऑपरेटिंग सिस्टम है जो कि वरजन एसटी और टी यूनिक्स से सम्बन्धित है।

यूनिक (UNIQUE)

यह चौथी पीढ़ी के कम्प्यूटरों की भाषा है, जिसका विकास "Norsk Data for Application Development and Rapid Simultaneous Phototyping" द्वारा किया गया।

यूनिट रिकार्ड (Unit Record)

इन्हें पंच कार्ड भी कहा जाता है। विभिन्न प्रकार की डिजाइन हेतु छिद्र किये हुए कार्डों को उपयोग किया जाता है। चार्ल्स वेबेज ने अपने इंजन में इनपुट हेतु इन कार्डों का उपयोग किया।

यूनिवैक (UNIVAC)

इसका पूरा नाम "Universal Automatic Computer" है। यह हाइब्रिड (Hybrid) कम्प्यूटर है।

यूनिवसर्ल प्रोडेक्ट कोड (Universal Product Code)

यह विशिष्ट बाइनरी कोड है, जिसका उपयोग ग्लोमरी संग्रह के लिये किया जाता है।

यू.पी.सी. (UPC)

इसका पूरा नाम "Universal Product Code" है।

यू.पी.पी. (UPP)

इसका पूरा नाम "Universal PROM Programmer" है।

यूजर आई.डी. (User ID)

यह इन्टरनेट की शब्दावली है। यह आपके लॉग ऑन की तरह एक अद्वितीय नाम होता है, जो कम्प्यूटर पर आपकी पहचान कराता है। इंटरनेट पर लॉग ऑन करने के लिये आपको यूजर आई.डी. एवं पासवर्ड आवश्यक होता है।

यू.आर.एल. (URL)

"यूनिफार्म रिवर्सास लोकेटर" का छोटा प्रारूप है जो कि हर वेब साइट का एड्रेस होता है यू.आर.एल. कहलाता है। यह वेबसाइट की लोकेशन को स्पष्ट करता है व सामान्यत: hHp ://1 से शुरू होता है।

यू.ए.आर.टी. (UART)

इसका पूरा नाम "Universal Asynchronous Receiver Transmitter" है।

यू.एच.एफ. (U.H.F.)

इसका पूरा नाम "Ultra High Fequencies" है।

यूनियन केटलॉग (Union Catalogue)

दो और दो से अधिक सूची का कम्पाईलेशन यूनियन केटलॉग कहलाता है। यह पुस्तकालय से सम्बन्धित है।

यूनिसोलिड्स (Unisolids)

यह सीएडी (CAD) आधारित सॉफ्टवेयर है।

यूजर मैमोरी (User Memory)

केन्द्रीय संसाधन इकाई मैमोरी को उपयोगकर्त्ता द्वारा बदला जा सकता है। इसे रैनडम एक्सेस मैमोरी भी कहा जाता है।

यूजर नोड (User Node)

यह नेटवर्क का एक नोड है, जो यूजर टर्मिनल से सम्बन्धित होता है।

यूजर प्रोग्राम (User Program)

यह एक एप्लीकेशन प्रोग्राम है, जो एक व्यक्ति द्वारा लिखा जाता है जो कि कम्प्यूटर प्रणाली में प्रोग्रामर नहीं होता है।

यूटिलिटी (Utility)

यह एक प्रोग्राम है जो कि यूजर इन, अन्य प्रोग्राम्स, प्रोग्रामिंग भाषा, अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम में सहयोग करता है।

यूटिलिटी प्रोग्राम (Utility Program)

यह एक ऐसा प्रोग्राम है जिसका निर्माण सहयोग करने हेतु किया जाता है।

यूजर एरिया (User Area)

एक-एक कम्प्यूटर की मुख्य स्मृति का भाग होता है जो यूजर प्रोग्राम्स में उपलब्ध रहता है।

यूजर (User)

कोई भी जो कम्प्यूटर का उपयोग करता हो यूजर कहलाता है।

यूजर पोर्ट (User Port)

एक पोर्ट जिसकी सहायता से कम्प्यूनिकेशन नेटवर्क हेतु एक यूजर कम्प्यूटर में जुड़ता है।

यूजर ग्रुप (User Group)

लोगों का एक समूह जो कि नियमित रूप से अपने इन्टरेस्ट के लिये एक पर्टिकूलर मशीन में मिलते हैं।

यूनीबस (Unibus)

वह सर्किट जो बहुत अधिक तीव्र गति से डेटा स्थानान्तरण करने का कार्य करता है, उसे यूनीबस कहा जाता है।

यूजर डिफाइंड की (User Defined Key)

कम्प्यूटर के की बोर्ड की वह की (Key) जिसके कार्य का निर्धारण उपयोगकर्ता द्वारा किया जाता है।

यूजर फ्रैंडली (User Friendly)

कम्प्यूटर का वह हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर जिसका सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा सकता है।

यूजर-ओरियंटेड भाषा (User-Oriented Language)

वह भाषा जिसका प्रयोग कम्प्यूटर प्रयोगकर्त्ता द्वारा सरलतापूर्वक किया जा सके, उसे यूजर ओरियंटेड भाषा कहा जाता है।

यूनीवर्सल भाषा (Universal Language)

वह प्रोग्रामिंग भाषा जिसका प्रयोग पूरे विश्व में किया जाता है उसे यूनीवर्सल भाषा कहा जाता है।

र

रन (Run)

किसी प्रोग्राम को चलाने की प्रक्रिया को रन कहा जाता है।

रजल्ट (Results)

कम्प्यूटर की सहायता से प्रोसेसिंग प्रक्रिया के बाद प्राप्त परिणाम को रजल्ट या परिणाम कहा जाता है।

रजिस्टर (Register)

क्रमिक किये जाने वाले आँकड़ों के लिये यह एक अस्थायी अंग है तथा सी.पी.यू. द्वारा निर्देशों की व्यवस्था करने के लिये एवं अंकगणितीय एवं तार्किक क्रियाओं को सम्पादित करने के लिये प्रयोग किया जाता है।

राइट हैड (Write Head)

डिस्क ड्राइव का वह भाग जो डेटा के पढ़ने के साथ-साथ डेटा को लिखने का भी कार्य करता है।

रॉ (Row)

कम्प्यूटर मॉनीटर की एक पंक्ति रॉ कहलाती है।

रास्टर डिस्पले (Raster Display)

कैथोड 1/2 ट्यूब पर किरणों के द्वारा उत्पन्न डिस्प्ले को रास्टर डिस्प्ले कहा जाता है।

राइट प्रोटेन्ट नॉच (Write Protent Notch)

फ्लॉपी डिस्क के एक कोने में उत्पादक द्वारा बनाया गया एक कटाव। अगर इस कटाव के ऊपर टेप आदि चिपका कर इसे बन्द कर दिया जावे तो उसे हटाये बिना उस फ्लॉपी से न तो कोई फाइल हटाई जा सकती है और न ही उस फ्लॉपी में अन्य कुछ लिखा जा सकता है। इस प्रकार राइट प्रोटेक्स नॉच की सहायता से सूचना को वायरस से बचाया जा सकता है।

रीड स्टेटमेन्ट (Read Statement)

यह स्टेटमेन्ट बेसिक (Basic) प्रोग्रामिंग भाषा में कम्प्यूटर को डाटा स्टेटमेन्ट को पढ़ने का निर्देश देता है।

रीड (Read)

कम्प्यूटर की सहायता से किसी भी संग्रह माध्यम से डेटा को पढ़कर उसे स्मृति में भेजने की प्रक्रिया को रीड कहा जाता है।

रीड (Read)

कम्प्यूटर की सहायता से किसी भी संग्रह माध्यम से डेटा को पढ़कर उसे स्मृति में भेजने की प्रक्रिया को रीड कहा जाता है।

रीड हैड (Read Head)

डिस्क ड्राइव का वह भाग जो डेटा को पढ़ने का कार्य करता है, रीड हैड कहलाता है।

रीड इंक (Read Ink)

जिस स्याही में कोई परिवर्तन ना होता हो उसे रीड इंक कहा जाता है।

रीड आउट (Read Out)

कम्प्यूटर का वह उपकरण जो प्रोसेस किये गये डेटाओं को आउट पुट के रूप में प्रदर्शित करते हैं।

रीबूट (Reboot)

कम्प्यूटर को ऑफ करके पुनः वापिस चालू करने की प्रक्रिया को रीबूट कहा जाता है।

रिसीवर (Receiver)

रिसीवर वह उपकरण होता है जो किसी मैसेज को प्राप्त करने का कार्य करता है।

रिकवर (Recover)

खराब हुई या गायब हुई फाइल को वापिस प्राप्त करने की प्रक्रिया को रिकवर कहा जाता है।

रीफार्मेट (Reformate)

डेटा का एक फार्मेट से दूसरे फार्मेट में परिवर्तन रिफार्मेट कहलाता है।

रिपोर्ट (Report)

कम्प्यूटर की सहायता से प्रदान किया जाने वाला परिणाम रिपोर्ट कहलाता है।

रिलोकेट (Relocate)

कोई भी प्रोग्राम जिसे संग्रह माध्यम में से कहीं भी उपयोग किया जा सकता है, उसे रिलोकेट कहा जाता है।

रीपोर्ट जनरेटर (Report Generator)

आउट–पुट का निर्माण करने वाला प्रोग्राम रिपोर्ट जनरेटर (Report Generator) कहलाता है।

रिस्रोत (Resource)

कम्प्यूटर को शक्ति देने वाले उपकरणों को रिस्रोत कहा जाता है।

रिट्रोफिट (Retrofit)

किसी कम्प्यूटर प्रणाली को अपग्रेड करने की प्रक्रिया को रिट्रोफिट कहा जाता है।

रियल टाइम तकनीक (Real Time Technique)

रियल टाइम तकनीक द्वारा काम और भी अधिक तीव्र गति से होता है। यह मशीन की चाल आदि को नियंत्रित करने के लिये अत्यन्त उपयोगी है।

रिकार्ड लम्बाई (Record Length)

रिकार्ड में कुछ निश्चित संख्या में चिन्ह होते हैं तथा रिकार्ड में चिन्हों की कुल संख्या को उसकी रिकार्ड लम्बाई कहा जाता है।

रिटर्न की (Return Key)

की–बोर्ड की एन्टर की (Enter Key) को रिटर्न की (Return Key) भी कहा जाता है।

रियल टाइम (Real Time)

मूल जीवन में कोई कार्य जितने समय में हो उतना ही समय तकनीकी दृष्टि से लगे।

रिटर्न 'की' (Return Key)

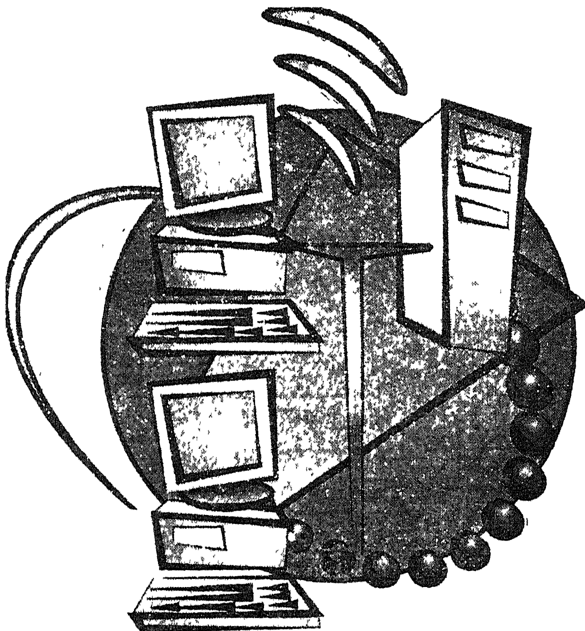
एक 'की' जिसका कुछ टर्मिनल पर एन्टरी 'की' के रूप में उपयोग होता है।

रिंग (Ring)

यह एक नेटवर्क टोपोलोजी या नेटवर्क का प्रकार है।

रिंग नेटवर्क (Ring Network)

इस प्रकार के नेटवर्क में अनेक उपभोक्ता नोड एक-दूसरे से एक मुद्रिका रूप में जुड़े होते हैं। इसमें सूचना का संचार एक ही दिशा में होता है।



रिमोट (Remote)

रिमोट से तात्पर्य दूरी पर स्थित होने से है। दूरस्थ अभिगम का अर्थ है, ऐसे टर्मिनल या कम्प्यूटर पर सूचना प्राप्त करना जो मुख्य संसाधक या कम्प्यूटर से दूरी पर स्थित हो।

रियेल पता (Real Addrese)

वास्तविक स्मृति में पूर्व पते को ही रियेल पता कहा जाता है।

रियेल स्टोर (Real Store)

यह एक विशिष्ट हार्डवेयर संग्रह विधि है, जिसका एक ऑपरेटिंग सिस्टम में उपयोग विशिष्ट गतिविधि के लिये किया जाता है।

रियल टाइम क्लोक (Real Time Clock)

यह एक घड़ी है, जो कम्प्यूटर में स्वयं द्वारा बनाई जाती है तथा यह घड़ी वर्ष, महीना, दिनांक और समय को प्रदर्शित करती है। यह डाटा स्टोरिंग के लिये उपयोगी होती है।

रिसिव ऑनली (Receive Only)

यह एक उपकरण है, जो केवल डाटा रिसिव ही करता है।

रिकार्ड (Record)

रिकार्ड से तात्पर्य डाटाबेस (Database) के प्रत्येक प्रविष्टि से है।

रिकार्ड फॉर्मेट (Record Formet)

रिकार्ड फार्मेट से तात्पर्य एक फाइल में रिकार्ड के व्यवस्थापन से है।

रेडियो शेक (Radio Shack)

यह एक प्रसिद्ध एवं मशहूर कम्प्यूटर निर्माता है।

रेंडम एक्सेज (Random Access)

जब किसी विशेष रिकार्ड का उपयोग करना चाहते हैं तो उसकी कुंजी के मान के अनुसार तुरन्त उस रिकार्ड तक पहुँच सकते हैं। ऐसे उपयोग को रेंडम एक्सेज कहा जाता है।

रेम (RAM)

इसका पूरा नाम "Randam Access Memory" है। यह कम्प्यूटर की प्राथमिक स्मृति है। यह कम्प्यूटर का वह भाग है, जहाँ सूचनायें कम समय के लिये संग्रहीत की जाती हैं। इसमें संग्रहीत सूचना को कभी भी हटाया जा सकता है।

रेडीमेड सॉफ्टवेयर (Ready Made Software)

बाजार से खरीदे गये सॉफ्टवेयर को रेडीमेड सॉफ्टवेयर कहा जाता है। यह अधिकतर उपयोगकर्त्ता की माँग की पूर्ति हेतु किया गया है। यह सॉफ्टवेयर सस्ते पड़ते हैं।

रेन (REN)

यह एम.एस.-डॉस का समादेश है तथा इसकी सहायता से वर्तमान फाइल को नया नाम दिया जाता है।

रेक्टीफाइर (Rectifier)

यह इलेक्ट्रॉनिक विधि है, जिसका उपयोग एसी (AC) को डीसी (DC) में परिवर्तित करने हेतु किया जाता है।

रेलिन (RLIN)

इसका पूरा नाम "Research Libraries Information Networke" है। वह अमेरिका का शोध पुस्तकालयों का नेटवर्किंग है, जिससे 400 से भी अधिक पुस्ताकालय जुड़े हुए हैं।

रेपलिकेट (Replicate)

यह डी-बेस (d-Base) का समादेश है।

रेसक्यू (RESQ)

यह एक सॉफ्टवेयर है, जिसका निर्माण सोनाटा (SONATA) द्वारा किया गया जो भारतीय ऑरगेनिक कैमिकल्स लिमिटेड का सॉफ्टवेयर डिविजन है।

रेम कार्ड (RAM Card)

वह सर्किट बोर्ड जिस पर रेंडम एक्सेस मैमोरी के चिह्न लगे होते हैं, उन्हें रेम कार्ड कहा जाता है।

रेडिक्स (Radix)

किसी अंकन प्रणाली पर आधारित अंक रेडिक्स कहलाता है।

रेडम फाइल्स (Radom Files)

वह फाइलें जो किसी क्रम में नहीं होती है वह रेडम फाइल्स कहलाती हैं।

रेंडम प्रोसेसिंग (Random Processing)

बिना किसी क्रम में की गई प्रोसेसिंग प्रक्रिया को रेंडम प्रोसेसिंग कहा जाता है।

रोम (ROM)

इसका पूरा नाम "Read Only Memory" है। यह भी कम्प्यूटर की प्राथमिक स्मृति है। इस प्रकार की स्मृति में दिये गये आँकडे एवं सूचनायें स्थायी रूप से संग्रहीत रहते हैं। इस प्रकार की स्मृति में नई सूचनाओं को जोड़ा नहीं जा सकता है।

रोबट (Robot)

कम्प्यूटर एक लोहे के आदमी के समान ही होगा, शक्ल में नहीं अक्ल से। अन्त में जो मानव के समान कार्य कर सके उन्हें ही रोबट कहा जाता है।

रोबोट लेन (Robot Lan)

यह वह प्रोग्रामिंग भाषा है जिसका उपयोग रोबोट को निर्देश देने के लिये किया जाता है।

रोबोट कन्ट्रोल भाषा (Robot Control Language)

इस प्रोग्रामिंग भाषा का विकास केन्द्रीय रोबोडस एवं अन्य एआई इन्स्ट्रूमेन्टस् (AI Instruments) के लिये किया गया है।

रोबोटिक्स (Robotic)

आर्टिफिशियठ्ठ इन्टेलीजेंस नामक भाषा का दूसरा नाम।

रोच जोन (Roach John)

यह टेन्डे कॉरपोरेशन के उपाध्वस है तथा इन्होंने 1977 में रेडियो शेक टी आर एस-80 नामक माइक्रो कम्प्यूटर का निर्माण किया।

रोल आउट (Roll Out)

आन्तरिक मैमोरी के तत्त्वों को बाहरी या सैकण्ड्री मैमोरी में कॉपी करने को रोल आउट कहा जाता है।

रोटेशन (Rotation)

कम्प्यूटर में निर्मित किसी आब्जेक्ट या इमेज को घुमाना।

रोड मैमोरी (Rod Memory)

कम्प्यूटर में प्रयोग की जाने वाली एक मैमोरी का प्रकार है।

ल

लाइट पेन (Light Pen)

यह कम्प्यूटर पर लिखने, चित्र बनाने आदि कार्यों की सीधी सुविधा प्रदान करते हैं। इसे लाइट पेन इसलिये कहा जाता है, क्योंकि यह प्रकाश संवेदी होता है।

लासर (Laser)

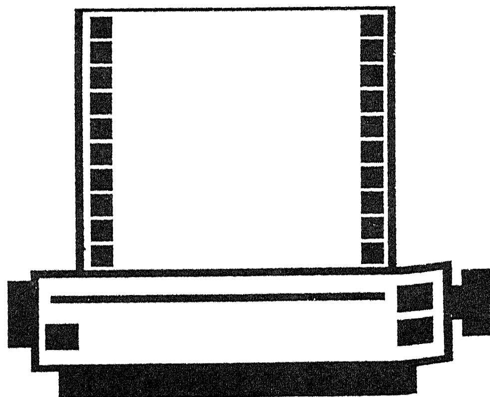
इसका पूरा नाम "London and South Eastern Library Region" है। यह एक ऐसा संगठन है जो दक्षिणी-पूर्वी इंग्लैण्ड के लिये कम्प्यूटरीकृत सहयोगी सूचीकरण का कार्य करता है।

लार्ज स्केल इन्टरिगेशन (Large Scale Integration)

इनका उपयोग चौथी पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक के रूप में किया गया। इनका निर्माण 1969 में किया गया।

लाइन प्रिन्टर (Line Printer)

लाइन प्रिन्टर से एक समय में एक लाइन छापी जाती है और इसकी छपाई में इम्पेक्ट विधि का प्रयोग किया जाता है।



लाइब्रेरियन (Librarians)

यह व्यक्ति पुस्तकालय का नियन्त्रण करता है, जहाँ मैगनेटिक फाइल्स और प्रोग्राम्स रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी (Library)

लाइब्रेरी से तात्पर्य उस जगह से है, जहाँ मैग्नेटिक टेप को संग्रहित किया जाता है।

लाइब्रेरी ऑटोमेशन (Library Automation)

लाइब्रेरी ऑपरेशन्स एवं सर्विस के लिये कम्प्यूटर की सहायता लेने को ही कम्प्यूटर ऑटोमेशन कहा जाता है।

लाइब्रेरी टेप (Library Tap)

कम्प्यूटर प्रणाली में मैगनेटिक टेप पर लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर को रखा जाता है।

लाइट मशीन्स (Light Machines)

यह एक एजूकेशनल सॉफ्टवेयर पैकेज है तथा इसका उपयोग भौतिकशास्त्र और रसायनशास्त्र शिक्षण हेतु किया जाता है।

लाइन (Line)

टेलीकम्प्यूनिकेशन प्रणाली में चैनल (Channel) के लिये इस टर्म का उपयोग किया जाता है।

लाइन्स पर मिनिट (Lines Per Minute)

यह लाइन प्रिन्टर की गति की यूनिट है।

लाइन (Line)

यह हार्डवेयर कम सॉफ्टवेयर है, जिसका उपयोग दो और दो से अधिक उपकरणों को जोड़ने हेतु किया जाता है।

लाइनेक्स (Lynx)

यह Z-80 A प्रोसेसर आधारित माइक्रो कम्प्यूटर है।

लाइन चार्ट (Line Chart)

लाइन चार्ट की सहायता से डेटा का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है। यह एक प्रकार का ग्राफ होता है।

लाइन अंक (Line Number)

लाइन अंक से तात्पर्य बेसिक भाषा में लिखे हुये प्रोग्रामों की पंक्तियों के अंकों से है।

लाइनर प्रोग्रामिंग (Linear Programming)

लाइनर प्रोग्रामिंग से तात्पर्य उस प्रोग्रामिंग से है जिसका निर्माण विशेष प्रखार की समस्या के समाधान हेतु किया जाता है।

लीडिंग एण्ड (Leading End)

यह पेपर टेप के टुकड़े का क्षार होता है।

लीड साइडप्ले (Lead Sideplay)

यह एक उपकरण है, जिसका उपयोग कुछ कैलकुलेटरों और अंकीय घड़ियों में किया जाता है।

लीडर (Leader)

लीडर से तात्पर्य मैग्नेटिक टेप पर खाली स्थानों से है।

लिफर (Lifer)

यह एक प्राकृतिक भाषा इन्टराफेस डवलपमेंट टूल है।

लिंक रजिस्टर (Link Register)

यह ए एल यू (ALU) में एक बिट कैपेसिटी रजिस्टर है।

लिब्सिस (Libsys)

यह सॉफ्टवेयर पैकेज दिल्ली के इंफोटेक कन्सलटेंट द्वारा विकसित किया गया है। यह एक मेनु संचालित पैकेज है, जिसमें पुस्तकालय से सम्बन्धित सारी गतिविधियों को कम्प्यूटरीकृत करने की सुविधा है।

लिब्निज, ग्राटफीड वान (Leibniz, Grotfried Von)

जर्मन गणितज्ञ लिब्निज ने 1972 में एक गणक का निर्माण किया जो जोड़, घटाव के अतिरिक्त गुणा तथा भाग का भी कार्य करता था। इन्होंने अपने उपकरण का नाम स्टेप्ट रेकोनर (Stepped Reckoner) रखा। इसमें भी 0 से 9 तक की संख्याओं का प्रतिनिधित्व करने वाले दाँते तथा गेयर लगे थे।

लिंक (Link)

माउस कर्सर की वेब पेज पर बदलती आकृति, जिसके सहारे अन्य वेब पेज पर लिंक किया जा सके।

लिमिट चैक (Limit Cheek)

यह कम्प्यूटर की डेटा इनपुट को नियन्त्रित रखने की तकनीक है। इसकी सहायता इनपुट डेटा को नियन्त्रित किया जा सकता है।

लिंक (Link)

नेटवर्क में कम्प्यूटर को आपस में जोड़ने को लिंक कहा जाता है।

लिंकर (Linker)

लिंकर वह प्रोग्राम है जो छोटे-छोटे प्रोग्रामों को आपस में जोड़ने का कार्य करता है।

लिंकेज (Linkage)

लिंकेज की सहायता से दो अलग-अलग प्रोग्रामों को आपस में जोड़ा जा सकता है।

लिस्टिंग (Listing)

लिस्टिंग से तात्पर्य डेटा बेस का प्रिंटर द्वारा प्रिंट किये गये प्रिंट आउट से है।

लिस्ट प्रोसेसिंग भाषा (List Processing Language)

लिस्ट प्रोसेसिंग भाषा उसे कहा जाता है, जिसका उपयोग बहुत अधिक मात्रा में डेटा प्रोसेसिंग में किया जाता है।

लूप (Loop)

प्रोग्राम तथा फ्लो चार्ट बनाने के क्रम में आवश्यकतानुसार लूप का प्रयोग करना पड़ता है। यहाँ लूप से तात्पर्य किसी दिये गये अनुदेश का बार-बार तब तक पालन करना, जब तक निश्चित शर्तें पूरी नहीं हो जातीं।

लूप नेटवर्क (Loop Network)

लूप नेटवर्क में अनेक उपभोक्ता नोड एक-दूसरे से एक मुद्रिका रूप में जुड़े होते हैं। इसमें सूचना का संचार एक दिशा में होता है। अतः यह अत्यन्त तीव्र या कम समय में होता है।

लूप कोड (Loop Code)

लूप कोड वह कोड होता है जिसका प्रयोग लूप को बार-बार क्रियान्वित करने के लिये किया जाता है।

लूप तकनीकी (Lop Technology)

लूप तकनीकी वह तकनीकी है जिसकी सहायता से नेटवर्क प्रणाली में दो कम्प्यूटर आपस में जुड़े रहते हैं।

लूपिंग (Looping)

लूपिंग से तात्पर्य निर्देशों के एक समूह के रूप में लगातार क्रियान्वयन में है।

लूपिंग (Looping)

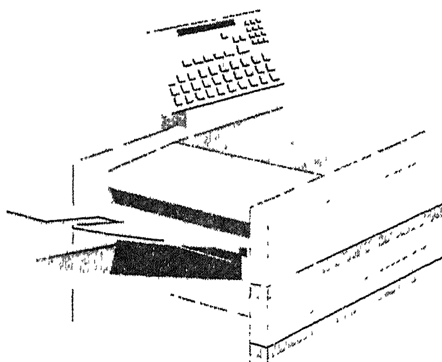
यह एक प्रोग्रामिंग तकनीक है।

लेजर (Laser)

इसका पूरा नाम "Light Amplification by the Simulated Emissional Rediation" है। इस तकनीक का विकास 1960 में हुआ। इस तकनीक द्वारा प्रकाश की एकरूपता ठोस, पतली और तीव्र किरण उत्पन्न की जाती है, जिसे लेजर किरण कहते हैं। इसका उपयोग अनेक कल्याणकारी कार्यों तथा डेटा संचारण में किया जाता है।

लेजर प्रिन्टर (Laser Printer)

यह लेजर किरणों की सहायता से कार्य करता है। इससे छपाई करने में देर नहीं होती, किन्तु यह महँगा पड़ता है।



लेप (LAP)

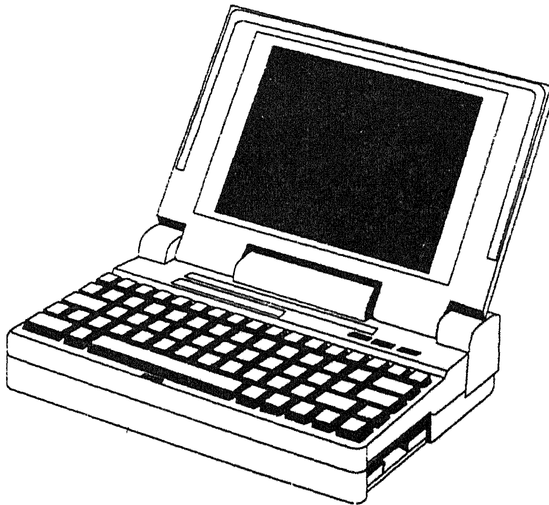
इसका पूरा नाम "लिंग एक्सेज प्रोटोकोल" (Link Access Protocol) है।

लेप कम्प्यूटर (Lap Computer)

लेप कम्प्यूटर से तात्पर्य ऐसे कम्प्यूटर से है जिसका उपयोग घुटने पर रखकर आसानी से किया जा सकता है।

लेप टोप कम्प्यूटर (Lap Top Computer)

यह फोलडिंग नोट बुक और ब्रीफकेश के आकार का पोर्टेबल कम्प्यूटर है। इस प्रकार के कम्प्यूटरों का वजन 5 Kg. से भी कम होता है।



लेजर डिस्क (Laser Disk)

यह एक मास संग्रह उपकरण है तथा यह 12 इंच की प्लास्टिक डिस्क है। इसमें सूचना को रिकोर्डिड किया जाता है तथा लेजर की सहायता से पढ़ा जा सकता है।

लेबल रिकार्ड (Label Record)

यह एक मैग्नेटिक रिकार्ड है, जो कि मैग्नेटिक टेप पर संग्रहीत रहता है।

लेक्स (Lex)

यह डाटा कनवरशन सॉफ्टवेयर है तथा इसका उपयोग डाटाओं का एक भाषा फॉर्मेट में दूसरी भाषा में परिवर्तित करने हेतु किया जाता है।

लेबल (Label)

यह डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम का एक कमाण्ड है जिसका उपयोग फ्लॉपी डिस्क व हार्ड डिस्क का वोल्यूम लेबल बदलने में किया जाता है।

लेआउट (Layout)

लेआउट से तात्पर्य किसी वस्तु के सम्पूर्ण रेखाचित्र से है।

लेंडस्केपस (Landscapes)

माइक्रो सॉफ्टवेयर का एक सॉफ्टवेयर है जो माइक्रो कम्प्यूटरों के लिये होता है।

लैटर क्वालिटी प्रिंटर (Letter Quality Printer)

वह प्रिंटर जिसकी सहायता से बहुत अच्छी क्वालिटी के अक्षर प्रिंट होते हैं।

लैंग्वेज (Language)

किसी भी कार्य को सम्पन्न करने हेतु भाषा की आवश्यकता होती है। कम्प्यूटर के द्वारा बेसिक, पास्कल, कोबोल, फोट्रोन जैसी उच्चस्तरीय भाषाओं का निर्माण किया गया है।

लैंग्वैज ट्रांसफर (Language Transfer)

यह एक प्रोग्राम को एक भाषा से दूसरी भाषा में परिवर्तित करने का कार्य करता है।

लैटर (Letter)

यह एक करेक्टर का अल्फाबेट है।

लो-लेवल भाषा (Low Level Languages)

कम्प्यूटर शब्दावली में मशीन भाषा तथा असेंबली भाषा को निम्न स्तरीय या लो लेवल भाषा कहा जाता है। इस भाषा को द्विआधारी संख्या में लिखा जाता है। इनके कोड से निर्मित भाषा में लिखे गए प्रोग्राम को कम्प्यूटर तुरन्त समझ लेता है क्योंकि यह एक विद्युत संचालित मशीन है।

लोगो (Logo)

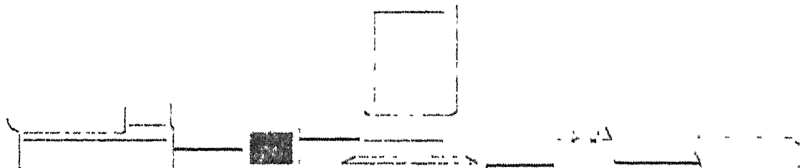
यह एक प्रोग्रामिंग भाषा है, जो कि शिक्षा के क्षेत्र की प्रसिद्ध भाषा है।

लोकेशन बार (Location Bar)

वेबसाइट का एड्रेस टाइप करने का स्थान।

लोकल एरिया नेटवर्क (Local Area Network)

इसे संक्षिप्त में लेन के नाम से जाना जाता है। इस प्रकार के नेटवर्क में एक भवन या आमवास के भवनों में रखे कम्प्यूटरों/टर्मिनलों के बीच डेटा संचारण किया जा सकता है।



लोक अप की बोर्ड (Lock up Key Board)

यह की बोर्ड की वह अवस्था है इसके बाद की-बोर्ड की कोई भी की (Key) अपना कार्य नहीं करती है।

लोटस 1-2-3 (Lotus 1-2-3)

यह थ्री इन वन सॉफ्टवेयर है, जिसके तीन प्रसिद्ध कार्य निम्न हैं—स्परेड सीट, डाटाबेस और मैनेजमेंट।

लोडर (Loader)

लोडर से तात्पर्य वह प्रोग्राम जो कार्य करने वाले प्रोग्राम को कम्प्यूटर की मुख्य स्मृति में भेजने से है।

लोड पोइन्ट (Load Point)

लोड पोइन्ट किसी चुम्बकीय टेप का वह स्थान होता है जहाँ से डेटा को संग्रह करना शुरू किया जाता है।

लोड एण्ड गो (Load-and-Go)

यह कम्प्यूटर की संचालित वह प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत कम्प्यूटर बिना रुके लगातार कार्य करता रहता है।

लोग (Log)

लोग से तात्पर्य डेटा प्रोसेसिंग के प्रयोग के लिये कम्प्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की क्रियाओं का हिसाब-खिताब रखने से है।

लोगिक (Logic)

किसी भी कम्प्यूटर का प्रोग्रामिंग इसी लोजिक या तर्क पर आधारित होता है।

लोगिन (Login)

किसी भी कम्प्यूटर के प्रयोग के लिये उसकी स्मृति में अपना नाम या पासवर्ड डालने की प्रक्रिया को लोगिन कहा जाता है।

लोगिन नेम (Login Name)

यह उपयोगकर्ता का वह नाम है जिसे कम्प्यूटर पहचान के पश्चात् कार्य करना शुरू करता है।

लोजिक गेट (Logic Gate)

लोजिक गेट वह कम्पोनेट होते हैं जिनका उपयोग डिजिटल मार्केट में किया जाता है।

लोजिक थ्योरी (Logic Theory)

लोजिक थ्योरी वह थ्योरी है जिस पर पूरा कम्प्यूटर आधारित होता है।

लोजिक सिम्बल (Logic Symbol)

लोजिक सिम्बल वह प्रतीक है जिनकी सहायता से लोजिक तत्त्वों को प्रदर्शित किया जा सकता है।

लोजिक ऑपरेटर (Logic Operator)

लोजिक ऑपरेटर से तात्पर्य कोई भी यूनियन ऑपरेटर से है जैसे O, AND, OR, NAND और MOR इत्यादि।

लोजिकल फाइल (Logical File)

लोजिकल फाइल वह फाइल होती है जिसमें एक या एक से अधिक लॉजिकल डेटा को स्टोर करते हैं।

लो आर्डर (Low Order)

लो आर्डर से यहाँ तात्पर्य किसी न्यूमेरिक संख्या के अन्तिम अंक से है।

लोवर केस (Lower Case)

लोवर केस से तात्पर्य अक्षरों के छोटे प्रकारों से है।

लोजिक तत्त्व (Logic Element)

वह उपकरण जिसके द्वारा कोई भी कार्य तर्कपूर्ण ढंग से पूरा किया जा सकता है उसे लोजिक तत्त्व कहा जाता है।

लोजिकल डेटा डिजाइन (Logical Data Design)

डेटा को प्रस्तुत करने वाला वह रेखाचित्र जिसकी सहायता से डेटा को तर्कपूर्ण ढंग से प्रदर्शित किया जा सकता है।

व

वरजन (Version)

वरजन से कम्प्यूटर के सम्बन्ध से तात्पर्य संस्करण (Edition) से है।

वरटीकल फॉर्मेट यूनिट (Vertical Format Unit)

यह एक प्रिन्टर में इलेक्ट्रॉनिक्स नियंत्रण का भाग है। यह प्रलेख के वरटीकल फॉर्मेट को प्रिन्ट करता है।

वर्ड लैन्थ (Word Length)

एक शब्द में अक्षरों की संख्या को वर्ड लैन्थ कहा जाता है।

वर्क सीट (Work Sheet)

लोट्स के अन्तर्गत बनी फाइल वर्क सीट कहलाती है।

वर्क वर्ष (Work Year)

किसी कार्य को पूरा करने में लगा वर्ष वर्क वर्ष कहलाता है।

वर्क स्पेस (Work Space)

कार्य करने के लिये बची जगह को वर्क स्पेश कहा जाता है।

वर्ड प्रोसेसिंग (Word Processing)

वर्ड प्रोसेसिंग से तात्पर्य है, कम्प्यूटर द्वारा पाठ संचालन **(Text Handling)** अथवा कम्प्यूटर द्वारा टंकण कार्य। वर्ड प्रोसेसिंग एक सॉफ्टवेयर है जो शब्द संसाधन में सक्षम है, जैसे—'वर्थ स्टार' नामक सॉफ्टवेयर।

वर्ड स्टार (Word Star)

वर्ड प्रोसेसिंग के लिये सर्वाधिक प्रचलित सॉफ्टवेयर वर्ड स्टार है। वर्ड प्रोसेसिंग से तात्पर्य पाठ (Text) का कम्प्यूटर द्वारा संचालन है। वर्ड स्टार एकल प्रयोक्ता सॉफ्टवेयर है तथा गैस पर कार्य करता है। इसके समादेश बहुत ही सरल हैं। इसके ओपनिंग मेनु में निम्नलिखित समादेश आते हैं—

D	Open a Document	L	Change Logged Drive
N	Open a Non document	C	Protect a File
P	Print a File Merge	E	Rename A File
	Point a File Index a Document	D	Copy a File
T	Table d Contents	Y	Delete a File
X	Exit Word Star	F	Turn Directory off
J	Help		RRun a Dos Command
			Esc Shorthand

वर्ल्ड लोर्ड (World Lord)

यह सॉफ्टवेयर शोध समूह (Software Research Group) के लिये वर्ड प्रोसेसिंग पैकेज है।

वाल (VAL)

इससे तात्पर्य "Vicarm Arm Language" है। इस कम्प्यटूर भाषा का उपयोग रोबोट नियन्त्रण के लिये किया जाता है।

वाट फॉर (Wat For)

यह कम्प्यूटर की प्रोग्रामिंग भाषा फोट्रान (FORTRAN) का नवीन संस्करण या वरजन है।

वार्म अप टाइम (Warm Up Time)

स्विच ऑन से लेकर कम्प्यूटर के कार्य करने में लगने वाले समय को वार्म अप टाइम कहा जाता है।

वायरस (Virus)

वायरस कम्प्यूटर के सन्दर्भ में एक हानिकारक प्रोग्राम है। ये विशेष रूप में लिखे गए प्रोग्राम हैं, जो कम्प्यूटर की कार्य प्रणाली की कार्यक्षमता को नष्ट कर देते हैं।



वाइसीविंग (WYSIWYG)

इसका पूरा नाम "What You See in What You Giet" है। इसका तात्पर्य कम्प्यूटर के परदे पर पाठ को जैसा दिखाया जा रहा है, वैसा ही पाठ हू-ब-हू मुद्रित होगा।

वार्म एक्सप्लोर जिप (Worm Explore Zip)

ई-मेल के द्वारा फैलने वाला वायरस है, जो कि ई-मेल द्वारा एटेचमेंट के रूप में जाना जाता है। इसकी सर्वप्रथम उत्पत्ति इजरायल में हुई थी।

व्यापक क्षेत्रक नेटवर्क (Wide Area Network)

यह नेटवर्क व्यापक स्थानों में कार्य करता है तथा इन स्थानों में रखे कम्प्यूटर एक-दूसरे से डेटा संचारण के लिये जुड़े होते हैं। इस प्रकार के नेटवर्क में स्थानक नेटवर्कों को एक-दूसरे से 'गेटवे' (Gateway) के माध्यम से जोड़ दिया जाता है।

वी.बी.एस. लव लेटर (VBS Love Letter)

यह सबसे नवीन कम्प्यूटर वायरस है। मूल रूप से यह मनीला, फिलीपींस में उत्पन्न हुआ है तथा यह वायरस स्वयं का ई-मेल एड्रेस माइक्रोसॉफ्ट आउट लुक की एड्रेस लुक में बनाता है और स्वयं इनसेट के चेट के रूप में एम.आई.आर.सी. के द्वारा पहुँचता है।

वीडियो टेक्स (Videos Tex)

वीडियो टेक्स सेवा में दो तरफा सुविधा होती है तथा इसमें तीन प्रकार की सुविधायें होती हैं—

(1) केन्द्रीय संसाधक कम्प्यूटर में विशाल सूचना का भण्डारण।

(2) दूरसंचार माध्यमों के द्वारा उपभोक्ताओं से सूचना प्राप्त करना।

(3) सम्बन्धित सूचना को उपभोक्ताओं तक पहुँचना।

वीडियो स्कैनर (Vedio Scanner)

यह टेलीविजन या वीडियो रेकार्डर में उपस्थित या दर्शाए गये किसी चित्र को सीधा कम्प्यूटर में उतार देते हैं।

व्हील प्रिन्टर (Wheel Printer)

व्हील प्रिन्टर में स्पीक लगे हुए पहिए से कार्य लिया जाता है। प्रत्येक स्पीक धातु पिड के ऊपर एक अंकाक्षर बना होता है। जब मुद्रण कार्य प्रारम्भ

होता है तो पहिया घूमने लगता है। जब मुद्रण स्थल पर अपेक्षित स्पीक पहुँचता है तो प्रिन्टर में हथौड़ा उस पर चोट कर अपेक्षित अंकाक्षर को रिबन के माध्यम से कागज पर प्रिन्ट कर देता है।

वी.डी.यू. (VDU)

इसका पूरा नाम "Visual Dısplay Units" है। यह कम्प्यूटर का सर्वाधिक सुदृष्ट एवं विशद् अंग है। यह टेलीविजन सेट के जैसा दिखाई देता है। इसे कैथोन रे ट्यूब भी कहा जाता है तथा इसका निर्माण बानडीमीर इरोन्विन ने किया था।

वीड (Weed)

कम्प्यूटर की किसी भी फाइल में से अनावश्यक सूचना को बाहर निकालने की प्रक्रिया को वीड कहा जाता है।

वीडियो कान्फ्रेंस (Vedio Conference)

वीडियो कान्फ्रेंस में अलग-अलग स्थानों पर लोगों के दो या दो से अधिक समूह आपस में सुन एवं देखकर बातचीत कर सकते हैं।

वीडियो डिजिटर (Vedio Digiter)

यह इनपुट उपकरण है। यह वीड़ियो कैसेट में सिग्नल प्राप्त करता है तथा कम्प्यूटर मैमोरी में सूचना का संग्रह करता है।

वीडियो टेक्स एडोप्टर (Video Tex Adopter)

यह एक कम कितनी उपकरण है जिसका उपयोग मॉडम एवं वीडियो टेक्स डीकोडर (Vıdeo Tex Decoder) में किया जाता है।

वीजवल इन्फॉर्मेशन प्रोसेसर (Visual Information Processor)

यह एक सॉफ्टवेयर है तता इस सॉफ्टवेयर के प्रोग्राम को कम्पनियाँ सामान्य पाठकों के लिये तैयार करती हैं।

वीम (VM)

यह मेडिकल आधारित एक्सपर्ट प्रणाली है।

वीआईसी-20 (VIC-20)

यह एक 6502 आधारित माइक्रो कम्प्यूटर है, जो Sk RAM रखता है। यह छोटा स्टेडी होम कम्प्यूटर हैं, जिसमें कलर ग्राफिक्स और अवाज भी होती है।

विलिसिस (Wilysys)

इसे विप्रो लाइब्रेरी सिस्टम (Wipro Library System) भी कहते हैं। यह एक मेनु संचालित पुस्तकालय प्रयुक्त सॉफ्टवेयर है, जिसे विप्रो कम्पनी ने विकसित किया है।

विन्डोज (Windows)

यह विशिष्ट प्रोग्राम है, जिसका संचालन डॉस समादेश के अन्तर्गत किया जाता है।

विप (WIP)

इसका पूरा नाम "Work in Process Wafers in Process" है।

विर्थ, निकलॉन्स (Wirth, Niklans)

1970 में इन्होंने उच्चस्तरीय भाषा पास्कल का निर्माण किया, जिसका नाम फ्रेंच गणित का ब्लेज पास्कल के नाम पर रखा। सिस्टम प्रोग्राम तैयार करने हेतु यह उपयोगी भाषा है।

विडीकोन (Vidicon)

टी.वी. कैमरे में लगी ट्यूब को विडीकोन कहा जाता है।

विपस (WPS)

यह वर्ड प्रोसेसिंग सोसाइटी का संक्षिप्त नाम है। यह संगठन विद्यालयों में वर्ड प्रोसेसिंग के एजूकेशनल प्रोग्राम का विकास करता है।

वेकुम ट्यूब (Vacuum Tube)

वेकुम ट्यूब का प्रयोग प्रथम पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक के रूप में किया गया तथा इस प्रकार के कम्प्यूटरों की शुरुआत 1951 में हो गई थी।

वेनड (Wand)

यह बार कोड (Bar Code) पढ़ने वाला हैण्डी उपकरण या यंत्र है।

वेक्स (VAX)

यह लार्ज माइक्रो कम्प्यूटर प्रणाली है, जिसका निर्माण डिजिटल इक्विपमेन्ट कॉरपोरेशन (Digitial Equipment Corporation) द्वारा किया जाता है।

वेनडर (Vender)

वह व्यक्ति या संस्था जो सामान बेचती है वह वेनडर कहलाती है।

वेक्टर (Vector)

एक पंक्ति में लिखे अंकों की सूची को वेक्टर कहा जाता है।

वेब (Wave)

यह उच्चस्तरीय इन्ट्रेगेटिव भाषा है, जिसका विकास 1971 में स्टेन्डफोर्ड (Standford) विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

वेरी हाई फिरक्वेन्सी (Very High Ferquency)

फिरक्वेन्शी वेन्ड 30-3000 mH_2 के मध्य होता है।

वेरी लार्ज स्केल इन्टीग्रेशन (Very Large Scale Integration)

एक चिप्पड़ पर लाखों ट्रांजिस्टरों को प्रस्थापित कर सर्किट बनाया जाता है तथा इसे चतुर्थ पीढ़ी के कम्प्यूटरों में केन्द्रीय संसाधक ईकाई के रूप में काम लिया जाता है।

वैल्यू एडेड नेटवर्क (Value Added Network)

यह एक अत्यन्त तीव्र गति से कार्य करने वाला नेटवर्क सिस्टम है।

वोल्यूम (Volume)

यह मैमोरी डिवाइस की भौतिक इकाई है। जैसे मैगनेटिक डिस्क, टेप और रील।

वोल (VOL)

यह एक डॉस समादेश है, जो एक डिस्क पर वाल्यूम लेबल को प्रदर्शित करता है।

वोडर (Voder)

वह एक अवाज समझने वाला उपकरण है।

वोल्टेज (Voltage)

विद्युत प्रवाह के दबाव को वोल्टेज कहा जाता है।

वोल्टेज रेग्यूलेटर (Voltage Regulator)

इस उपकरण की सहायता से कम विद्युत प्रवाह को बढ़ाया जा सकता है।

स

सहायक मैमोरी (Auxiliary Memory)

सहायक मैमोरी को कम्प्यूटर के बाहर संग्रहीत किया जा सकता है। यह मुख्य मैमोरी से बहुत ही सस्ती होती है तथा इसकी सहायता से नष्ट होने वाली मुख्य मैमोरी को संग्रहीत कर उन्हें नष्ट होने से बचाया जा सकता है। सहायक मैमोरी कुछ चुम्बकीय उपकरणों के रूप में होती है, जैसे—फ्लॉपी डिस्क, हार्ड डिस्क, चुम्बकीय टेप इत्यादि। सहायक मैमोरी का उपयोग बैक-अप के लिये भी किया जाता है।

समय साँझा तकनीक (Time Sharing Technique)

जिसमें कम्प्यूटर कई प्रयोक्ताओं का कार्य साथ-साथ करता है तथा अपना समय छोटे-छोटे टुकड़ों में बाँटकर कार्य करता है, को टाइम शेयरिंग तकनीक कहते हैं।

सहायक भण्डारण उपकरण (Auxiliary Storage Devices)

सभी डाटाओं को मुख्य मैमोरी में नहीं रखा जा सकता। इस हेतु जो डाटा लगातार काम नहीं आते हैं, उन्हें सहायक भण्डारण उपकरणों में कम्प्यूटर के बाहर संग्रहित कर लिया जाता है। सहायक भण्डारण उपकरण के रूप में फ्लॉपी डिस्क, मैगनेटिक टेप इत्यादि।

सक्हेमा (Schema)

यह कम्प्यूटर की उच्चस्तरीय भाषा है।

सब-सिस्टम (Sub-System)

वह सहायक कम्प्यूटर जो मुख्य कम्प्यूटर के कार्य में सहयोग करता है वह सहायक कम्प्यूटर कहलाता है।

सर्च (Search)

कम्प्यूटर में संग्रहीत किसी भी सूचना में से अपनी फाइल को ढूँढ़ने की प्रक्रिया को सर्च कहा जाता है।

सस्पेन्ड (Suspend)

कम्प्यूटर के किसी प्रोग्राम को अस्थाई रूप से कार्य करने हेतु रोकने को सस्पेन्ड कहा जाता है।

सरनेट (SIRNET)

इसका पूरा नाम "Scientific and Industrial Research Network" है। यह देश के विभिन्न भागों में स्थित विभिन्न प्रयोगशालाओं के बीच सूचना संचार के लिये बनाया गया व्यापक स्थान । नेटवर्क है। यह भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

सर्च टाइम (Search Time)

संग्रह माध्यम में से विशिष्ट सूचना को कम्प्यूटर द्वारा खोजने में लगने वाले समय को सर्च टाइम कहा जाता है।

सर्वर (Server)

अन्य कम्प्यूटरों को सूचना उपलब्ध करवाने वाला शक्तिशाली कम्प्यूटर सर्वर कहलाता है।

स्माल स्केल इन्टीग्रेशन (Small Scale Integration)

इसका प्रयोग कम्प्यूटर की तीसरी पीढ़ी में केन्द्रीय संसाधन के रूप में किया जाता है। एक छोटे से चिप्पड़ पर 100 ट्रांजिस्टरों को स्थापित किया जा सकता है। यह ट्रांजिस्टरों का परिवर्द्धित जाल है।

स्पेस (Space)

एक और अधिक अक्षरों के खाली स्थान को स्पेस कहा जाता है।

स्पेशल परपज कम्प्यूटर (Special Purpose Computer)

विशिष्ट प्रकार की प्रोब्लम के लिये तैयार कम्प्यूटर विशिष्ट उद्देश्य वाला कम्प्यूटर कहलाता है।

स्क्रीन (Screen)

स्क्रीन को विजुअल डिस्प्ले यूनिट (Visual Display Unit) भी कहा जाता है तथा इसका कम्प्यूटर की सूचना को प्रदर्शित करने के लिये किया जाता है।

कम्प्यूटर
शब्द-कोश

स्पुल (Spool)

मैगनेटिक टेप की रील को स्पुल कहा जाता है।

स्कोप (Scope)

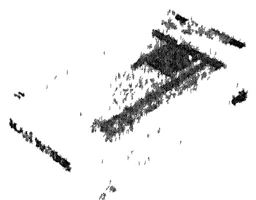
स्कोप से तात्पर्य सॉफ्टवेयर प्रोग्राम के नियुक्त रेंज से है।

स्क्रीपसीट (Scripsit)

यह एक सॉफ्टवेयर है, जिसका उपयोग वर्ड प्रोसेसिंग में किया जाता है।

स्कैनर (Scanner)

स्कैनर कागज पर बने किसी भी वस्तु, फोटो, चित्र, लेख आदि का पूरे का पूरा बिम्ब कम्प्यूटर में निवेशित कर देता है। यह अप्टिकल करेक्टर रिकोग्निशन की तकनीक के आधार पर पूरा बिम्ब कम्प्यूटर पर उतार लेने में समर्थ है।



स्कैनिंग (Scanning)

स्कैनर की सहायता से स्कैन करने की प्रक्रिया को स्कैनिंग कहा जाता है।

स्मार्ट कार्ड (Smart Card)

स्मार्ट कार्ड को मैमोरी कार्ड के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रयोग सबसे पहले फ्रांस में किया गया। इन कार्डों में एक छोटी चिप या माइक्रो प्रोसेसर लगा होता है, जिस पर सूचनायें अंकित की जाती हैं। ये सूचनायें इस प्रकार गुप्त रखी जाती हैं कि कोई दुरुपयोग न हो पाये।

स्टेप्ड रेकोनर (Stepped Reckoner)

1672 में जर्मन गणितज्ञ जाटफ्रीड वान लिब्निज (Goltfried Von Leibniz) ने एक नई गणक का निर्माण किया जो जोड़, घटाव के अतिरिक्त गुणा व भाग का भी कार्य करता है तथा इसका नाम स्टेप्ट रेकोनर रखा।

स्वचलन (Automation)

डेटा तथा अनुदेशों को भण्डारित कर देने के बाद का लगभग सारा कार्य कम्प्यूटर स्वयमेव कर लेता है।

स्फूर्ति (Agility)

इतनी तेज गति से इतने अधिक कार्य करने के बावजूद कम्प्यूटर कभी नहीं थकता है तथा लगातार कार्य करता रहता है।

स्टार नेटवर्क (Star Network)

इस प्रकार के नेटवर्क में अकेली केन्द्रीय कम्प्यूटर प्रणाली सारे उपभोक्ताओं को सेवा देती है। इसमें एक केन्द्रीय कम्प्यूटर होता है, जिससे सारे उपभोक्ता सीधे जुड़े होते हैं। केन्द्रीय कम्प्यूटर को सेन्ट्रल नोड तथा सदस्य कम्प्यूटरों को उपभोक्ता नोड कहा जाता है।

स्मृति (Memory)

स्मृति से तात्पर्य उस स्थान से है, जहाँ अनुदेश तथा डेटा भण्डारित किये जाते हैं। कम्प्यूटर के लिये डेटा तथा अनुदेश कम्प्यूटर के अन्दर तथा बाहर दोनों जगहों पर भण्डारित किये जा सकते हैं। कम्प्यूटर स्मृति को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है—

(1) प्राथमिक स्मृति

(2) माध्यमिक स्मृति।

स्कोप (Scope)

किसी भी कम्प्यूटर सोफ्टवेयर की कार्य सीमा को स्कोप कहा जाता है।

स्क्रीन जनरेटर (Screen Generator)

कम्प्यूटर का यह प्रोग्राम जो स्क्रीन के डिस्प्ले को नियंत्रित रखता है उसे स्क्रीन जनरेटर कहा जाता है।

स्कोरलिंग (Scorlling)

कम्प्यूटर स्क्रीन पर आँकड़ों को ऊपर-नीचे करने की प्रक्रिया को स्कोरलिंग **(Scorlling)** कहा जाता है।

स्वारम (Swarm)

कम्प्यूटर प्रोग्राम के अन्दर आने वाली खराबी को स्वारम **(Swarm)** कहा जाता है।

स्टाइलस (Styles)

यह एक इनपुट उपकरण है जो कि पेन की तरह दिखाई देता है।

स्टोरेज ट्यूब (Storage Tube)

यह पाँचवीं पीढ़ी के कम्प्यूटरों के लिये आँकड़े संग्रहीत करने के लिये बनाया गया एक उपकरण है।

स्टोर्ड प्रोग्राम कम्प्यूटर (Stored Program Computer)

इस तकनीकी का उपयोग डिजिटल कम्प्यूटरों में किया जाता है।

स्ट्रोक (Stroke)

कम्प्यूटर के की-बोर्ड के किसी भी 'की' (Key) को दबाने को स्ट्रोक कहा जाता है।

स्ट्रींग (String)

अक्षरों के समूह को स्ट्रींग कहा जाता है।

स्केच पेड (Sketch Pad)

इस उपकरण पर ड्राइंग बनाने से उसी समय कम्प्यूटर स्क्रीन पर भी ड्राइंग बनती चली जाती है।

स्लाइड (Slide)

यह फोटो को प्रस्तुत करने का एक माध्यम होता है।

स्मार्ट (Smart)

यह कम्प्यूटर में काम आने वाला वह उपकरण है जिसका अपनी स्वयं की माइक्रो प्रोसेसर होती है।

स्त्रोत कोड (Source Code)

उच्च स्तरीय भाषा में लिखे वह निर्देश जिसकी कार्य प्रणाली में आवश्यकता पड़ने पर आसानी से बदलाव किया जा सकता है।

स्त्रोत भाषा (Source Language)

स्त्रोत भाषा वह होती है जिस भाषा में कम्प्यूटर प्रोग्राम को लिखा जाता है।

स्त्रोत प्रोग्राम (Source Program)

स्त्रोत प्रोग्राम वह होता है जिसे किसी कम्प्यूटर की भाषा में लिखा जाता है।

स्पेस बार (Space Bar)

यह की बोर्ड की एक की (Key) है जिसकी सहायता से दो शब्दों का अक्षरों के मध्य स्पेस रखा जा सकता है।

स्पोलर (Spooler)

वह प्रोग्राम जो प्रिंटर को विंडोज वातावरण में नियन्त्रित करने का काम करता है, उसे स्पोलर कहा जाता है।

स्पलीट स्क्रीन (Split Screen)

कम्प्यूटर मॉनीटर की स्क्रीन को दो या दो से अधिक भागों में विभाजन स्पलीट स्क्रीन कहलाता है।

स्टार बिट (Star Bit)

यह वह बिट समूह है जो सीरियल ट्रांसमिशन के प्रारम्भ का संकेत देती है।

स्टेटिक मैमोरी (Static Memory)

यह स्मृति जब तक कार्य करती है जब तक कि कम्प्यूटर में विद्युत प्रभावित होती रहती है।

सॉफ्टवेयर (Software)

अनेक सम्बन्धित अनुदेशों के समुच्चय या समकलित रूप को प्रोग्राम कहते हैं तथा अनेक सम्बन्धित प्रोग्रामों के समुच्चय या समाकलित रूप को सॉफ्टवेयर कहते हैं। सॉफ्टवेयर के अभाव में कम्प्यूटर कोई कार्य नहीं कर सकता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर (Software Engineer)

जो सॉफ्टवेयर पैकेज का निर्माण करता है, उसे सॉफ्टवेयर इंजीनियर कहा जाता है।

सॉफ्टवेयर बेस (Software Base)

किसी विशेष प्रकार के कम्प्यूटर के लिये निर्मित सॉफ्टवेयर को सॉफ्टवेयर बेस कहा जाता है।

सॉफ्टवेयर विकास (Software Development)

कम्प्यूटर सोफ्टवेयर निर्माण की प्रक्रिया को सॉफ्टवेयर विकास कहा जाता है।

सॉफ्टवेयर विकास (Software Development)

कम्प्यूटर सोफ्टवेयर निर्माण की प्रक्रिया को सॉफ्टवेयर विकास कहा जाता है।

सॉफ्टवेयर मॉनीटर (Software Monitor)

मॉनीटर कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की कार्यक्षमता पर नजर रखता है।

सॉफ्टवेयर पैकेज (Software Package)

यह लिखित प्रोग्रामों का संग्रह है तथा इनको विशिष्ट कम्प्यूटर के लिये खरीदा जा सकता है।

सॉफ्टवेयर सुरक्षा (Software Security)

सॉफ्टवेयर की सुरक्षा से तात्पर्य कम्प्यूटर में स्टोर की गई सूचनाओं तथा प्रोग्रामों की सुरक्षा से है। यह सुरक्षा कम्प्यूटरीकरण के सभी स्तरों पर प्रारम्भ से अन्त तक की जानी चाहिए।

साइबरस्पेस (Cyberspace)

साइबरस्पेस विश्व स्तर पर सूचना के तीव्र संचार के लिये तैयार किया गया एक 'रियल टाइम' ऑन लाइन सूचना हाइवे है। यह काम इंटरनेट नामक अन्तर्राष्ट्रीय सूचना नेटवर्क के माध्यम से सम्पादित होगा, जिससे विश्व के 150 से भी अधिक देशों के कई मिलियन कम्प्यूटर जुड़े हैं। इस शब्द का प्रयोग सबसे पहले (William Gibson) ने 1984 में अपनी Neuromatics नामक रचना में किया।

साइंटिफिक कम्प्यूटर (Scientific Computer)

वह कम्प्यूटर जिसका उपयोग साइंटिफिक डाटा प्रोसेसिंग हेतु किया जाता है।

साइंटिफिक लैंग्वेज (Scientific Language)

इस भाषा का विकास गणितीय एवं वैज्ञानिक (Mathematical & Scientific) प्रोग्राम लिखने के लिये किया गया है।

सामान्य संप्रेषण रूप (Common Communication Format)

इस संप्रेषण रूप का तात्पर्य कम्प्यूटर पठनीय ग्रन्थात्मक अभिलेखों के विभिन्न क्षेत्रों के लिये अनिवार्य टैग संख्याओं या अन्य निर्धारित कूटों का प्रयोग निश्चित कर विभिन्न पुस्तकालयों के समूह एवं डेटाबेसों में एकरूपता प्रदान करना ताकि इनके बीच सूचना का विनिमय एवं हस्तान्तरण सम्भव हो सके।

सार्ट कोड (Sort Code)

चैकों को मशीन द्वारा छाँटने के लिये इस कोड का उपयोग किया जाता है।

सी (C)

यह अमेरिका की बैल लेबोरेटरी द्वारा बनाई गई भाषा है। यह पास्कल में मिलती-जुलती लेकिन ज्यादा शक्तिशाली भाषा है। इससे निम्न एवं उच्चस्तरीय दोनों ही भाषाओं के गुण पाये जाते हैं। इसी कारण वर्तमान समय में अधिकांश कम्प्यूटरों में इसी भाषा का प्रयोग किया जाता है।

सीडीएस/आईएसआईएस (CDS/ISIS)

इसका पूरा नाम "कम्प्यूटराइज्ड डाक्यूमेंटेशन सिस्टम/इंटेग्रेटेड सेट्स ऑफ इन्फार्मेशन सिस्टम" है। यह मेनु संचालित है तथा सूचना के भंडारण, पुनः प्राप्ति एवं संप्रेषण के लिये एक सशक्त सॉफ्टवेयर है। इसका विकास यूनेस्को के "ऑफिस" उसमें इन्फार्मेशन प्रोग्राम्स एण्ड सर्विसेज 'के' सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट एण्ड एप्लीकेशन डिविजन ने इसे विकसित किया है।

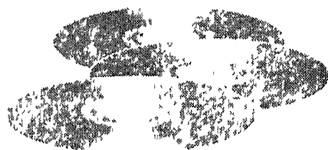
सी. एम. सी. (CMC)

इसका पूरा नाम "Computer Maintanance Corporation of India" है। इसने मेरीपी सॉफ्टवेयर कलकत्ता पुस्तकालय नेटवर्क के लिये तैयार किया था।

सी. एल. एस. (CLS)

यह एम.एस.-डॉस का समादेश है तथा इसकी सहायता से दृश्यपटल को साफ करने या दृश्यपटल पर लिखी सारी इबादतें मिटाकर दृश्य पटल को साफ किया जा सकता है।

सी. डी. रोम (CD-ROM)



इसका पूरा नाम काम्पेक्ट डिस्क रीड ऑनली मैमोरी" है। यह 12 सेमी. व्यास के आकार का होता है। इसे काम्पेक्ट डिस्क इसलिये कहा जाता है, क्योंकि इसमें भारी मात्रा में सूचना भरी जा सकती है। इसे रीड वनली मैमोरी इसलिये कहा जाता है क्योंकि इसमें भण्डारित सूचना को उपभोक्ता द्वारा केवल पढ़ा जा सकता है। उपभोक्ता उस पर कुछ लिख नहीं सकता था। भण्डारित नहीं किया जा सकता है।

सी ++ (C++)

यह प्रोग्रामिंग के लिये तैयार की गई भाषा सी का नवीनतम संस्करण है।

सी. ए. डी. (CAD)

इसका पूरा नाम "कम्प्यूटर एडेड डिजाइन" है।

सी. पी. यू. टाइम (CPU Time)

सेन्ट्रल प्रोसेसिंग इकाई को किसी भी प्रोग्राम को चलाने के लिये लगने वाले समय को सी. पी. यू. टाइम कहा जाता है।

सीरियल प्रिन्टर (Serial Printer)

यह प्रिन्टर एक समय में एक अक्षर प्रिन्ट करता है। इसके विपरीत लाइन प्रिन्टर एक समय में एक लाइन प्रिन्ट करता है।

सीरियल डाटा (Serial Data)

वह आँकड़े जो कम्प्यूटर में क्रमबद्ध तरीके से स्थानान्तरित होते हैं।

सीरियल प्रिंटर (Serial Printer)

इस प्रकार का मुद्रण यंत्र (Printer) जो सीरियल पोर्ट से जुड़कर अपना कार्य पूर्ण करता है।

सिंगल डेनसिटी (Single Density)

किसी भी डिस्क पर आँकड़े संग्रहीत करने की प्रक्रिया होती है।

सिलिकोन वैली (Silicon Valley)

यह अमेरिका का वह स्थान है जहाँ कम्प्यूटर के पार्टी का सबसे अधिक व्यापार होता है।

सिंगल स्टोप (Single Stop)

कम्प्यूटर की सहायता से एक समय में एक ही निर्देश को पालन करने को सिंगल स्टोप कहा जाता है।

सिस्टम प्रोग्रामर (System Programmer)

जो व्यक्ति ऑपरेटिंग सिस्टम की प्रोग्रामिंग करता है उसको सिस्टम प्रोग्रामर कहा जाता है।

सिस्टम डिस्क (System Disk)

वह डिस्क जिसमें ऑपरेटिंग सिस्टम को रखा जाता है।

सिस्टम टेस्टिंग (System Testing)

किसी भी कम्प्यूटर के प्रोग्राम की जाँच करने की प्रक्रिया को सिस्टम टेस्टिंगग कहा जाता है।

सिस्टम एनालिस्ट (System Analyst)

सिस्टम एनालिस्ट इस कार्य का अध्ययन करता है, जिसके लिये सॉफ्टवेयर बनाया जाता है और उस अध्ययन के अनुसार सॉफ्टवेयर का ढाँचा तथा प्रोग्रामों का विवरण तैयार करता है।

स्विफ्ट (SWIFT)

इसका पूरा नाम "Society for World Wide Interbank Financial Telecommunication" है। यह संसार भर के बैंकों की एक को-ऑपरेटिव सोसाइटी है। जो एक व्यापक एरिया नेटवर्क के रूप में कार्य करती है।

सिस्टम सॉफ्टवेयर (System Software)

सिस्टम सॉफ्टवेयर से हमारा तात्पर्य उन प्रोग्रामों से है, जो सिस्टम अर्थात् कम्प्यूटर को चलाने, उनके भागों की देखभाल करने, उसके कामों पर नजर रखने तथा उससे अधिक-से-अधिक अच्छा काम कराने का कार्य करते हैं। कम्प्यूटर से हमारा सम्पर्क सिस्टम सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही हो पाता है।

सिलिकन चिप्पड़ (Sillicon Chip)

यह डाक टिकिट के आकार की होती है तथा इस पर हजारों लाखों ट्रांजिस्टरों को स्थापित कर वृहद् श्रेणी संघटन तथा क्षति वृहद् श्रेणी संघटक को सम्भव बनाया गया है।

सिलिकोन (Silicon)

सिलिकोन को उपयोग सेमी कन्डेक्टर उपकरण तैयार करने में किया जाता है।

मैगनेटिक टेप की रील को स्पुल कहा जाता है।

सुपर कम्प्यूटर (Super Computer)

ये कम्प्यूटर आकार में बहुत विराट और गति में मेनफ्रेम कम्प्यूटरों से भी सैकड़ों गुना ज्यादा तेज होते हैं। इस प्रकार के कम्प्यूटर में कई प्रोसेसर

एक साथ कार्य करते हैं। इस प्रकार के कम्प्यूटरों का उपयोग मौसम अनुमान, मिसाइलें, अन्तरिक्ष यान आदि के लिये किया जाता है तथा इनकी कीमत भी करोड़ों होती है।

सुपर कन्डेक्टर (Supper Conductor)

यह अत्यन्त तीव्र गति से कार्य करने वाला विद्युत सर्किट है।

सुरक्षा विशेषज्ञ (Security Specialist)

कम्प्यूटर की सुरक्षा के विशेषज्ञ या उनके लिये जिम्मेदार व्यक्ति सुरक्षा विशेषज्ञ कहलाते हैं।

सूचना (Information)

डेटा का संसाधित तथा विश्लेषित स्वरूप सूचना कहलाती है।

सूचना की पुनर्प्राप्ति (Information Retrival)

भण्डारित सूचनाओं में से वांछित सूचना को ढूँढ़कर उसे प्राप्त करना सूचना की पुन: प्राप्ति कहा जाता है।

सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (Central Processing Unit)



यह किसी भी कम्प्यूटर का मस्तिष्क और ह्रदय होता है। कम्प्यूटर से सभी काम सी.पी.यू. द्वारा किये जाते हैं। वास्तव में वही असली कम्प्यूटर है।



सेल्फ करैक्टिंग कोड (Self Correcting Code)

यह एक कोड है, जिसका उपयोग डाटा ट्रान्समीशन के लिये किया जाता है।

सेक (Seek)

कम्प्यूटर में प्रयोग किये जाने वाला मैकनिक उपकरणों की सहायता से आँकड़ों को ढूँढ़कर पढ़ने को सेक कहा जाता है।

सेक टाइम (Seek Time)

कम्प्यूटर में संग्रहीत आँकड़ों को ढूँढ़कर पढ़ने में लगने वाले समय को सेक टाइम कहा जाता है।

सेमी कन्डेक्टर (Semi-Conductor)

इनका उपयोग द्वितीय पीढ़ी के कम्प्यूटर में केन्द्रीय संसाधक के रूप में होता था। इसका उदाहरण सिलिकोन (Silicon) है।

सेमी कन्डेक्टर मैमोरी (Semi Conductor Memory)

इसे सोलिड स्टेट (Solid State) मैमोरी के नाम से भी जाना जाता है। यह सामान्यतया आई.सी. (IC) प्रारूप में तैयार होती है।

सेट (Set)

सम्बन्धित एन्ट्रीज के संग्रह को सैट कहा जाता है।

सेमी कन्डेक्टर डिवाइस (Semi-Conductor Device)

जिन उपकरणों के निर्माण में सेमी कन्डेक्टर तत्त्वों का निर्माण किया जाता है उसे सेमी कन्डेक्टर डिवाइस कहा जाता है।

सेन्स (Sense)

मैगनेटिक टेप या पंच कार्डों पर अंकित सूचना को पढ़ने की प्रक्रिया को सेनम कहा जाता है।

सेन्सरस् (Sensors)

इस उपकरण की सहायता से कम्प्यूटर में होने वाले किसी भी बदलाव को अनुभव किया जा सकता है।

सेट (Set)

निर्देशों (**Instructions**) के समूहों को सेट कहा जाता है।

सेव (Save)

कम्प्यूटर में प्रयोग की जाने वाली किसी भी प्रकार की सूचना को फाइल के रूप में परिवर्तित कर स्थायी सूचना के रूप में संग्रहीत करने को सेव कहा जाता है।

सैकण्ड जनरेशन कम्प्यूटर (Second Generation Computer)

इन कम्प्यूटरों का विकास 1950 और 1960 के मध्य में हुआ था तथा इनमें केन्द्रीय संसाधन के रूप में ट्रांजिस्टरों का उपयोग किया जाता है।

सैकण्डरी मैमोरी (Secondary Memory)

कम्प्यूटर के अलावा बाहर की सूचना का संग्रह किया जा सकता है, उसे सैकण्डरी मैमोरी कहा जाता है।

सैक्टर (Sector)

सूचना संग्रह प्रणाली मैगनेटिक डिस्क के सिंग्ल ट्रेक के सब सैक्सन को सैक्टर कहा जाता है।

सैटेलाइट (Satellite)

मानव निर्मित एक उपग्रह है जो पृथ्वी की कक्षा में पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता रहता है।

संग्रह क्षमता (Storage Capacity)

कम्प्यूटर सोफ्टवेयर में आँकड़े संग्रह करने की क्षमता को संग्रह क्षमता कहा जाता है।

संग्रह स्थान (Storage Location)

संग्रह माध्यम की वह स्थिति जहाँ पर आँकड़ों को संग्रहीत किया जाता है, उसे संग्रह स्थान कहा जाता है।

संख्यात्मक (Numeric)

संख्याओं को संख्यात्मक डाटा कहा जाता है।

संचार माध्यम (Communication System)

नेटवर्क का कार्य दूर संचार माध्यमों से संचालित होता है। जो माध्यम दूर-दराज तक सूचना का संप्रेषण करते हैं, उन्हें ही संचार माध्यम कहा जाता है।

संजय (Sanjay)

यह पैकेज सी डी एस/आई.एस.आई.एस. पर आधारित है, जिसे आई.एस.आई.एस. का विस्तारित रूप कहा जा सकता है। विकास ने एक प्रोजेक्ट के रूप में इसे डेसीडॉक ने विकसित किया है।

संसाधन तकनीक (Processing Technique)

संचालन प्रणाली का प्रोसेसिंग तकनीकों के साथ भी सम्बन्ध है। प्रत्येक संचालन प्रणाली हर संसाधन तकनीक के लिये उपयोग में नहीं लाई जा सकती है। कम्प्यूटर में तीन प्रकार की संसाधन तकनीकों का प्रयोग होता रहता है—

(1) बैच संसाधन तकनीक

(2) समय-सांझा तकनीक

(3) रियल टाइम तकनीक

श

शीट फीडर (Sheet Feeder)

यह एक पेपर फीडिंग डिवाइस है, जो प्रिन्टर के साथ जुड़ी होती है।

शट डाउन (Shut Down)

कम्प्यूटर को बन्द करने की प्रक्रिया को शट डाउन कहा जाता है।

शेल (Shell)

यह एक प्रोग्राम है, जिसे समादेशों का व्याख्याता कह सकते हैं। उपभोक्ता जो समादेश देता है, उसे यह कम्प्यूटर को समझाता है, ताकि कम्प्यूटर उसका पालन कर परिणाम प्रदान करता है।

शिड्यूलर (Scheduler)

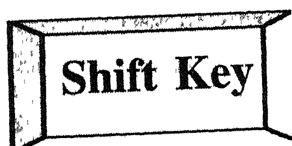
यह केन्द्रीय संसाधक एकक द्वारा किये जाने वाले कार्यों का क्रम निर्धारित करने का काम करता है।

शिफ्ट (Shift)

बहुत अधिक संग्रहीत आंकड़ों में मे बहुत कम मात्रा में आंकड़े अलग करने की प्रक्रिया को शिफ्ट कहा जाता है।

शिफ्ट की (Shift Key)

की बोर्ड की इस 'की' (Key) की सहायता से नीचे के अक्षर का प्रयोग करते हैं तथा केप्स लॉक (Caps Lock) नामक 'की' ऑफ हो तो इसका प्रयोग करके ऊपर के अक्षरों को लिखा जाता है।



शिफ्ट क्लिक (Shift Click)

शिफ्ट की (Shift Key) के साथ माउस बटन को दबाने की प्रक्रिया को शिफ्ट क्लिक कहा जाता है।

शिफ्ट रजिस्टर (Shift Register)

शिफ्ट रजिस्टर से तात्पर्य कम्प्यूटर में उस स्थिति से है, जिसका उपयोग डाटाओं को दायीं और बाई ओर शिफ्ट करने हेतु किया जाता है।

शेयरवेयर (Shairvare)

निश्चित समय के लिये मुफ्त में उपलब्ध प्रोग्रामिंग सेवा शेयरवेयर कहलाती है।

शेड (Shade)

कम्प्यूटर ग्राफिक के काले रंग का किसी अन्य रंग में मिश्रण को शेड कहा जाता है।

शेल्फ चैकिंग कोड (Self Checking Code)

यह कम्प्यूटर प्रोग्राम की गलतियों की जाँच करने वाला प्रोग्राम होता है।

शैल्फ करैक्टींग कोड (Self Correcting Code)

वह अंकों पर आधारित प्रणाली है जो सम्प्रेषण के दौरान उत्पन्न होने वाली गलतियों को स्वयं ही ठीक करता रहता है।

शैयर्ड फाइल (Shared Files)

शैयर्ड फाइल उसे कहा जाता है जिन फाइलों का उपयोग दो कम्प्यूटरों में एक साथ किया जा सकता है।

शैयरड रिसोर्स (Shared Resource)

एक कम्प्यूटर में लगे उपकरणों का दूसरे कम्प्यूटर द्वारा प्रयोग करने को शैयरड रिसोर्स कहा जाता है।

ह

हर्मन होलेरिथ (Herman Hollerith)

हर्मन होलेरिथ ने 1830 को अमेरिकन जनगणना में छिद्रित पत्रकों का उपयोग किया। छिद्रित पत्रकों में विभिन्न स्थानों पर के छेद विभिन्न अंकाक्षरों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हार्डवेयर (Hardware)

कम्प्यूटर के विभिन्न भौतिक उपकरण जिनसे मिलकर कम्प्यूटर की रचना होती है, उसे हार्डवेयर कहा जाता है। यह भाग है—इनपुट यूनिट, सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट, आउटपुट यूनिट इत्यादि।

हाइब्रिड कम्प्यूटर (Hybrid Computer)

जिन कम्प्यूटरों में एनालोग और डिजिटल कम्प्यूटर दोनों के गुण पाये जाते हैं, उन्हें हाइब्रिट कम्प्यूटर कहते हैं।

हाई लेवल लैंग्वैज (High Level Languages)

यह कम्प्यूटर की प्रोग्रामन भाषायें होती हैं। इस प्रकार की प्रोग्रामन भाषाओं में प्रयुक्त चिन्ह या कोड रोजमर्रा की बोलचाल में प्रयुक्त भाषा के समान होता है। उच्चस्तरीय भाषाओं के विकास से पूर्व कम्प्यूटर प्रोग्रामन कार्य निम्न स्तरीय भाषाओं में किया जाता है।

हार्ड कॉपी (Hard Copy)

हार्ड कॉपी से तात्पर्य कम्प्यूटर में भण्डारित सूचना का कागज पर निर्गत या मुद्रण। सूचना को हार्ड कॉपी के रूप में उपलब्ध करवाने से तात्पर्य कम्प्यूटर में रखी सूचना को कागज पर उपलब्ध करवाकर उपलब्ध करवाना है।

हार्डवेयर विशेषज्ञ (Hardware Specialist)

कम्प्यूटर को ठीक करने वाले व्यक्ति को हार्डवेयर विशेषज्ञ कहा जाता है।

हार्वर्ड एकेन

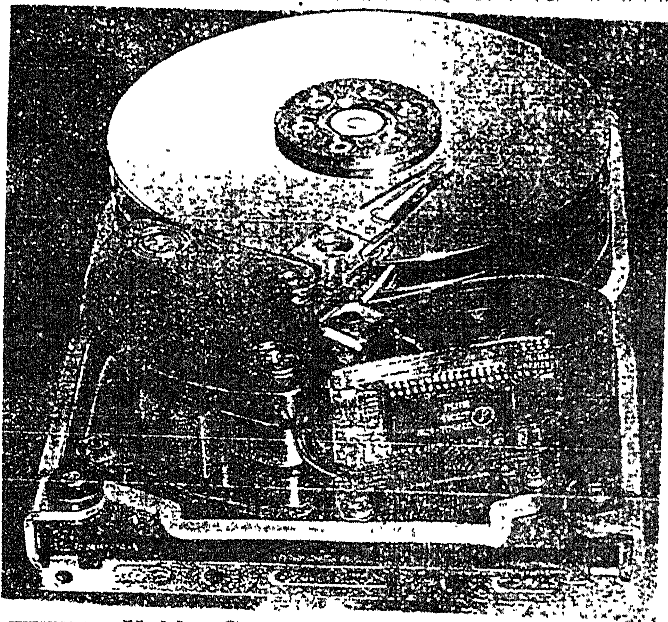
इन्होंने आई.बी.एम. कम्पनी के वैज्ञानिकों के सहयोग से प्रथम स्वचालित परिगणक बनाया, जिसका नाम ऑटोमेटिक सिक्वेंस कन्ट्रोल्ड कैलकुलेटर रखा गया।

हॉफ, टैड (Hoft Ted)

यह अमेरिकन इंजीनियर है, जिन्होंने माइक्रोप्रोसेसर का आविष्कार किया था। इन्होंने 1971 में लार्ज स्केल इंटेग्रेशन के द्वारा डाक टिकिट के आकार के सिलिकन चिप पर हजारों ट्रांजिस्टरों को स्थापित कर सर्किट बनाने में सफलता प्राप्त की।

हार्ड डिस्क (Hard Disk)

जब एक ही ध्रुव पर फ्लॉपी डिस्कों जैसी कई डिस्क एक साथ लगा दी जाती हैं तो वह हार्ड डिस्क का रूप ले लेती है। इसमें सबसे ऊपर व नीचे वाली छतों को छोड़कर सब जगह डाटा रखे जा सकते हैं।



हॉबी कम्प्यूटर (Hobby Computer)

यह एक छोटा कम्प्यूटर होता है, जो होम-ऑरियन्टेड उपयोग हेतु होता है।

हाई स्पीड प्रिन्टर (High Speed Printer)

यह एक लाइन प्रिन्टर होता है, जिसकी गति 300 में 3000 लाइन प्रति मिनिट होती है।

हार्ड कॉपी (Hard Copy)

प्रिंटर की सहायता से कागज पर की गई प्रिंटिंग को हार्ड कॉपी कहा जाता है।

हॉबी कम्प्यूटर (Hobby Computer)

अपने मनपसन्द कार्य को करने के लिये जिस कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है उसे हॉबी कम्प्यूटर कहा जाता है।

हाउसिंग (Housing)

कम्प्यूटर के सम्बन्ध में हाउसिंग शब्द का प्रयोग कम्प्यूटर कैबिनेट के लिये किया जाता है।

हाइपर टेप (Hyper Tape)

इसका प्रयोग टेप की इकाई के लिये किया जाता है।

हाई संग्रह (High Storage)

कम्प्यूटर स्मृति का वह स्थान जहाँ पर ऑपरेटिंग सिस्टम संग्रहीत रहता है।

हाई आर्डर (High Order)

संख्याओं के समूह में सबसे उच्च मान वाली संख्या हार्ड आर्डर कहलाती है।

हानी वैल (Heney Well)

यह एक प्रसिद्ध कम्प्यूटर उपकरण की निर्माता कम्पनी है।

हार्ड हाइफन (Hard Hyphen)

हार्ड हाइफन का उपयोग कम्प्यूटर में शब्दों को जोड़ने के लिये किया जाता है।

हाकर (Hacker)

हाकर से तात्पर्य उस व्यक्ति से है जो जानबूझकर किसी दूसरे कम्प्यूटर को खराब करता है।

हाफ ड्यूटलक्स (Half Duplex)

वह एक प्रकार का सम्प्रेषण का माध्यम है जिसका उदाहरण वायरलैस है।

हाफ वर्ड (Half Word)

बिट या बाइट का लगातार क्रमबद्ध समूह को हाफ वर्ड कहा जाता है।

हालटिंग प्रोब्लम (Halting Problem)

हालटिंग प्रोब्लम वह समस्या है जिसके कारण कम्प्यूटर कार्य करते करते बीच में रुक जाता है।

ही-राइज (Hi Rise)

यह ए.आई. (AI) आधारित प्रोग्राम है, जो बिल्डिंग निर्माण में सहयोग करता है।

हिट (Hit)

वेब साइट में जुड़ने की प्रक्रिया को हिट कहा जाता है।

हिडन लाइन (Hidden Line)

वह लाइनें जो आँखों से दिखाई नहीं पड़ती हैं उसे हिडन लाइन कहा जाता है।

हिस्ट्री (History)

किसी निर्धारित अवधि के दौरान नेट पर आय की गतिविधियों को रिकार्ड रखने की व्यवस्था हिस्ट्री कहलाती है।

हैडर (Header)

प्रिंटिंग पेज के ऊपरी भाग को हैडर कहा जाता है।

हैक्टो (Hecto)

यह सैकण्ड के लिये प्रयोग की जाने वाली इकाई है।

हैडर कार्ड (Header Card)

वह कार्ड जिसमें आंकड़े से सम्बन्धित सूचना लिखी होती है वह हैडर कार्ड कहलाता है।

हिट (Hit)

इंटर कुंजी को दबाने की प्रक्रिया को हिट कहा जाता है।

हैक्साडेसीमल अंकन (Hexadecimal Number)

इस प्रणाली का आधार 16 होता है। यह 16 अंक निम्नलिखित हैं—

0, 1. 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, A, B, C, D, E तथा F

हैड क्लियरिंग डिवाइस (Head Clearing Device)

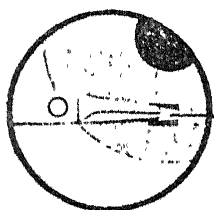
यह वह उपकरण है जिसकी सहायता से फ्लॉपी डिस्क या सीडी रोम के हैड को साफ किया जा सकता है।

हार्ड फेलियर (Heard Failure)

कम्प्यूटर के फेल हो जाने को हार्ड फेलियर कहा जाता है।

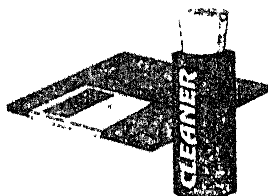
हैड (Head)

हार्डडिस्क या फ्लॉपी का वह भाग जो कि चुम्बकीय सतह से डेटा पढ़ता है या फिर उसमें लिखता है।



हैड क्लिनिंग डिवाइस (Head Cleaning Device)

वह उपकरण जिसका प्रयोग करके फ्लॉपी डिस्क या सी.डी.-रोम का हैड को साफ करता है।



हैंड शेकिंग (Hand Shaking)

दो विभिन्न कम्प्यूटरों को किसी नेटवर्क की सहायता से आपस में जोड़ने की प्रक्रिया को हैंड शेकिंग कहा जाता है।

हैंड कैलकुलेटर (Hand Calculator)

जिस कैलकुलेटर का उपयोग हाथ में रखकर किया जाता है उसे हैंड कैलकुलेटर कहा जाता हं।

हैल्प (Help)

यह सहायता करने वाला सिस्टम है जिसका प्रयोग लगभग सभी सॉफ्टवेयर में किया जाता है।

होम कम्प्यूटर (Home Computer)

यह व्यक्तिगत कम्प्यूटर है तथा इसका उपयोग कम्प्यूटर गेम के लिये किया जाता है।

होम पेज (Home Page)

कम्प्यूटर स्क्रीन पर आने वाला एक पेज जो या तो वेब ब्राउजर का होता है या आपके कम्प्यूटर का निजी।

होल्डिंग टाइम (Holding Time)

डेटा सम्प्रेषण में किसी चैनल द्वारा लगने वाले समय को होलडिंग टाइम कहा जाता है।

होलोग्राफी (Holography)

बहुआयामी फोटो को संग्रह माध्यम में जमा करने की प्रक्रिया को होलोग्राफी कहा जाता है।

होम (Home)

होम से तात्पर्य कर्सर की उस अवस्था से है जिसमें वह मोनीटर की प्रथम पंक्ति के प्रथम कॉलम पर रहता है।

होम रिकार्ड (Home Record)

किसी भी फाइल के प्रथम रिकार्ड को होम रिकार्ड कहा जाता है।

होस्ट भाषा (Host Language)

होस्ट भाषा वह प्रोग्रामिंग भाषा है जिसका प्रयोग होस्ट कम्प्यूटर को निर्देश देने में किया जाता है।

होम की (Home Key)

की-बोर्ड की वह 'की' (Key) जिसकी सहायता से कार्सर को मोनीटर की प्रथम पंक्ति को प्रथम कॉलम पर ले जाया जाता है।

List of Abbreviation

AAAI	=	American Association for Artificial Intelligence
AADB	=	Aircraft Accidental Data Base
ABC	=	Atanasoff Berry Computer
AC	=	Alternating Current
ACC	=	Clipped from Accumulator
ACK	=	Anknowledge Character
ACIA	=	Asynchronous Communication Interface Adapter.
ACM	=	Association for Computing Machine
AD	=	Analog of Digital
ADC	=	Analog to digital Converter
ADP	=	Automatic Data Processing
AFL	=	Abstract Family of Languages
AI	=	Artificial Intelligence
AIM	=	Abstract on Industrial Materials
ALU	=	Arithmetic and Logic Unit
ALGOL	=	Also Rinthmic Language.
AM	=	Amplitude Modulation.
AMDS	=	Agri Market Data Service
ANSI	=	American National Standards Institute
APTIC	=	Air Pollution Technical Information Centres
APZ	=	A Programming Language.
ART	=	Automated Reasoning Tool
ASCC	=	Automatic Sequence Controlled Calculator
ASCII	=	American Standards Code for Information Interchange

ASIA	=	Aquatic Sciences and Fisheries Abstracts.
ASK	=	Amplitude Shift Keying
ASR	=	Automatic Send and Receive
AT	=	Advanced Technology.
ATDM	=	Asynchronous Time Divison Multiplexing
AWC	=	Association of Women in Computing
BAR	=	Broadcust Advertiser Report
BASIC	=	Beginners All Purpose Symbolic Instruction Code.
BBC	=	British Broadcasting Corporation
BBN	=	Bolt, Beranek and Newman.
BCD	=	Binany Coded Decimal
BCS	=	British Computer Society
BEMA	=	Business Equipment Manufacture's Asociation.
BDOS	=	Basic Disk Operating System
BICAS	=	Business International Country Assessment Service
BIMAC	=	Binary Automatic Computer
BISYMC	=	Binary Synchronous Communication
BIT	=	Binary Digit
BMC	=	Bubble Memory Control
BOT	=	Beginning of Tap
BOP	=	Bit Oriental Protocl
BPI	=	Bits Per Inch
BPS	=	Bits Per Second
BROM	=	Bipolar Read only Memory
BSAM	=	Basic Sequential Access Method
BSC	=	Binary Synchronous Communication

BSI	=	Bibliographic Service Information
BSN	=	Business Subscriper Network
BTAM	=	Basic Telecommunication Access Method
CAD	=	Computer Aided Design
CADAM	=	Computer Graphics Design and Manufactrıng
CADD	=	Computer Aided Design & Drafting
CAE	=	Computer Aided Engineering
CAFS	=	Computer Addressable File Store
CAI	=	Computer Aided Instruction
CALIBNET	=	Culcutta Library Network
CAL	=	Computer Aided Learning
CAM	=	Computer Aided Manufacturing
CAST	=	Computerised Accounting System of Treas-ury
CAT	=	Computer Assisted Training
CAT	=	Computerised Axial Tomography
CBL	=	Computer Based Learing
CBM	=	Commodore Business Machines
CCD	=	Charge Coupled Device
CCP	=	Certificate in Computer Programming
CDAC	=	Centre for Development of Advanced Com-puting
CDC	=	Call Directing Code.
CD	=	Compact Disk
CDL	=	Computer Description Language
CDS/ISIS	=	Computerized Documents System/Integrated set of Information System
CDOT	=	Centre for Development of Telemetics.
CDP	=	Certificaye in Data Processing
C-ROM	=	Compact Disk Read Only Memory
CE	=	Chip Enable

CGA	=	Colour Graphics Adapter
CHDL	=	Computer Hardware Check Language
CICS	=	Customer Information Control System
CIM	=	Computer Input Microfilm
CIPS	=	Candian Information Processing Society
CISC	=	Computer Instruction Set Computer
CLIP	=	Coded Language Information Processing
CMC	=	Computer Maintenance Corporation
CMI	=	Computer Managed Instructions
CML	=	Circuit Mode Logic
CMOS	=	Complimentary Metal Oride Silicon
CMU	=	Carnage Mellow University
COBOL	=	Common Business Oriented Languase
CNC	=	Computer Numerical Control
CODASYL	=	Conference on Data System Language.
COM	=	Computer Out Come Micro Film
COM AL	=	Common Alogriths Language
CPM	=	Critical Path Method
CR	=	Carriage Return
CRC	=	Cyclic Redundancy Check
CS	=	Chip Select
CSI	=	Computer Society of India
CUE	=	Computer Using Educators
CU	=	Control Unit
CPU	=	Central Processing Unit
CRT	=	Cathode Ray Tube
DARPA	=	Defence Advanced Research Projects Agency
DASD	=	Direct Access Storage Device
DAT	=	Dynamic Address Translation
DBMS	=	Data Base Management System

DCB	=	Data Control Block
DCE	=	Data Communication Equipment
DDD	=	Direct Distance Diallıng
DDP	=	Distributed Data Processing
DEC	=	Digital Equipment Corporation
DTP	=	Desk Top Publishing
DOS	=	Disk Operating System
DLC	=	Data Lınk Control
DMA	=	Direct Memory Access
DMAC	=	Direct Memory Access Channel
DNC	=	Direct Numerical Control
DOA	=	Dead On Arrival
DOAS	=	Doctors Office Automation Systems.
DOE	=	Department of Electronics
DOS	=	Disk Operating System
DP	=	Data Processing
DPMA	=	Data Processing Management
DRO	=	Destructive Read Out
DSCB	=	Data Set Control Block
DSL	=	Data Set Label
DSN	=	Data Set Name
DTE	=	Data Terminal Equipment
DTR	=	Data Terminal Read
EBAM	=	Electron Beam Addressed Memory
EBCDIA	=	Extended Bınary Coded Decimal Interchange
ECL	=	Imitter Compled Logic
ECOM	=	Electronic Computer Orıented Mail
EDP	=	Electronic Data Processing
EDS	=	Exchangeable Disk Store
EDSAC	=	Electronic Deday Storage Automatic Calculator

EDVAC	=	Electronic Discrete Variable Automatic Computer
EEPROM	=	Electrically Erasable Programmable Read only Memory
EIA	=	Electronic Industries Association
ECIA	=	Electronic Computer Industries Association
EMI	=	Electro Magnetic Interference
EOB	=	End of Block
EOF	=	End of File
EOJ	=	End of Job
EOM	=	End of Message
EOT	=	End of Transmission
EPO	=	Emergency Power off
EPROM	=	Electrically Powered Read only Memory
FDM	=	Frequency Division Multiplexing
FEA	=	Finite Element Analysis
FFI	=	Federation for Electronic Industries
FGCS	=	Fifty Generation Computer System
FIFO	=	First in First Out
FF	=	Flip Flop
FX	=	Fixed Area
GC Lisp	=	Golden Common Lisp
GIGO	=	Garbage in Garbage Out
GKS	=	Graphics Kernel System
GNC	=	Graphical Numerical Control
HDLC	=	High Level Data Line Control
HP	=	Hello Program
HN	=	Hexadecimal Number
HLF	=	High Level Filestore
HLR	=	High Level Recovery
HLL	=	High Level Language

HLL	=	High Level Language
HMS	=	Hotel Management System
HOLMES	=	Home Office Large Major Equıry System
HC	=	Host Computer
HCT	=	Hyper Cube Topology
IAL	=	International Algorithmic Language
IAS	=	Institute for Advanced Studies
IBG	=	Inter Block Gap
IBM	=	International Business Machines
IC	=	Integrated Circuit
ICAI	=	Intelligent Computer Assisted Instructions.
ICL	=	International Computers Limited
IDEA	=	Interactive Data Entry Assistant
IDPM	=	Institute Data Processing Management
IEEE	=	Institute of Electronic and Electrical Engineers
IMDA	=	Instrument Manufactures and Dealers Association
IML	=	Initial Micro Code Load
IMPL	=	Initial Micro Program Load
ICE	=	In Circuit Emulator
IOC	=	Input Output Controller
IR	=	Instruction Register
IRG	=	Inter Record Gap
ISAM	=	Inter Sequential Access Method
ISDN	=	Integrated Services Digital Neuters
ISO	=	International Standards Organization
ISR	=	Information Storage and Repeval
JCL	=	Job Control Language
KBCS	=	Knowledge Based Computer System
KBS	=	Kilo Byle Per Scond

KEE	=	Knowledge Engineering Environment
KES	=	Knowledge Engineering System
KET	=	Kharagpur Expert Too
KIPS	=	Kilo Instructions Per Second
LAN	=	Local Area Network
LAP	=	Link Access Protocol
LCD	=	Logical Crystal Display
LDL	=	Language Description Language
LF	=	Line Feed
LIFO	=	Last in First Out
LIPS	=	Logical Inferences Per Second
LP	=	Line Printer
LP	=	Liner Programming
LPM	=	Lines Per Minute
LPS	=	Lines Per Second
LSB	=	Least Significant Bit
LSC	=	Last Significant Character
LSD	=	Least Significant Digit
LSI	=	Large Scale Integration
MAC	=	Machine Aided Cognition
MC	=	Megnetic Character
MD	=	Megnetic Disk
MD	=	Megnetic Drum
MFS	=	Megnetic Film Storage
MICR	=	Magneti Inkc Character Recognition
MM	=	Megnetic Memory
MP	=	Megnetic Printer
MT	=	Megnetic Tape
MAIT	=	Manufactures Association Information Technology

MAR	=	Memory Address Register
MARGIE	=	Memory Analysis Response Generation in English
MARS	=	Management of Retail Stores
MCA	=	Master in Computer Applications
MCAE	=	Mechanical Computer Aided Engineering
MCC	=	Micro-electronic & Computer Technology Corporation
MDR	=	Memory Data Register
MOS	=	Metalic Oxide Semi Conductor
MIPS	=	Million Instruction Per Second
MSI	=	Medium Scale Integration
MTBF	=	Mean Time Between Failures
MTTR	=	Mean Time to Repair
MVS	=	Multiple Virtual Storage
MVT	=	Multiple Programming with a Variable Number of Taks
NBS	=	National Bureau of Standards
NC	=	Nano Computer
NC	=	Numerical Control
NCC	=	National Computer Conference
NCGA	=	National Computer Graphics Association
NCSDCT	=	National Centre for software Development and Computer Techniques
NCST	=	National Centre for Software Technology
NDBMS	=	Network Data Base Management System
NEC	=	Nippon Electric Corporation
NECC	=	National Educational Computer Conference
NIC	=	National Information Centre
NMC	=	Network Management Centre
MNOS	=	M. Channel Metal Oxide Semi Conductor

NS	=	Nano Second
NURB	=	Non Uniform Variable Rational B-Splines
NVRAM	=	Non-Volatial Random Access Memory
OCR	=	Optical Character Recognition
OEM	=	Original Equipment Manufacture
OIQ	=	One Line Query
OLTP	=	On Line Transaction Processing
OROM	=	Optical Read Only Memory
OS	=	Operating System
OSI	=	Open System Inter Connection
PAL	=	Phase Alternation Line
PAM	=	Plan Applier Mechanism
PC	=	Personal Computer
PCB	=	Printed Circuit Board
PCM	=	Punch Card Machine
PDM	=	Pulse Division Modulation
PET	=	Popular Low Cost Micro Computer
PGDCA	=	Post Gradual Diploma in Computer Application
PIN	=	Personal Identification Number
PIT	=	Programmable Interval Timer
PLA	=	Programmable Logic Array
POL	=	Procedure Oriented Language
PPH	=	Pages Per Hour
PPM	=	Pulse Position Modulation
PROM	=	Programmable Read Only Memory
QBE	=	Query by Example
QMR	=	Quick Medical Refrence
RAM	=	Random Access Memory
ROM	=	Read Only Memory

RF	=	Radio Frequency
RFQ	=	Request For Quotation
RJE	=	Remote Job Entry
RMS	=	Restaurant Management System
RO	=	Receive Only
ROS	=	Read Only Storage
RPG	=	Repeat Program Generator
RTC	=	Real Time Clock
RTS	=	Request To Send
RWM	=	Read Wirte Memory
RZ	=	Return to Zero
SAC	=	Scientific Advisory Committee
SAM	=	Sequential Access Method
SBC	=	Small Business Computer
SEL	=	System Engineering Laboratory
SLS	=	Super Large Scale Integration
SLT	=	Solid Logic Technique
SNA	=	System Network Architecature
SOP	=	Standard Operationg Procedure
SOS	=	Silicon on Sapphire
SP	=	Stalk Pointer
SSC	=	Small Scale Integration
SVC	=	Super Vision Call
TCAM	=	Telecommunication Access Method
TCB	=	Task Control Block
TCP	=	Transmission Control Protocal
TDM	=	Time Division Multipleity
TOP	=	Technical Office Protocol
TOS	=	Tape Operating System
UHF	=	Ultra High Fequencies

ULSI	=	Ultra Large Seale Integration
VAB	=	Voice Analog Back
VAL	=	Vicarm Arm Language
VAM	=	Vision Aided Manufacturing
VDT	=	Visual Display Terminal
VDD	=	Visual Display Unit
VLDB	=	Very Large Date Bore
VLSI	=	Very Large Scale Integration
VRC	=	Vertical Redundancy
VS	=	Virtual Storage
WAN	=	Wide Area Network
WATS	=	Wide Area Telephon Service
WCCE	=	World Conference on Computers in Education
WPM	=	Word Processing
WP	=	Word Per Minute
WPS	=	Word Processing Society
YACC	=	Yet Another Compiler Compiler



